ICCR
भारतीय सांस्कृतिक
सम्बंध परिषद्

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

Foreign Category Winners of Cartoons & Illustrations
The unique fight of warriors against the decreasing human exixtence - Eljane Nian C. Piano

मजबूत सांस्कृतिक संबंध और स्थानीय विश्वविद्यालय का प्रचार

ICCR
Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

Exhibition of Finally Selected Artworks (Folk & Tribal Art)
Let's Defeat Covid-19 - Sai Dhinakar Kouvshigan

वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

भारत के पास दुनिया को पेश करने के लिए गौरवशाली विविधता और हजारों साल पुराने इतिहास की एक भव्य विरासत है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मंत्र द्वारा निर्देशित, हम अपने पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई विरासत को प्रदर्शित करने और इसे दुनिया के सामने बड़े गर्व के साथ पेश करने के अपने प्रयासों में दृढ़ हैं।

श्री नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का सार - #वसुधैव कुटुम्बकम - विश्व एक परिवार है- आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है

डॉ. एस. जयशंकर
विदेश मंत्री

संदेश

वर्ष 2020-21 शायद पूरे वैश्विक समुदाय के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण वर्ष था क्योंकि वैश्विक महामारी ने धीरे-धीरे एक के बाद एक देश को अपनी चपेट में ले लिया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) में भी सभी के लिए यह वर्ष उस अप्रत्याशित स्थिति के कारण कठिन था, जिसे कोविड -19 महामारी ने निर्मित किया था। इसके बावजूद, और जैसाकि कहा जाता है, 'हर बादल में एक चांदी की परत होती है', वर्ष 2020 के अंत ने आशा, राहत और भरोसे की एक किरण जगाई क्योंकि वैक्सीन उपलब्ध हो गई, धीरे-धीरे जीवन को सामान्य कर दिया। जैसाकि पूरी दुनिया एक साथ वैश्विक महामारी से उबर चुकी है, हम, परिषद में, आशान्वित हैं कि 2021 के आगामी दिन चारों ओर अच्छाई और स्वास्थ्य लेकर आएंगे।

कोविड -19 महामारी ने कई चुनौतियां पेश कीं और हमने उनका सामना करने के लिए समाधान खोजने के लिए हाथ मिलाया। हमें न केवल दृढ़ सामूहिक निश्चय और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और अधिक महत्वपूर्ण रूप से एकजुटता की भावना की भी आवश्यकता है। इस संदर्भ में, यह बहुत संतोष की बात है कि जहां कई देश हमारी मदद के लिए दौड़ पड़े हैं, वहीं भारत ने भी अपना कर्तव्य निभाया और इस अवसर पर आगे बढ़ा। हमारे सभ्यतागत मूल्यों को ध्यान में रखते हुए और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा को एक परिवार के रूप में सह-अस्तित्व की इमारत के रूप में बनाए रखते हुए, दुनिया के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करने और एक साथ महामारी पर काबू पाने के लिए निरंतर समर्थन प्राप्त किया जा सकता है।

मौजूदा परिस्थितियों के कारण, आईसीसीआर ने विश्व के साथ निरंतर बातचीत के लिए 'वर्चुअल तरीका' अपनाया। ऑनलाइन प्रतियोगिताओं और संगोष्ठियों या सम्मेलनों सहित विभिन्न सांस्कृतिक मंचों का आयोजन वस्तुतः आईसीसीआर द्वारा किया गया था, जिसने दुनिया भर के लोगों के लिए बातचीत करने और अपने विचारों/रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के विभिन्न अवसर पैदा किए।

वैश्विक महामारी के बीच अच्छे स्वास्थ्य और एकता को बढ़ावा देने की भावना के साथ, आईसीसीआर ने आयुष मंत्रालय के सहयोग से छठे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2020 के उत्सव को चिह्नित करने के लिए "माई लाइफ माई योगा" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय वीडियो ब्लॉग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में भारत से कुल 35,141 प्रविष्टियां और अन्य देशों से लगभग 2000 प्रविष्टियां आकर्षित हुईं। हम वार्षिक प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के लिए एक रन-अप के रूप में 'भारतीय संस्कृति के प्रचार में प्रवासी की भूमिका' विषय पर एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित करने जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने डाएस्पर के साथ सफलतापूर्वक और लगातार संबंध बनाए रखने में सक्षम रहे थे। भविष्य में, और वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए, आईसीसीआर बेहतर पारस्परिक प्रभाव के लिए इस तरह के कई और वर्चुअल इवेंट आयोजित करने का प्रयास करेगा।

रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर 2 अक्टूबर, 2020 को महात्मा गांधी की 125 वीं जयंती को चिह्नित करने के लिए 'बुनाई संबंध; कपड़ा परंपराएं' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार था। अपनी स्थापना के बाद पहली बार, आईसीसीआर ने इस बात पर विचार किया कि विभिन्न देशों के पारंपरिक बुनकर और वस्त्रों में उनका कौशल सांस्कृतिक संबंध बनाने के लिए वाहन के रूप में कैसे काम कर सकता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ओर से इस विषय पर एक बहुत ही उत्साहजनक संदेश पाकर हमें खुशी हुई।

जैसाकि पिछले वर्ष लोकमान्य तिलक की 100वीं पुण्यतिथि थी, अतः आईसीसीआर ने आईजीएनसीए, आईसीएसएसआर और डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी, पुणे के सहयोग से 'लोकमान्य तिलक: स्वराज से आत्मानिर्भर भारत' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

हम अपने स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ की दहलीज पर हैं। परिषद के अध्यक्ष के रूप में, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आईसीसीआर इस ऐतिहासिक अवसर को चिह्नित करने के लिए कई कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर काम कर रहा है। लोकतंत्र और सुशासन न केवल हमारे सभ्यतागत मूल्यों बल्कि हमारी संस्कृति का भी हिस्सा रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का उत्सव इन्हीं मूल्यों का उत्सव है। हम इस अवसर को उचित तरीके से मनाने के हमारे प्रयासों में दुनिया भर से पूरे आईसीसीआर-परिवार की भागीदारी का स्वागत करेंगे।

(विनय सहस्रबुद्धे)
अध्यक्ष, आईसीसीआर

SANITIZER

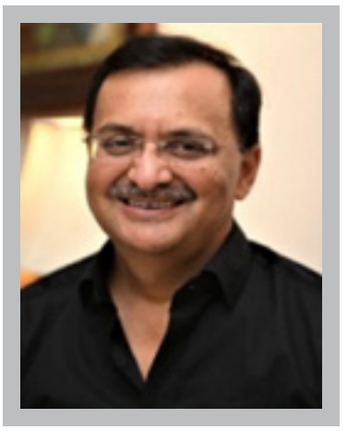

प्रस्तावना

वर्ष 2020-21 के लिए आईसीसीआर की वार्षिक रिपोर्ट इस तथ्य का प्रमाण है कि कोविड महामारी द्वारा उत्पन्न वैश्विक तबाही के बावजूद, आईसीसीआर ने भारत और दुनिया के देशों के बीच नरम कूटनीति और सांस्कृतिक संबंधों के अपने अधिदेश को पूरा करना जारी रखा।

"संकट के समय मूढ़ लोग अवरोधों को खड़ा करते हैं, बुद्धिमान लोग पुलों का निर्माण करते हैं"

इस सिद्धांत का पालन करते हुए, आईसीसीआर ने अपने काम को करने के लिए नए मार्ग और रास्तों का आविष्कार करने, प्रयोग करने और चार्ट बनाने के लिए प्रौद्योगिकी सहित अपने कार्यों के निपटान में उपकरणों का प्रयोग किया, विशेष रूप से जिस तरह से हम संचार के नए रूपों को जोड़ते और अनुकूलित करते हैं। आईसीसीआर ने नवीनतम तकनीक को अपनाया और इसकी समस्त प्रोग्रामिंग को ऑनलाइन किया। अनगिनत वेबिनारों, ऑनलाइन शोज, वर्चुअल प्रदर्शनों के अलावा, आईसीसीआर ने दुनिया भर में हमारे वार्ताकारों तक पहुंच के लिए प्रतियोगिताओं, प्रश्नोत्तरियों, सहकार्यों का प्रयोग किया। वर्चुअल पेंटिंग प्रतियोगिता "कोरोना के समय में कला" में दुनिया भर से 8000 से अधिक प्रविष्टियां थीं; पहली बार कोइर फेस्टिवल में 50 से अधिक देशों के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। हमारे सांस्कृतिक केंद्रों ने भी हमारे मार्गदर्शन का अनुसरण किया और अपने काम के हर पहलू का संचालन करने के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन हो गए।

और जब-जब महामारी ने हमें विश्राम दिया, एक संक्षिप्त विराम, इस कठिन वर्ष में, हमने इसका उपयोग मैड्रिड, स्पेन में सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा और सितार शो तथा ढाका, बांग्लादेश में मुजीब बारशो समारोह जैसे वास्तविक ऑनसाइट कार्यक्रमों के लिए किया।

अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, "हर संकट के बीच में, एक अवसर होता है" और हमने, आईसीसीआर में, इस अवधि का उपयोग स्वयं को फिर से संगठित करने और पुन: अनुकूलता के लिए किया, संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रशासनिक परिवर्तन किए, छात्रवृत्ति कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर सुधारों को लागू किया, हमारे कार्यक्रमों और प्रणालियों का प्रौद्योगिकी उन्नयन, अधिक से अधिक मीडिया आउटरीच, बेहतर सोशल मीडिया उपयोग, हमारे शैक्षणिक चेयर्स कार्यक्रम में सुधार और कई नई पहल शुरू करना। इस अवधि ने हमें एक नई दुनिया के लिए खुद को तैयार करने का समय दिया, एक नया सामान्य परिवेश जो प्रौद्योगिकी संचालित, सूचना अतिभारित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी तथा निर्मम है। आईसीसीआर के पास अपने अधिदेश को पूरा करने, इस नई दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 21वीं सदी के उपकरण होंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में जो कुछ भी होगा, आईसीसीआर उसके लिए पूरी तरह से तैयार होगा। मुझे यकीन है कि आप एक नए रंगीन प्रारूप में वार्षिक रिपोर्ट का आनंद लेंगे, जिसमें वह सब समाहित है जो हमने 2020-21 में किया था।

(दिनेश के पटनायक)
महानिदेशक

विषय-वस्तु

आईसीसीआर परिचय 15

आईसीसीआर की उल्लेखनीय घटनाएं 16-17

आईसीसीआर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र 18-57

आईसीसीआर क्षेत्रीय केंद्र 58-61

क्षेत्रीय कार्यालयों की आईसीसीआर गतिविधियां 62-77

आईसीसीआर कार्यक्रम 78-79

आईसीसीआर बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल 80-87

आईसीसीआर आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल (आईसीडी) 88-93

आईसीसीआर प्रदर्शनियां 94-99

आईसीसीआर की आवक्ष मूर्तियां/ प्रतिमाएं 100-101

भारतीय अध्ययन की आईसीसीआर चेयर्स 102-103

आईसीसीआर सम्मेलन और सेमिनार 104-115

आईसीसीआर अकादमिक और बौद्धिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 116-117

हिन्दी प्रचार 118-120

आईसीसीआर पुरस्कार 121-122

आईसीसीआर ई-लर्निंग पोर्टल "UTIKS" आईसीसीआर और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 123

आईसीसीआर की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियां विदेशों में भारतीय मिशन 124-127

आईसीसीआर सिंहावलोकन और संवैधानिक निकाय 128-130

आईसीसीआर वित्त और लेखा 131-133

आईसीसीआर अनुलग्नक 134-138

Exhibition of Finally Selected Artworks (Folk & Tribal Art)
Mask - Shaji Ns

Incredible India

2020

INDIAN
CULTURAL CENTER
TEL AVIV

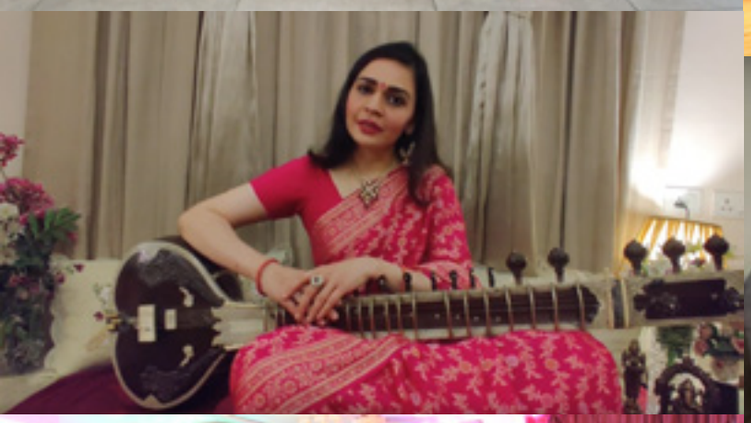

High Commission of India

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद

परिचय

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संगठन है जिसकी स्थापना 1950 में विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और शेष विश्व के साथ सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के समग्र अधिदेश के साथ की गई थी। इसकी गतिविधियों में भारतीय कला, इतिहास, मौखिक परंपराओं, नृत्य, संगीत, योग, भाषाओं, भोजन, त्योहारों और समकालीन मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से विदेशों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और बौद्धिक आदान-प्रदान तथा भारत की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है।

आईसीसीआर सोसायटी अधिनियम के अंतर्गत सोसायटी के रूप में पंजीकृत है। इसका परिचालन विदेश मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक स्वतंत्र निकाय के रूप में होता है। आईसीसीआर की सभी गतिविधियों का उद्देश्य भारत की विरासत, मूल्यों और दर्शन के प्रसार के माध्यम से लोगों के दिल और दिमाग तक पहुंचना है ताकि एक प्यारी और चिरस्थायी छवि बनाई जा सके और विदेशों में भारत की सॉफ्ट पावर का प्रचार किया जा सके। आईसीसीआर विदेश में सेमिनारों और संगोष्ठियों की सुविधा के साथ-साथ विद्वानों, शिक्षाविदों, राय बनाने वालों, कलाकारों और लेखकों द्वारा यात्राओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है, प्रदर्शन कला समूहों द्वारा यात्राओं का आदान-प्रदान, प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान, विदेशों में स्थापना के लिए भारतीय नेताओं की प्रतिमाओं और आवक्ष मूर्तियों को प्रवर्तन में लाना आदि। आईसीसीआर भारत में अध्ययन के लिए विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का भी संचालन करता है, यह भारत में रुचि के विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियों और परिचर्चाओं के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विदेशों के विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन के लिए अध्यक्षों और प्रोफेसरों की स्थापना और रखरखाव भी करता है और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के लिए पुरस्कार प्रदान करता है।

आईसीसीआर अपने 38 अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्रों और 19 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से वैश्विक समुदाय के साथ भारतीय संस्कृति की समझ सृजित करने की दिशा में काम करता है। पिछले सात दशकों के दौरान, एक संस्था के रूप में आईसीसीआर के कामकाज ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में नए आयाम अर्जित किए हैं और यह अच्छी तरह से डिजाइन किए गए और लक्षित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से विदेश मंत्रालय की 'सॉफ्ट पावर' शाखा के रूप में उभरा है। यह परिषद सांस्कृतिक कूटनीति में लगी एक पूर्व-प्रतिष्ठित संस्था और भारत और भागीदार देशों के बीच बौद्धिक आदान-प्रदान के प्रायोजक होने पर गर्व करती है और भारत के महान सांस्कृतिक और शैक्षिक उत्थान का प्रतीक है।

आईसीसीआर

आईसीसीआर की उल्लेखनीय घटनाएं

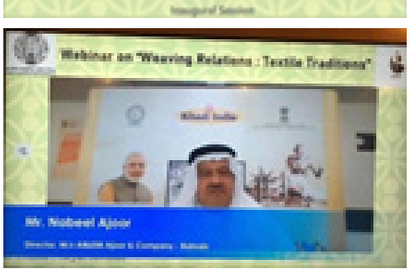

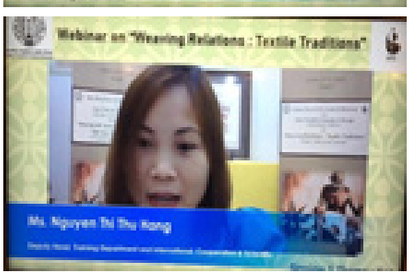

3 अक्टूबर 2020 को आईसीसीआर, नई दिल्ली में "बुनाई संबंध: कपड़ा परंपराएं" अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् और उत्तर प्रदेश डिजाइन संस्थान (यूपीआईडी) ने संयुक्त रूप से गांधी @150 समारोह मनाने के लिए 3 अक्टूबर 2020 को कपड़ा और बुनाई पर "बुनाई संबंध: कपड़ा परंपरा" एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। मुख्य भाषण भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया। 12 विदेशों- इंडोनेशिया, वियतनाम, बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, भूटान, बहरीन, कोरिया गणराज्य, थाईलैंड, अफगानिस्तान, बेलारूस, श्रीलंका और उजबेकिस्तान ने दिन भर चलने वाले वेबिनार में भाग लिया, जिसमें कपड़ा कलाकारों, कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों के लिए अवसरों की खोज की गई, कपड़ा परंपराओं, समानताओं और विभिन्न प्रभावों के परस्पर संबंध, कई मार्गों पर सूचना के प्रवाह और दुनिया के वस्त्रों की कालातीत परंपराओं को जीवंत करने की दिशा में काम करने और तकनीकी जानकारी, सर्वोत्तम प्रथाओं और वर्तमान में विपणन रणनीतियों पर विचार-मंथन करने के लिए बातचीत, विचार-विमर्श और साझा करने पर बात हुई।

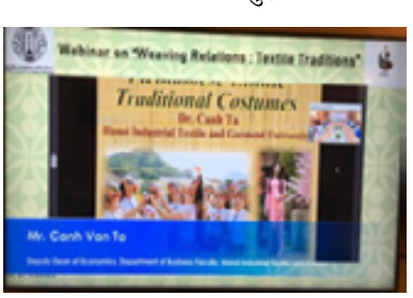

भारत की सभी कपड़ा परंपराओं में, रंग है,
जीवंतता और विस्तार के लिए नजर: पीएम मोदी

आईसीसीआर मुख्यालय में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण

भारत के राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद ने, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के मुख्यालय में, भारत के पूर्व प्रधान मंत्री (16 अगस्त, 2020) को उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर, श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का वस्तुतः अनावरण किया। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मार्च 1977 से अगस्त 1979 तक आईसीसीआर के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य किया जब वे विदेश मंत्री थे। समारोह में श्री वी. मुरलीधरन, विदेश राज्य मंत्री और डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, आईसीसीआर के अध्यक्ष और संसद सदस्य ने भाग लिया। पेंटिंग का निर्माण ऑइल-ऑन-कैनवास में श्री वासुदेव कामथ द्वारा किया गया है, जो मुंबई के एक प्रख्यात और प्रसिद्ध चित्रकार हैं, जो एक स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- लोकमान्य तिलक "स्वराज से आत्मनिर्भर भारत"

लोकमान्य तिलक की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर, 1 अगस्त, 2020 को "लोकमान्य तिलक - स्वराज से आत्मनिर्भर भारत" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने वेबिनार का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया तथा प्रख्यात अर्थशास्त्री और लेखक एस गुरुमूर्ति ने समापन भाषण दिया। आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने वेबिनार की अध्यक्षता की। डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी, पुणे ने आईसीएसएसआर और आईजीएनसीए के साथ वेबिनार के आयोजन में आईसीसीआर के साथ भागीदारी की।

आईसीसीआर
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र

विदेशों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता और अभिमूल्यन को बढ़ावा देने के लिए, आईसीसीआर वर्तमान में दुनिया भर में 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों का संचालन करता है। ये केंद्र देश में भारतीय दूतावास/मिशन के साथ मिलकर काम करते हैं और मेजबान देश और भारत के बीच समझ को बढ़ावा देने और संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ये केंद्र विदेशों में भारत की संस्थागत सांस्कृतिक पहुंच के प्रमुख अंग हैं और सांस्कृतिक, शैक्षणिक और बौद्धिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से अपनी सॉफ्ट पावर पेश करते हुए, अन्य बातों के साथ, भारतीय नृत्य, संगीत, योग, भाषाएं, भोजन, त्योहार, इतिहास, लोकाचार और परंपराएं तथा समकालीन मुद्दों सहित भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के ज्ञान, जानकारी और समझ को बढ़ावा देते हैं।

ये केंद्र उन देशों में स्थित हैं जहां भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक हित हैं, साथ ही उन देशों में भी हैं जहां भारतीय मूल का एक बड़ा समुदाय है। इसमें भारत के समीपवर्ती पड़ोसी देश, दक्षिण पूर्व एशिया के साथ-साथ मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश शामिल हैं। मौजूदा केंद्रों ने भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी गतिविधियाँ उन राजधानी शहरों तक ही सीमित नहीं हैं जहां वे ज्यादातर स्थित हैं बल्कि उस देश के अन्य क्षेत्रों को भी सम्मिलित करते हैं।

ये केंद्र महत्व की घटनाओं का उत्सव मनाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। आईसीसीआर ने 172 देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2019 के समारोहों को सुविधाजनक बनाकर दुनिया भर में योग को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। आईसीसीआर ने अपने आईसीसीज और विदेशों में मिशन में योग शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की है। हमारे राष्ट्रीय दिवसों - गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस - उत्साह और देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। वार्षिक कैलेंडर में अन्य कार्यक्रमों में आईसीसीआर स्थापना दिवस, हिंदी दिवस, टैगोर जयंती, संविधान दिवस और होली और दिवाली जैसे भारतीय त्योहार शामिल हैं। ये प्रवासी भारतीयों को देश के संपर्क में रखते हैं और स्थानीय आबादी को भारत की एक झलक देते हैं। भारत के त्यौहार कई देशों में प्रदर्शनियों, खाद्य उत्सवों और शास्त्रीय कला प्रदर्शनों के साथ आयोजित किए जाते हैं। ये हमारी संस्कृति की पच्चीकारी प्रस्तुत करते हैं और हमारी समृद्ध विरासत की एक झलक प्रदान करते हैं।

विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों की सूची अनुलग्नक 3 के रूप में उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए आईसीसीज की गतिविधियों की एक झलक इस प्रकार है:

BANGABANDHU

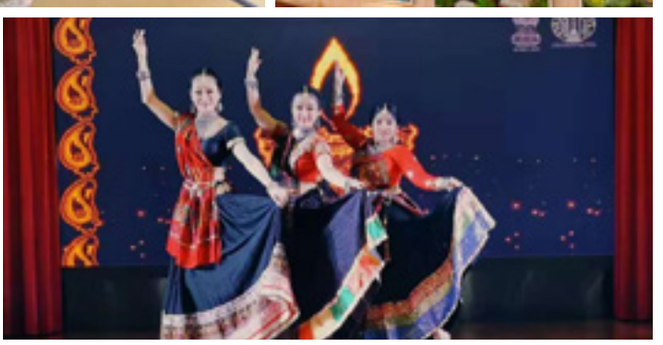

Indian Cultural
Center
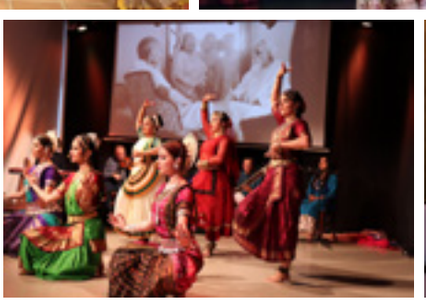

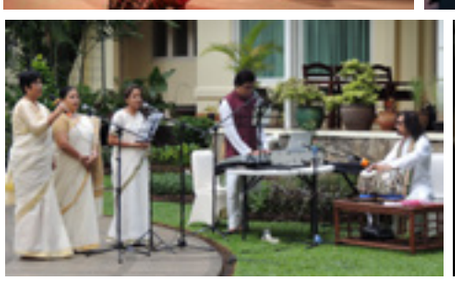

INDIA
REPUBLIC DAY

1. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), काबुल, अफगानिस्तान

एसवीसीसी, काबुल द्वारा संभाला जा रहा मुख्य कार्य आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना का कार्यान्वयन है जो अफगानिस्तान में भारत सरकार का प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम है। 2020-21 में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में कुल 881 छात्रों को प्रवेश दिया गया था।

कोविड -19 महामारी और भारत और अफगानिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के निलंबन, और नाज़ुक सुरक्षा स्थिति के कारण, यह मिशन 2020 के दौरान भारत के दूतावास, काबुल द्वारा अफगानिस्तान में किसी भी बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं कर सका। हालांकि, मिशन द्वारा दो कार्यक्रम आयोजित किए गए थे: (i) जून / जुलाई में एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वीडियो ब्लॉग प्रतियोगिता, *'माई लाइफ, माई योगा'*, और (ii) विश्व स्तर पर प्रसिद्ध गांधीवादी और गांधियन फोरम फॉर एथिकल कॉरपोरेट गवर्नेंस की मुख्य पदाधिकारी डॉ शोभना राधाकृष्ण द्वारा *"गांधी कथा"* (11 अगस्त 2020 को) का एक लाइव सत्र।

2. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

एसवीसीसी, सिडनी ने वर्ष 2020-21 के दौरान 152 से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें से अधिकांश कोविड -19 वैश्विक महामारी के कारण वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर चलाए गए। योग के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, इस केंद्र ने योग वीडियो और फोटो शूट प्रतियोगिता तथा योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित पहलों की विस्तृत श्रेणी का आयोजन किया। एसवीसीसी, सिडनी ने स्वास्थ्य, कल्याण और शाकाहार *"सात्विक आहार"* को बढ़ावा दिया। एसवीसीसी ने खेल हस्तियों, फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों और छात्रों को योग आसन करने और *"दैनिक जीवन में योग"* में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। 12 जून, 2020 को *"आयुर्विमर्ष - योग और आयुर्वेद के साथ संतुलित जीवन की खोज"* - योग और आयुर्वेद के विशेषज्ञों की एक विशेष बातचीत आयोजित की गई थी।

स्वतंत्रता दिवस 2020 के अवसर पर इस केंद्र द्वारा *राग देश* से प्रेरित एक बहुत ही विशेष रचना *"सुर सागर - संगीत का संगम"* की संकल्पना की गई थी। एसवीसीसी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समापन समारोह का समापन शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रदर्शन के साथ गांधी की प्रतिमा और आवक्ष मूर्ति पर पुष्पांजलि के साथ किया। एसवीसीसी ने गांधी वेबिनार का भी आयोजन किया जिसमें ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और गांधीवादी शामिल हुए।

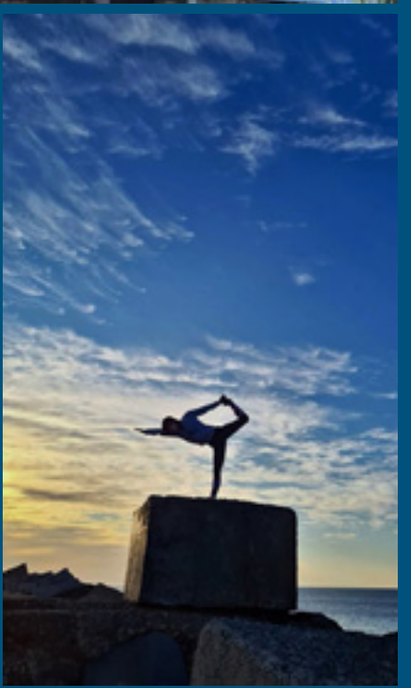

3. इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी), ढाका, बांग्लादेश

आईजीसीसी, ढाका ने शास्त्रीय नृत्य और संगीत पर कई अल्पकालिक कार्यशालाएं आयोजित कीं। आईजीसीसी द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर नियमित रूप से कई कार्यक्रम/कार्यशालाएं/वेबिनार आयोजित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप पूरे बांग्लादेश में व्यापक पहुंच हुई। इस अवधि के दौरान आईजीसीसी द्वारा आयोजित विभिन्न वर्चुअल वर्कशॉप्स में लगभग 2748 लोगों ने पंजीकरण कराया। आईजीसीसी ने बांग्लादेश शिल्पकला अकादमी के सहयोग से बांग्लादेश के 6 जिलों में कोविड 19 महामारी से संबंधित सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कला प्रदर्शनियों का आयोजन किया, जिसमें भारी भीड़ देखी गई। वर्ष 2020-21 के दौरान आईजीसीसी द्वारा आयोजित इवेंट्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा सेमिनारों की कुल संख्या 105 के करीब है।

4. नेहरू वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र (एनडब्ल्युसीसी), थिम्पू, भूटान,

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के समारोह के ग्रैंड फिनाले के हिस्से के रूप में, रॉयल क्वीन मदर महामहिम आशी सांगे चोडेन वांगचुक ने *"वीविंग रिलेशंस: टेक्सटाइल ट्रेडिशन्स"* के उद्घाटन सत्र में एक रिकॉर्डेड वीडियो संदेश के माध्यम से विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया, जिसे आईसीसीआर द्वारा होस्ट किया गया था। एनडब्ल्युसीसी, थिम्पू ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ज़ोरिग चुसुम के सहयोग से एक कला प्रतियोगिता की मेज़बानी की जिसमें प्रतिभागियों को कलाकृति के माध्यम से *"गांधीजी के विचारों और 17 संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के बीच संबंध"* को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

नेहरू वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 के लिए डिजिटल चैनलों के माध्यम से कई योग प्रदर्शनों का आयोजन किया, साथ ही वर्चुअल मोड और *"बच्चों के लिए योग"* जैसे डिजिटल चैनलों के माध्यम से कई योग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

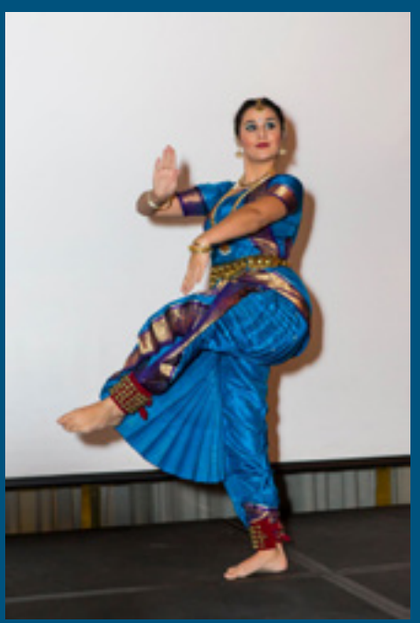

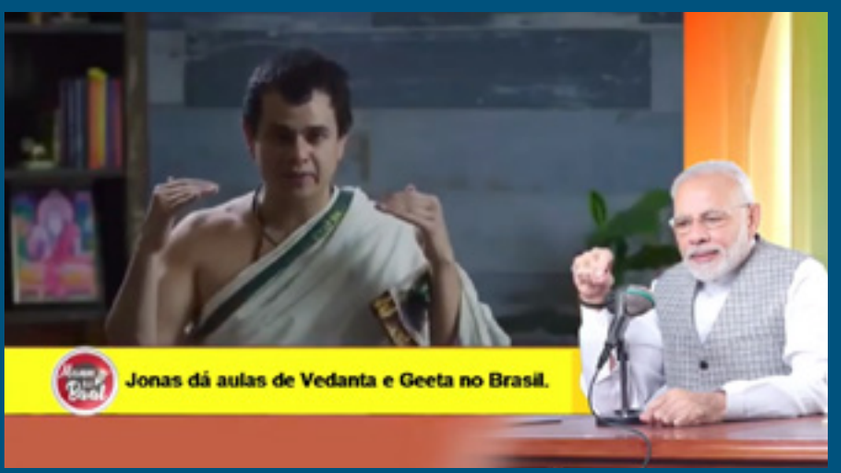

5. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), साओ पाओलो, ब्राज़ील

एसवीसीसी, साओ पाउलो का कामकाज कोविड-19 के कारण प्रभावित हुआ था, लेकिन सांस्कृतिक केंद्र ने सफलतापूर्वक अपनी गतिविधियों को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया और भारत और ब्राजील से प्रख्यात वक्ताओं की भागीदारी के साथ भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कई वेबिनारों, सेमिनारों, वार्ताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया। मुख्य वेबिनारों में योग वेबिनार शामिल था जिसका शीर्षक था *'योग फॉर वेल-बीइंग इन टाइम इन कोविड-19: क्लासिकल अप्रोच विद साइंटिफिक रिसर्च'*, *'गांधी'ज पर्सपेक्टिव ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट'*, इस केंद्र ने दिसंबर के महीने में चौथे लैटिन अमेरिकी आयुर्वेद सम्मेलन (ईएलएलए) का भी आयोजन किया, जिसमें भारत, ब्राजील और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों के आयुर्वेद विशेषज्ञों ने भाग लिया।

इस केंद्र ने पहले वर्चुअल फिल्म समारोह *'1ª मोस्ट्रा इंटरनेशनल डी सिनेमा वर्चुअल'* में भाग लिया और केंद्र ने सेक्रेड आर्ट संग्रहालय, साओ पाउलो के साथ भी सहयोग किया। इस वर्ष इस केंद्र की एक अन्य महत्वपूर्ण पहल विश्व संस्कृति दिवस के उत्सव के लिए मेक्सिको, सूरीनाम और गुयाना में सांस्कृतिक केंद्रों के साथ सहयोग था।

6. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), भारतीय दूतावास, बीजिंग, चीन

कोविड-19 महामारी द्वारा लाई गई चुनौतीपूर्ण चुनौतियों के बीच, एसवीसीसी, बीजिंग दैनिक आवश्यकताओं के अनुसार नया करने और अनुकूलित करने में सक्षम था। एसवीसीसी ने एक ऑनलाइन वेबिनार मोड के माध्यम से विश्व संस्कृति दिवस का आयोजन किया जिसमें डीजी, आईसीसीआर और चीन में प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्तियों की भागीदारी थी। 6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें आयुष मंत्रालय के सहयोग से *"कोविड -19 के दौरान योग"* पर वेबिनार शामिल था। भारत और चीन के कला उत्साही लोगों को जोड़ने वाले लाइव-इन-सीरीज़ कार्यक्रम जिनमें तबला और भरतनाट्यम गायन शामिल थे, आयोजित किए गए। दो साल तक चलने वाले *गांधी@150* समारोह का समापन दूतावास में गांधी कथा के आयोजन के साथ हुआ। इनके अलावा, इस सांस्कृतिक केंद्र द्वारा नियमित वार्षिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे।

7. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), प्राग, चेक गणराज्य

कोविड-19 महामारी के कारण, बड़े पैमाने पर सामूहिक समारोहों पर प्रतिबंध था, अतएव स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), प्राग की सांस्कृतिक गतिविधियां सीमित थीं, इसके बावजूद, इसने 21 जून, 2020 को 6 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। पूरे चेक गणराज्य में फैले योग संस्थान, स्टूडियो, केंद्र आदि सक्रिय रूप से शामिल थे और योग को बढ़ावा देने और प्रचारित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गांधी@150 के 2 साल लंबे समारोह, एसवीसीसी, प्राग द्वारा चेक गणराज्य में कई कार्यक्रमों का आयोजन करके मनाए गए, 2 साल के लंबे समारोह का एक वीडियो कोलाज तैयार किया गया और मिशन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया गया। चेक गणराज्य के रेवनिस में एलीमेंट्री आर्ट स्कूल के बच्चों द्वारा बनाई गई महात्मा गांधी पर पेंटिंग की एक वर्चुअल प्रदर्शनी मिशन के सोशल मीडिया पर अपलोड की गई थी।

8. मौलाना आजाद भारतीय संस्कृति केंद्र (एमएसीआईसी), काहिरा, मिस्र

एमएसीआईसी ने 10 दिसंबर, 2020 को फैमिली मॉल, अक्टूबर सिटी में *"महिला दिवस समारोह"* में भाग लिया, जिसमें भारतीय संस्कृति पर एक प्रस्तुति, भारत के बारे में वृत्तचित्र फिल्में, भारतीय शिल्प और अतुल्य भारत प्रचार सामग्री का वितरण और भारत में पर्यटन स्थलों की एक फोटो प्रदर्शनी का प्रदर्शन विभिन्न आयोजित गतिविधियों का हिस्सा था। एमएसीआईसी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 1 अक्टूबर, 2020 को मिस्र पब्लिक लाइब्रेरी में *"इंडिया डे"* मनाया। इस केंद्र ने महात्मा गांधी पर पुस्तकों का वितरण किया और *"गांधी: उनका जीवन और संदेश"* नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर इस केंद्र ने निबंध, कविता लेखन, भाषण और पेंटिंग के लिए विभिन्न श्रेणियों में *"विंग्स ऑफ इमेजिनेशन"* प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

फरवरी 2021 में विश्व हिंदी दिवस मनाते हुए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। एमएसीआईसी द्वारा 24 जनवरी, 2021 से 18 फरवरी, 2021 तक *भारत प्रश्नोत्तरी-2021* प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

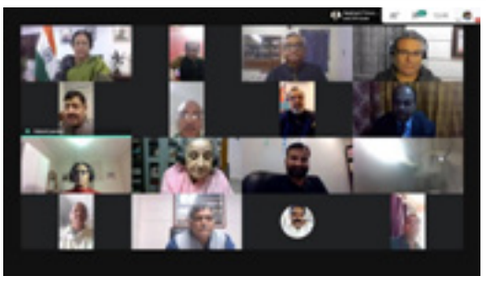

9. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सुवा, फिजी

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र ने विश्व संस्कृति दिवस और छठे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर फिजी सरकार के युवा और खेल सहायक मंत्री माननीय अलीपते नैगाटा ने आईडीवाई में मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। एसवीसीसी, सुवा ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदी पत्रिका प्रवासी संसार (भारत) के सहयोग से *फिजी गिरमिट और भारतीय संस्कृति* पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। 14 सितंबर, 2020 को हिंदी दिवस के अवसर पर फिजी में हिंदी की स्थिति पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई।

भारतीय उच्चायोग और एसवीसीसी, सुवा ने वानिकी मंत्रालय, फिजी सरकार के सहयोग से गांधी@150 समारोह के भाग के रूप में 1 अक्टूबर, 2020 को सुवा शहर के बाहर लामी फोरशोर में मैंग्रोव वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। अंतिम कार्यक्रम 2 अक्टूबर, 2020 को गुजरात एजुकेशन सोसाइटी के सहयोग से महात्मा गांधी मेमोरियल स्कूल, सुवा में आयोजित किया गया था। 18 नवंबर, 2020 को एसवीसीसी में आयुर्वेद दिवस 2020 मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एएचसी श्री एस.सी. साहू ने किया। जिसमें एक योग प्रदर्शन भी देखा गया, कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधान मंत्री के वीडियो संदेश की स्क्रीनिंग की गई।

स्थानीय संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, एसवीसीसी से प्राप्त अनुरोध पर, एसवीसीसी, सुवा ने 11 और 12 दिसंबर, 2020 को भांगड़ा, कथक और भरतनाट्यम छात्रों के एक दल को सामुदायिक दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करने के लिए भेजा और कार्यक्रम स्थल पर भारत का सूचना बूथ भी स्थापित किया गया था।

10. द टैगौर सेंटर (टीटीसी), बर्लिन, जर्मनी

कोविड-19 महामारी प्रतिबंधों के कारण, इस केंद्र ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर कार्यक्रम आयोजित किए और डिजिटल विकल्पों पर परिवर्तित किया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती का समापन समारोह मौर संग्रहालय, हॉस एम चेकपॉइंट चार्ली, बर्लिन के सहयोग से आयोजित किया गया था। जर्मन संसद के सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय समूह के उपाध्यक्ष श्री जुर्गन हार्ड्ट विशिष्ट अतिथि थे।

इस केंद्र ने भारत-जर्मन ध्रुपद महोत्सव, जर्मन आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा आयुर्वेद व्याख्यान श्रृंखला, रामायण कठपुतली शो, विश्व हिंदी दिवस वेबिनार जैसे ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन गौटिंगेन विश्वविद्यालय, उप्साला विश्वविद्यालय और अमिकल ई.वी. बर्लिन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 और हमारा भारत के सहयोग से किया। इंडो-जर्मन फिल्म सप्ताह सितंबर 2020 में होने वाला एकमात्र व्यक्तिगत कार्यक्रम था। जर्मन संगीतकार लुडविग वैन बीथोवेन की 250 वीं जयंती मनाने के लिए इस केंद्र द्वारा *'ओडीई टू एलिस'* नामक एक विशेष भारतीय संगीत प्रस्तुति शुरू की गई थी।

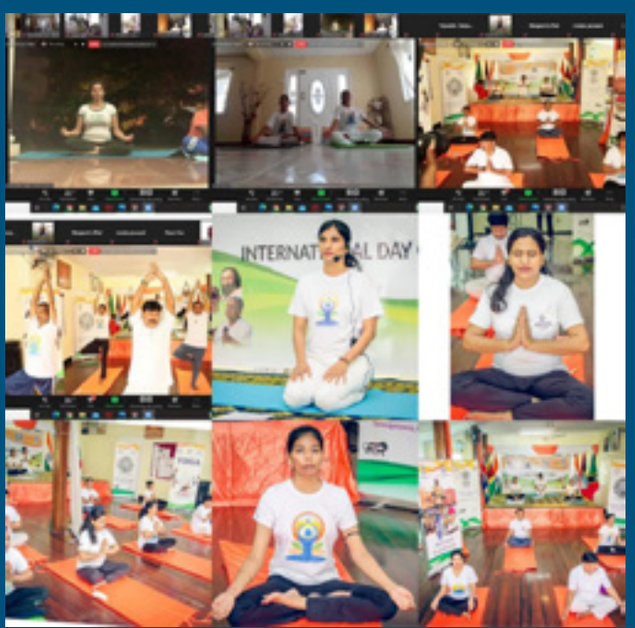

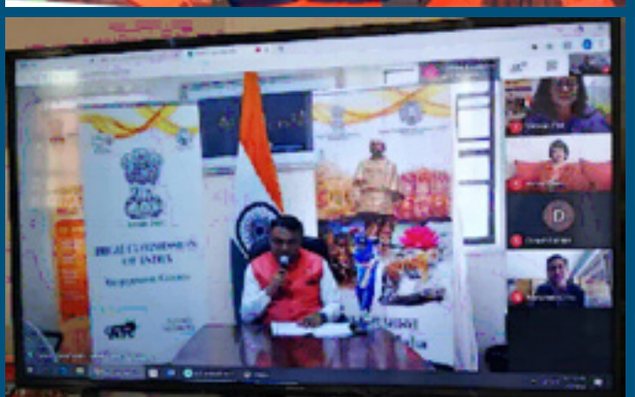

11. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), गुयाना

वर्ष 2020-2021 के दौरान, एसवीसीसी ने भारतीय उच्चायोग के सहयोग से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। 16 मई, 2020 को इस केंद्र ने *'योग टू मैनेज एंगर'* विषय पर लाइव इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया। 26 मई, 2020 को गुयाना में संवाद और विकास के लिए सांस्कृतिक विविधता के लिए विश्व दिवस मैक्सिको, सूरीनाम और ब्राजील में भारतीय मिशनों / सांस्कृतिक केंद्रों के साथ मनाया गया।

इस केंद्र ने अन्य महत्वपूर्ण दिन/कार्यक्रम मनाए जैसे: 21 जून, 2020 को गुयाना, एंटीगुआ और बारबुडा, सेंट किट्स एंड नेविस, और एंगुइला, शिक्षक दिवस आदि में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। एसवीसीसी के छात्रों और नृत्य शिक्षक ने जार्जटाउन के रोटारैक्ट क्लब के 35वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में कोरियोग्राफी *'समन्वय'* प्रस्तुत की।

12. अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र (एएसजीसीसी), बुडापेस्ट, हंगरी

इस केंद्र ने व्यापक दर्शकों से जुड़ने के लिए डिजिटल माध्यम का लाभ उठाया, जिसका उपयोग प्रतिष्ठित स्मारक हीरो स्क्वायर पर *अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस* के समारोह को लाइव स्ट्रीम करने के लिए किया गया था। दोनों देशों के 50 से अधिक स्कूलों के योग प्रतिनिधियों ने लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से ऑनलाइन *'कॉमन योग प्रोटोकॉल'* का आयोजन किया। गांधी@150 समारोहों के दो साल पूरे होने के अवसर पर, महात्मा गांधी पर एक नृत्य नाटिका सृजित की गई और इसे प्रमुख टीवी चैनल HirTV पर दिखाया गया, इसके अलावा हंगरी के राष्ट्रीय संग्रहालय के सहयोग से महात्मा गांधी पर एक डिजिटल प्रदर्शनी शुरू की गई। शैक्षिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि जैसे द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं से संबंधित हंगेरियन वक्ताओं के साथ एक गहन वीडियो साक्षात्कार श्रृंखला *'इंडिया हंगरी डायलॉग्स'* शुरू की गई थी। छठा भारतीय फिल्म महोत्सव 5 समीक्षकों द्वारा प्रशंसित भारतीय फिल्मों को प्रदर्शित करते हुए मनाया गया था और इसे भारतीय फिल्म उद्योग के उल्लेखनीय निर्माताओं और निर्देशकों की उपस्थिति में वर्चुअली लॉन्च भी किया गया था।

13. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बाली, इंडोनेशिया

वर्ष 2020-21 के दौरान, एसवीसीसी, बाली ने कार्यशालाओं, वेबिनारों और कार्यक्रमों जैसी ऑनलाइन गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। हिंदी कवि सम्मेलन, विश्व नृत्य दिवस, विश्व संगीत दिवस, हिंदी दिवस जैसे ऑनलाइन कार्यक्रमों को सोशल मीडिया पर काफी सराहा गया। उन कार्यक्रमों में इंडोनेशिया, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, म्यांमार, वियतनाम, किर्गिस्तान और भारत जैसे विभिन्न देशों के कई कलाकारों ने भाग लिया।

अप्रैल 2020 में एसवीसीसी, बाली के शिक्षकों द्वारा ज़ूम मीटिंग के माध्यम से योग और नृत्य की ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की गईं। एसवीसीसी, बाली ने 15 से 21 जून 2020 तक आईडीवाई मनाया। विभिन्न विषयों पर 7 योग सत्र आयोजित किए गए।

11 दिसंबर, 2020 को भारत के महावाणिज्य दूतावास, बाली में *'एक्सपीरियंस इंडिया'* कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। एसवीसीसी बाली ने *दशावतार स्लोक* पर बालीनी और ओडिसी नृत्य शैली में नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

14. जवाहर लाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), जकार्ता, इंडोनेशिया

जेएनसीसी जकार्ता ने कोविड-19 प्रकोप के कारण, अपनी कक्षाओं को ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया। तबला कक्षाएं नियमित रूप से आयोजित की गईं, जिसमें छात्रों की रुचि और भागीदारी में वृद्धि देखी गई।

21 जून, 2020 को भारतीय दूतावास के सभागार में विश्व संगीत दिवस मनाया गया, जिसमें इंडोनेशिया में भारत के राजदूत ने भाग लिया। एक प्रतियोगिता *बॉलीवुड सिंगिंग सेंसेशन* का आयोजन किया गया जिसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, इसका ग्रैंड फिनाले 7 अगस्त, 2020 को हुआ। दूतावास ने जेमा साधना फाउंडेशन के साथ साझेदारी में मंदिर निर्माण योजना पर एक प्रस्तुति की सुविधा प्रदान की।

जेएनसीसी, भारतीय दूतावास और हिदायतुल्ला स्टेट इस्लामिक यूनिवर्सिटी ने अगस्त, 2020 में यूआईएन सिरिफ हिदायतुल्ला स्टेट इस्लामिक यूनिवर्सिटी, जकार्ता के प्रतिनिधिमंडल की एक अकादमिक और सांस्कृतिक यात्रा की मेजबानी की। डीपीआर (पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव काउंसिल, इंडोनेशिया) के सहयोग से, 150वीं गांधी जयंती के अवसर पर 1 ओडिसी और 1 बालिनी नर्तक सहित सांस्कृतिक तबला प्रदर्शन के साथ एक पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कई ऑनलाइन गतिविधियां और वार्ताएं आयोजित की गईं जिनमें शामिल हैं: *'एक सांस्कृतिक सूत्र वार्ता', 'योग दारी रुमा', 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संयुक्त समारोह', 'भारत-इंडोनेशिया पतंग प्रदर्शनी', 'इंडोनेशिया कार्यक्रम में सूफी कव्वाली', और इंडोलॉजी और 'बॉलीवुड म्यूजिकल इवनिंग'* पर एक वेबिनार।

15. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), तेहरान, ईरान

महामारी की स्थिति के कारण एसवीसीसी ने वर्चुअल गतिविधियों की ओर रुख किया। एसवीसीसी ने 8 विभिन्न भारत-ईरान वेबिनारों में प्रसिद्ध संस्थानों के साथ सहयोग किया जैसे: *"एशियाई सिनेमा में गांधी"*, *"कला, हस्तशिल्प और शांति पर्यटन: ईरान और भारत के बीच एक संवाद"*, *"स्वास्थ्य और वैश्विक परिदृश्य"* आदि। सभी वेबिनारों में ईरानी प्रतिभागी और दर्शक शामिल थे। एसवीसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय, खैरागढ़; अल-ज़हरा विश्वविद्यालय और तेहरान विश्वविद्यालय के साथ वेबिनार में शामिल हुआ। महान भारतीय व्यक्तित्वों, भारतीय त्योहारों, आयुष दिवस, हिंदी दिवस और संविधान दिवस से संबंधित दिनों को मनाने के लिए एसवीसीसी द्वारा बनाई गई इन-हाउस डिजिटल वीडियो-शो कृतियों को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था।

मेले में एसवीसीसी की खादी प्रदर्शनी: अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी वस्त्र और वस्त्र महोत्सव, तेहरान की प्रशंसा की गई। एसवीसीसी ने अंतर्राष्ट्रीय विधि विशेषज्ञ डॉ. एम.एच. मोज़ाफ़री, *सदस्य, ईरानी इस्लामी मानवाधिकार आयोग की वैज्ञानिक परिषद* द्वारा *भारतीय संविधान व्याख्यान* का आयोजन किया। एसवीसीसी में गांधी@150 ग्रैंड फिनाले ईरानी सेलिब्रिटी, श्री फरमान फथलियन द्वारा *लाइव भजन प्रदर्शन* के माध्यम से मनाया गया। प्रवासी भारतीय दिवस भी धूमधाम से मनाया गया।

16. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), तेल अवीव, इज़राइल

एसवीसीसी तेल अवीव ने 6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हाइब्रिड (ऑनलाइन और ऑफलाइन) मोड में अपना पहला बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें लोकप्रिय इज़राइली योग शिक्षक सुश्री माया ग्रॉस और इज़राइल के विभिन्न शहरों से भागीदारी थी। सितंबर 2020 में, आईसीसी ने भारतीय शास्त्रीय संगीत अभिमूल्यन कक्षाओं के पहले बैच का आयोजन किया। अक्टूबर 2020 से, आईसीसी ने ऑनलाइन योग कक्षाएं शुरू कीं।

एसवीसीसी ने विभिन्न वेबिनारों का आयोजन किया जैसे: *"पश्चिमी नैतिक ग्रंथों पर पंचतंत्र का प्रभाव"*, *"एके रामानुजम की काव्य प्रतिभा"*, *"लेफ्टिनेंट जनरल जेएफआर जैकब और भारतीय सेना के अन्य यहूदी सैनिकों की विरासत"*।

दिसंबर 2020 में एसवीसीसी परिसर में प्रमुख यहूदी त्योहार हनुक्का इज़राइल और दुनिया भर में युवा भारतीय प्रवासियों के साथ मनाया गया था। एसवीसीसी तेल अवीव भारतीय यहूदी बेने इज़राइली समुदाय की सदियों पुरानी परंपरा, मालिदा के उत्सव के लिए भी एक स्थल रहा है।

17. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), टोक्यो, जापान

एसवीसीसी, टोक्यो ने वर्तमान में चल रही कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी के बावजूद विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियां कीं। जनवरी में, मुसाशिनो विश्वविद्यालय, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज और जापान में ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। जापान में जनता के लिए भारतीय नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक तत्वों को प्रदर्शित करने वाला एक कार्यक्रम *उचिसाइवाइचो इंडिया फेस्टिवल* आयोजित किया गया था।

पूरे जापान में अन्य ऑनलाइन कार्यक्रमों के साथ-साथ जापान की संसद के हाउस ऑफ काउंसिलर्स बिल्डिंग में संसद सदस्यों के साथ योग सत्र सहित अनेकों स्थानीय योग संगठनों के साथ साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

राजदूत द्वारा अगस्त के महीने में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर डिजिटल कॉन्सर्ट सीरीज़ का उद्घाटन किया गया था, जिसमें भारत भर और जापान के भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया गया था। इन्हें दूतावास के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया था। नवंबर के महीने में, एसवीसीसी ने फुजिनोमिया शहर, शिज़ुओका प्रीफेक्चर में सालंगई इंडिया फेस्टिवल में भाग लिया, जिसमें भरतनाट्यम और भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रदर्शन इस क्षेत्र में आयोजित होने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था।

18. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), नूर-सुल्तान कज़ाखस्तान

कोरोना वायरस प्रकोप के दृष्टिगत, एसवीसीसी, नूर-सुल्तान ने अपनी गतिविधियों और नियमित कक्षाओं को ऑनलाइन मोड में संचालित किया, इनमें 8 मई, 2020 को गुरुदेव टैगोर की 159वीं जयंती जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी शामिल थे। एसवीसीसी, नूर-सुल्तान ने डांस स्टूडियो शक्ति, कोस्तानय (कज़ाखस्तान) के साथ सहयोग में, एक वीडियो प्रतियोगिता: *'इंडिया आई नो थ्रू इंडियन सिनेमा'* (15 जुलाई - 15 अगस्त, 2020) का आयोजन किया।

भारत ने अबाई कुनानबायेव की 175वीं जयंती को बुक ऑफ वर्ड्स का हिंदी अनुवाद वर्चुअली जारी करके चिह्नित किया। अबाई कुनानबायेव द्वारा बुक ऑफ वर्ड्स *'शब्द मंजूषा'* श्री दिनेश के. पटनायक, महानिदेशक, आईसीसीआर; अन्य अधिकारियों के साथ एम्बेसडर महामहिम येरलान अलीम्बायेव और एम्बेसडर महामहिम प्रभात कुमार द्वारा जारी। 2 अक्टूबर, 2020 को नूर-सुल्तान में भारत के दूतावास में महात्मा गांधी की 151वीं जयंती मनाई गई। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण महात्मा गांधी की आत्मकथा, *मेनिन ओमिरिम* (माई स्टोरी) के प्रिंट के साथ-साथ ऑनलाइन (फ्लिपबुक) संस्करण में) कजाख भाषा संस्करण का विमोचन था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2020 के उपलक्ष्य में फेसबुक लाइव के माध्यम से विभिन्न योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर 11 व्याख्यानों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। 5वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, कज़ाखस्तान ने आईएनसीएचएएम, कज़ाखस्तान के सहयोग से *"आयुर्वेद और उपचार/कोविड -19 की रोकथाम"* विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया।

19. नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (एनएससीबीआईसीसी), कुआलालंपुर, मलेशिया

वैश्विक महामारी कोविड -19 के कारण, एनएससीबीआईसीसी, कुआलालंपुर लाइव कार्यक्रम आयोजित नहीं कर सका और इसलिए अपनी नियमित कक्षाओं, गतिविधियों और कार्यक्रमों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, एनएससीबीआईसीसी ने उपर्युक्त घटनाओं को ऑनलाइन किया। आयोजित किए गए प्रमुख कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई 2020), महात्मा गांधी 2020 की 150वीं जयंती का ग्रैंड फिनाले समारोह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 123वीं जयंती और भारत का 72वां गणतंत्र दिवस समारोह शामिल थे।

उपर्युक्त सभी प्रमुख कार्यक्रमों को बड़ी सफलता प्राप्त हुई और मलेशिया में डिप्लोमैटिक कोर से कई मूल्यांकनों की सराहना की गई। भले ही इन ऑनलाइन इवेंट्स को शुरू करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन हम इसे हकीकत में बदलने में कामयाब रहे हैं और सभी ऑनलाइन इवेंट्स को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

20. भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), माले, मालदीव

कोविड-19 की अनदेखी महामारी से लड़ने के लिए, आईसीसी के निदेशक, कर्मचारियों, छात्रों और दोस्तों ने कोविड महामारी के दौरान स्वयंसेवकों का एक समूह बनाया और मालदीवियन रेड क्रिसेंट, स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी, मालदीव सरकार और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मालदीव सरकार के सहयोग से काम किया। मालदीव सरकार की ओर से, आईसीसी के स्वयंसेवकों ने मालदीव में प्रवासी आबादी के लिए सार्वजनिक संवेदीकरण और अधिसूचना सामग्री का 7 भाषाओं में अनुवाद किया। आईसीसी के स्वयंसेवकों को कोविड के दौरान निवारक उपायों और स्वच्छता पर कार्यशालाओं को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने 15-16 अगस्त, 2020 को मालदीवियन रेड क्रिसेंट और मालदीवियन ब्लड सर्विसेज के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

आईसीसी ने मालदीव के एक प्रमुख संगीत बैंड, बिधाबिन के सहयोग से, भारत-मालदीव सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित करने के लिए तबला और बोडुबेरू का एक वाद्य फ्यूजन प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम 15 अगस्त, 2020 को मालदीव के रज्जे टीवी पर प्रसारित किया गया था।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए: 23 अक्टूबर, 2020 को एसपी बालासुब्रमण्यम को संगीतमय श्रद्धांजलि की एक शाम, *"आते जाते हंसते गाते"*, और 24 नवंबर, 2020 को अपने परिसर में मालदीव के पारंपरिक व्यंजनों पर एक लाइव प्रदर्शन *"मालदीव का स्वाद"*। माले सिटी काउंसिल के अनुरोध पर, भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने 28 और 29 दिसंबर 2020 को सुल्तान पार्क, माले में ओपन-एयर स्टेज पर लगातार दो भारतीय संगीत संध्याओं का आयोजन किया। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने 30 दिसंबर, 2020 को अपने परिसर में नए साल की शुरुआत करने के लिए *"आ फेशुमाकुन (नई शुरुआत)"* शीर्षक से हिंदी और धिवेही गीतों की एक शाम का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया।

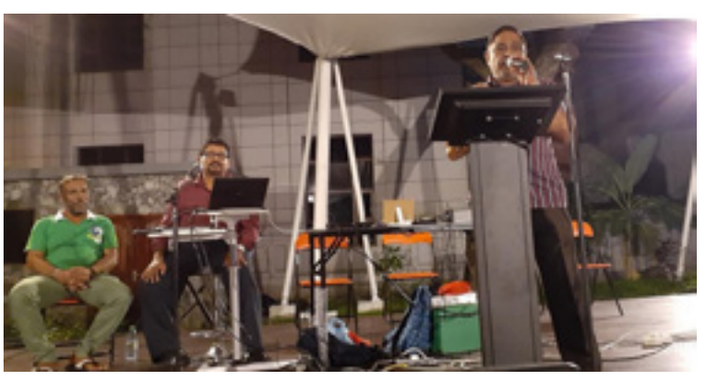

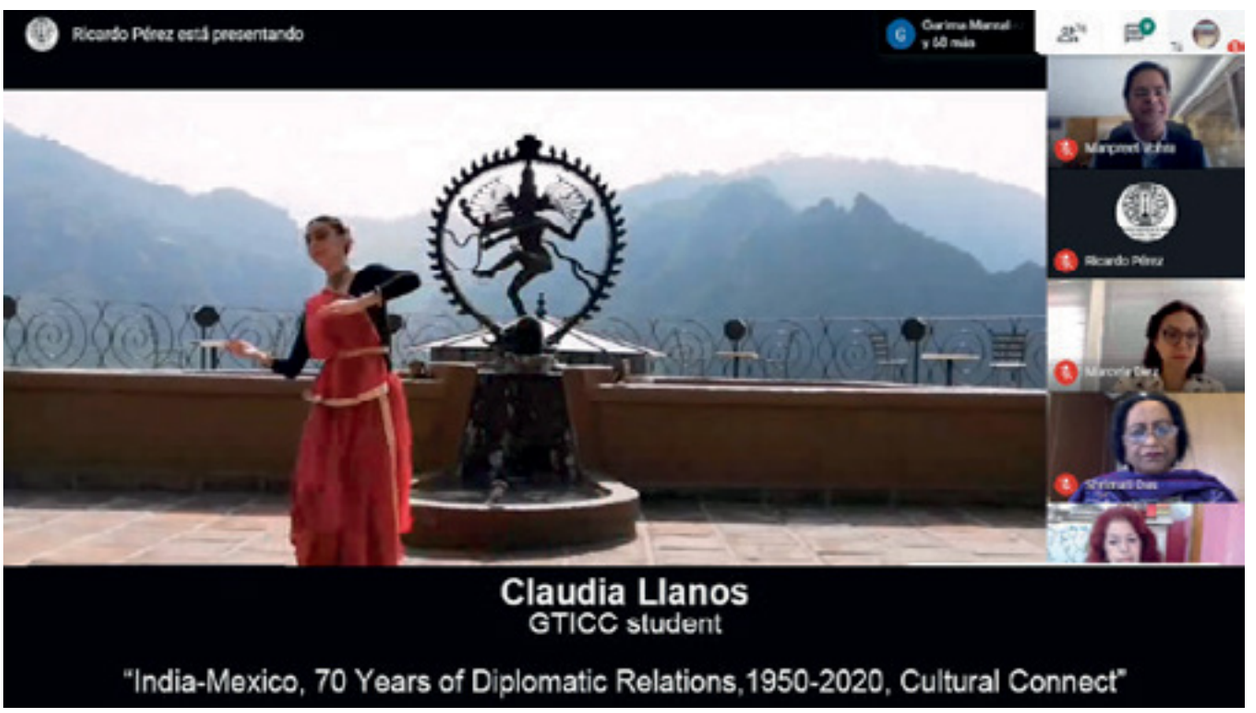

21. गुरुदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (जीटीआईसीसी), मेक्सिको सिटी मेक्सिको

महामारी की स्थिति के बीच, जीटीआईसीसी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, 2020 में अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के 31 आयोजनों को अंजाम दिया है, 88 ऑनलाइन कक्षाएं, भारत, मैक्सिको और बेलीज से 140 प्रतिष्ठित मेहमानों / वक्ताओं को आमंत्रित किया, 211 हवाई यात्रियों को अभिकल्पित किया, 9 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में शामिल हुए। वेबिनार, संगोष्ठी, ऑनलाइन कक्षाएं, पाक कला प्रदर्शन, वीडियो के माध्यम से आयुर्वेद चिकित्सा, कॉर्पोरेट क्षेत्र सहित सभी आयु समूहों के लिए योग प्रदर्शन, सांस्कृतिक कनेक्ट वीडियो, *''सांस्कृतिक कनेक्ट: भारत - मेक्सिको''* पर ई-प्रकाशन जैसी गतिविधियां पूरे वर्ष चर्चा में रहीं।

2020 में ख़ास बातों में *'नवरत्न'* थे, जो *'द वर्ल्ड डे ऑफ कल्चर'* मनाने की एक अनूठी पहल थी, जिसमें 4 दूतावासों, मैक्सिको, ब्राजील, सूरीनाम, गुयाना की भागीदारी और राजदूतों की उपस्थिति और श्री दिनेश के. पटनायक, महानिदेशक, आईसीसीआर द्वारा मुख्य भाषण था; *'ऑन द ट्रेल्स ऑफ़ टैगोर एंड ऑक्टेवियो पाज़'*; *'खादी: द स्टोरी एंड जर्नी'*; गांधी@150 के एक भाग के रूप में *'मेक्सिको में गांधी का एक थोड़ा सा'*; *'भारत के 70 साल- मेक्सिको राजनयिक संबंध'*; *'अतिथि देवो भव'*, *'हमारी संस्कृति'* मेक्सिको में टैगोर गाते हैं; *'नेचर इन टाइम्स ऑफ क्वारंटाइन'* और कई अन्य कार्यक्रम।

22. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), यांगून, म्यांमार

मार्च 2020 से कोविड-19 महामारी के कारण सभी गतिविधियों का आयोजन वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर किया गया। एसवीसीसी, यांगून ने संस्कृत भाषा के प्रचार के लिए कई कदम उठाए। इसने संस्कृत से संबंधित विभिन्न दिनों को मनाना शुरू किया जैसे - संस्कृत दिवस, कालिदास दिवस। एसवीसीसी की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर, एक व्याख्यान श्रृंखला *"समृद्ध संस्कृत साहित्य की झलक"* का आयोजन किया गया।

एसवीसीसी ने गांधी जयंती और गुरु नानक देव जयंती जैसे महत्वपूर्ण दिनों को भी मनाया। एसवीसीसी ने 1 अगस्त, 2020 को लोकमान्य तिलक को श्रद्धांजलि दी। ऐतिहासिक चित्रों की डिजिटल प्रदर्शनी *"लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को श्रद्धांजलि"* आयोजित की गई। एसवीसीसी, यांगून ने दिवाली के अवसर पर संस्कार भारती के साथ ऑनलाइन रंगोली कार्यशाला का आयोजन किया।

अन्य ऑनलाइन पहलों में शामिल हैं: 26 अप्रैल और 3 मई, 2020 को कहानी कहने का सत्र, विश्व संस्कृति दिवस (27-28 मई, 2020) पर *"आयुर्वेद और म्यांमार पारंपरिक चिकित्सा"* पर विद्वानों का व्याख्यान, 27 जून, 2020 को *"सूरों की फुहार"* के माध्यम से विश्व संगीत दिवस मनाया गया। एसवीसीसी ने *"हमारे पड़ोसी को जानें"* शीर्षक के अंतर्गत मुंबई विश्वविद्यालय से पुरातत्व केंद्र और अतिरिक्त-भित्ति अध्ययन केंद्र जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संगठनों के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

23. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), काठमांडू, नेपाल

जून 2020 के महीने में आयुष मंत्रालय, आईसीसीआर और एसवीसीसी काठमांडू ने *माई लाइफ माई योगा* वीडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में 114 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। 2019 में महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती पर, आईसीसीआर, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गई गांधीजी की आदमकद प्रतिमा एसवीसीसी कार्यालय के सामने स्थापित की गई थी। एसवीसीसी ने दूतावास के साथ संयुक्त रूप से नेपाली भाषा में *"मैले बुझेको गांधी"* शीर्षक से एक सचित्र संकलन (पुस्तक) भी प्रकाशित की। इस पुस्तक में नेपाल की प्रख्यात हस्तियों का योगदान है। इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व पीएम, अभिनेत्री मनीषा कोइराला, प्रोफेसरों, सांसदों, सोशलाइट्स, पत्रकार, संपादकों, इतिहासकारों आदि जैसे उल्लेखनीय नेपालियों से *"गांधी ऐज आई नो"* पर लगभग 20 लघु वीडियो बाइट्स हैं जो हमारे सोशल मीडिया हैंडल्स से प्रसारित किए गए थे।

सांस्कृतिक केंद्र ने 5वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर *"आयुर्वेद फॉर कोविड -19"* के साथ-साथ इसी विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता पर वेबिनार *अयूर टॉक 2020* का आयोजन किया।

24. गांधी केंद्र, द हेग, नीदरलैंड

प्रवासी भारतीय दिवस समारोह 2020 भव्य डायमनथोर्स्ट, द हेग में हुआ। नीदरलैंड में नृत्य और फाउंडेशन के कई स्कूलों द्वारा भारतीय शास्त्रीय और बॉलीवुड नृत्य हुए।

गांधी केंद्र में गुरु नानक देव की जयंती के अवसर पर एक लघु फिल्म: 1) *सरबत दा भला* और एक फिल्म *"रिवील्ड: गोल्डन टेम्पल- II"* अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ प्रदर्शित की गई। गांधी केंद्र में विश्वविद्यालयों के विद्वानों और शिक्षकों के साथ विश्व हिंदी दिवस मनाया गया।

कोविड-19 महामारी के बीच छठे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई-2020) का समारोह मनाया गया, भारत और विदेशों के विभिन्न योग विशेषज्ञों द्वारा रेडियो वार्ता, सेमिनार, वार्ताएं पूरे महीने जारी रही। गांधी जयंती के अवसर पर कई कार्यक्रमों के साथ खादी पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जो दो महीने तक चली।

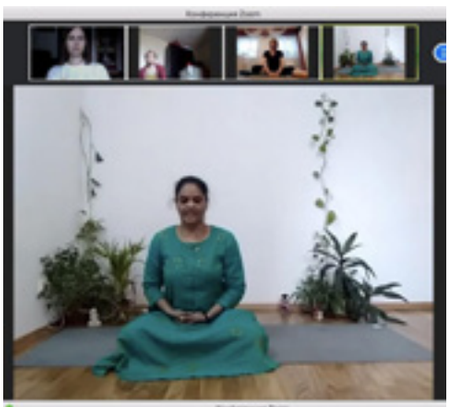

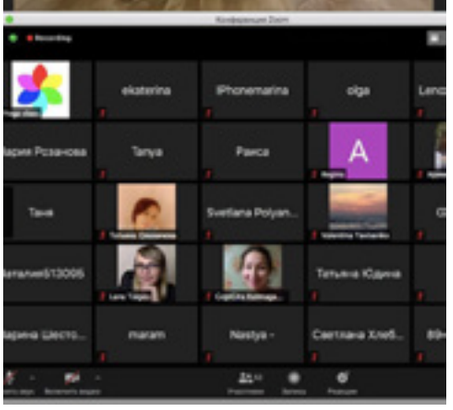

25. जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), मास्को, रूस

जेएनसीसी ने स्थापना दिवस, गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को मनाया। विषय; *'मैं योग करता हूं। क्या आप?'* पर कई वीडियो को जेएनसीसी के सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाला गया था। जेएनसीसी द्वारा *'कृष्ण कथा'* और *'गजराज वंदना'* नृत्य तथा संगीत कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। जेएनसीसी द्वारा 14 सितंबर, 2020 और 20 जनवरी, 2021 को हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस भी मनाया गया। 14 दिसंबर को राज कपूर की 96वीं जयंती भी ऑनलाइन मनाई गई, जिसमें *'गामागा एयरवेव्स'* बैंड द्वारा संगीत श्रद्धांजलि दी गई।

26. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), डरबन, दक्षिण अफ्रीका

एसवीसीसी डरबन ने 6 से 8 मार्च, 2020 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए कॉर्नुबिया मॉल में एक 3 दिवसीय उत्सव की मेजबानी की, जिसका समापन रंगारंग संध्या नामक एक होली संगीत समारोह की परिणति के साथ हुआ। विश्व महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण एसवीसीसी नियमित आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने में असमर्थ था और फेसबुक लाइव के माध्यम से नियमित रूप से ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, और 112 से अधिक ऑनलाइन कार्यक्रमों जैसे त्योहारों, सेमिनारों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं, स्मारक दिवसों आदि का आयोजन किया है जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया गया। इन ऑनलाइन कार्यक्रमों को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया है।

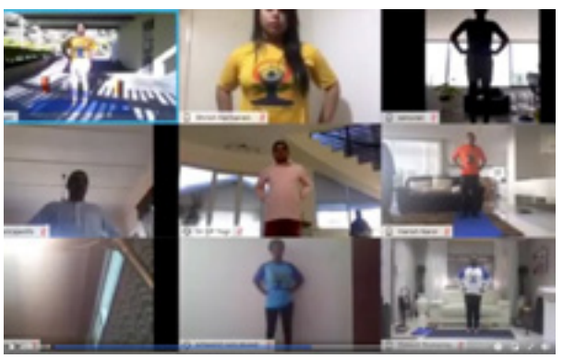

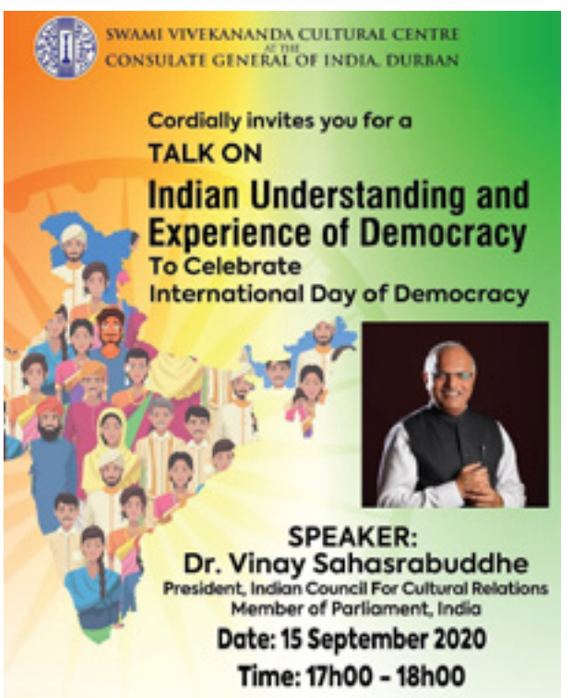

27. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका

एसवीसीसी, जोहान्सबर्ग ने वर्ष 2020 के दौरान रिकॉर्ड भारी बाधाओं के बावजूद, 80 कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसमें लाइव और ऑनलाइन कार्यक्रमों का मिश्रण रहा। इस वर्ष के दौरान आयोजित सबसे उल्लेखनीय कार्यक्रमों में भारत के बारे में अद्वितीय तथ्यों का महिमामंडन करते हुए *'हिंदुस्तान हमारा'* नामक एक नाट्य प्रस्तुति शामिल है। वर्ष का एक अन्य आकर्षण इंडो-साउथ अफ्रीकन म्यूजिक कंसर्ट का प्रदर्शन था, जो दक्षिण अफ्रीका की समृद्ध संगीत परंपराओं जैसे *'ज़ुलु अमाबुथो'* और भारतीय शास्त्रीय संगीत की *'ख्याल गायकी'* को आत्मसात करता था। साहित्यिक खंडों में, *'हास्य कवि सम्मेलन'* था।

इस केंद्र ने दक्षिण अफ्रीका में सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों के एक बड़े नेटवर्क तक पहुंचने के लिए, स्वतंत्रता समारोह - 2020 के अवसर पर लोकप्रिय हस्तियों को दक्षिण अफ्रीका के लिए अपने संबंधित संगीत आइटम के साथ विशेष स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं पेश कीं। इनमें सुखविंदर सिंह, जसपिंदर नरूला, रजा मुराद और अशोक मस्ती शामिल थे।

नियमित वार्षिक कार्यक्रमों के अलावा, योग कार्यक्रम वर्ष के प्रमुख आकर्षण रहे हैं और कोरोना महामारी के कारण इनकी भारी मांग रही है। एसवीसीसी के योग विंग ने सफलतापूर्वक विशेष कार्यक्रम तैयार किए जिन्हें अपार सराहना और प्रशंसा मिली। इन विशेष कार्यक्रमों में शामिल हैं *'रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए योग', तनाव से राहत के लिए योग', साइनस के लिए योग', चिंता के लिए योग' मूल शक्ति को बेहतर बनाने के लिए योग' 'तर्तका कार्यशाला', फेफड़ों की क्षमता में सुधार के लिए योग 'इम्पैक्ट मातृ', और महिला के लिए योग* । ऑनलाइन भागीदारी की सीमाएं होने के बावजूद, इन कार्यशालाओं ने 35,000 दर्शकों की रिकॉर्ड संख्या को पार किया।

28. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सियोल, दक्षिण कोरिया

एसवीसीसी, सियोल स्थानीय समुदाय के लिए एक सांस्कृतिक केंद्र बन गया है। कोविड 19 महामारी के बीच, इस केंद्र ने विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन गतिविधियों का संचालन किया। एसवीसीसी सियोल ने अपने 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने दशकीय समारोह का आयोजन किया। 1-14 सितंबर, 2020 तक भारत के विश्वस्तरीय प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा *'आधुनिक भारत के पहलुओं'* पर एक दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। 9-13 नवंबर, 2020 तक आयुर्वेद सप्ताह आयोजित किया गया था। इसमें 4 विशेष व्याख्यान और आयुर्वेद पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शामिल थी।

सारंग-द फेस्टिवल ऑफ इंडिया का छठा संस्करण अक्टूबर में लॉन्च किया गया था जिसमें अन्यों के अलावा संगीत, नृत्य, योग, प्रदर्शनियों और फिल्म स्क्रीनिंग सहित ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रदर्शन शामिल थे। 11 अगस्त, 2020 को एसवीसीसी, सियोल और इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज ने संयक्त रूप से हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज में कोरिया-भारत 2030 डिजिटल फोरम की मेजबानी की थी। इसमें भारत और कोरिया के 100 से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया और दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया।

17 जून, 2020 को एसवीसीसी, सियोल ने एसवीसीसी, हनोई के सहयोग से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोरिया और वियतनाम में भारतीय सांस्कृतिक छापों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 7 अक्टूबर, 2020 को *'उभरती विश्व व्यवस्था और गांधीवादी मार्ग'* शीर्षक से ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित की गई थी। 6 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के पूर्व-सूचक के रूप में, *"कोरिया में हिंदी: दशा एवं दिशा"* पर एक डिजिटल संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' उपस्थित थे।

29. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), कोलंबो, श्रीलंका

एसवीसीसी, कोलंबो ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण अपनी सभी कक्षाओं और गतिविधियों को वर्चुअल मोड में सफलतापूर्वक संचालित किया है और इस प्रकार प्रतिकूल स्थिति को पूरे द्वीप में छात्रों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों तक पहुंचने के अवसर में बदल दिया।

इस केंद्र ने भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस और भारतीय संविधान की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 129वीं जयंती और *"भारत-श्रीलंका मैत्री"* को चिह्नित करने के लिए, विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के साथ लोगो डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और एक *"ऑनलाइन राष्ट्रीय योग आसन चैम्पियनशिप"* का भी आयोजन किया गया था।

अन्य नियमित समारोहों के साथ इस केंद्र ने पोया दिवस, एक बौद्ध त्योहार जो हर पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है, मनाने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला भी शुरू की।

30. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दुशानबे, ताजीकिस्तान

विश्व महामारी के कारण गतिविधियों का उत्साह कम नहीं हुआ और इस केंद्र ने अपनी गतिविधियों को जारी रखा, हालांकि मुख्य रूप से ऑनलाइन। 8 नवंबर, 2019 को, ताजिकिस्तान गणराज्य ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती को चिह्नित करने के लिए चार स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी किया था। इन टिकटों का अनावरण ताजिकिस्तान के राष्ट्रीय संग्रहालय में एच.ई. श्री शमसिद्दीन ओरुमबेकज़ोदा, संस्कृति मंत्री, सुश्री अब्दुराहमोनज़ोदा अदोलात, संचार सेवा की उप-प्रमुख और श्री विराज सिंह, ताजिकिस्तान में भारत के राजदूत ने किया। 2 अक्टूबर, 2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाते हुए, प्रसिद्ध ताजिक विद्वान डॉ शोदिमोहम्मद सूफीजोदा द्वारा महात्मा गांधी की आत्मकथा का ताजिक अनुवाद *'सरगुजश्त-ए-मन'* जारी किया गया। श्री सोलिव मिरखोलीक, ताजिक विद्वान द्वारा अनुवादित *'भगवद गीता'* का ताजिक अनुवाद भी जारी किया गया।

31. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दार एस सलाम, तंजानिया

कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद यह केंद्र बहुत सक्रिय है और कई बाहरी गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महामारी के कारण एक ऑनलाइन कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। कस्वाहिली चैनल मोम्बो टीवी ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया। 'मि. तंजानिया' एरिक माजुरा और 'मिस फिटनेस तंजानिया' लवनेस तारिमो ने आईडीवाई समारोह में भाग लिया। आईडीवाई पर अन्य कार्यक्रमों के अलावा इस केंद्र ने *'योग जागरूकता श्रृंखला'* योग पर वीडियो की एक श्रृंखला बनाई और अपने मीडिया पेजों पर साझा किया।

21 जून 2020 को एसवीसीसी ने *'इंडो अफ्रीका काव्य गोष्ठी'* सहित इस वर्ष में कई सफल ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए।

26 सितंबर 2020 को हिंदी दिवस मनाने के लिए मीराबाई - नृत्य नाटक, पंचपरमेश्वर - श्री प्रेमचंद के उपन्यास पर आधारित नाटक और मध्यम आयु के हिंदी कवियों पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन किया गया था। 17 जनवरी 2021 को विश्व हिंदी दिवस के लिए प्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ अशोक चक्रधर द्वारा *'विश्व के संदर्भ में हिंदी'* एक वार्ता।

12 दिसंबर 2020 को *'ट्रेंड्स एंड ट्रेडिशन्स - इंडिया तंजानिया फैशन शो'* का आयोजन किया गया। लगभग 50 मॉडलों ने रैंप वॉक किया। अफ्रीकी पारंपरिक वस्त्र और तंजानिया के वस्त्र उद्योग में नए चलन प्रदर्शित किए गए। भारत के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया।

एसवीसीसी में 30 अगस्त 2020 को पंडित जसराज जी की स्मृति में शास्त्रीय गायन संगीत संध्या का आयोजन किया गया। दस गायकों ने शास्त्रीय और अर्ध शास्त्रीय गीत गाए।

कर्नाटक संगीत पर *'मेलोडीज फॉर मैलाडीज'* नाम से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव शरीर और बुद्धि पर विभिन्न कर्नाटक रागों के प्रभावों का वर्णन किया गया तथा उस विशेष राग पर एक गीत भी गाया गया।

एसवीसीसी के छात्रों और तंजानिया में रहने वाली भारतीय मूल की महिलाओं ने पृष्ठभूमि में बॉलीवुड गाने का उपयोग करके मनोरंजक तरीके से कोविड-19 के लिए बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक वीडियो बनाया।

15 मार्च से 2 अप्रैल 2021 तक *'स्वतंत्रता की भावना - नृत्य थिएटर व्यावहारिक कार्यशाला'*। कार्यशाला को एस्ट्रैगालो थिएटर स्विट्जरलैंड की श्रीमती इवाना डि साल्वो और तंजानिया के प्रदर्शनकारी कला व्यवसायी श्री एलॉयस मकोंडे द्वारा अच्छी तरह सुविधा प्रदान की गई।

32. स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बैंकॉक, थाईलैंड

एसवीसीसी, बैंकॉक ने इस केंद्र में और ऑनलाइन मीडिया का उपयोग करके विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दिया। एसवीसीसी 9 विषयों - योग, तबला, हिंदुस्तानी वोकल, भरतनाट्यम, कथक, सितार, हारमोनियम, हिंदी में कक्षाएं संचालित करता है। कोविड-19 के कारण, इस वर्ष की मुख्य विशेषता घटनाओं के संचालन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग था, जिससे पूरे थाईलैंड और यहां तक कि थाईलैंड के बाहर भी अधिक लोगों तक पहुंचने में मदद मिली। इसने भारतीय कला रूपों में कक्षाओं के लिए अधिक रुचि और अनुरोध उत्पन्न किया।

एसवीसीसी ने भारतीय और थाई संस्कृतियों के बीच समानताएं पेश करने का प्रयास किया। एक अन्य प्रयास भारतीय और थाई कला रूपों के बीच फ्यूज़न लाने और अधिक थाई कलाकारों/संसाधन व्यक्तियों को हमारे कार्यक्रमों में प्रदर्शन/बोलने के लिए प्रोत्साहित करना था। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर, राजदूत महामहिम सुचित्रा दुरई द्वारा एक आदमकद चित्र का अनावरण किया गया, और स्वामी सर्वप्रियानंद जी द्वारा *"स्वामी विवेकानंद का युवाओं को संदेश"* पर एक वर्चुअल वार्ता आयोजित की गई।

भारत और थाईलैंड में राम और रामायण से संबंधित संस्कृति, पुरातत्व और कला पर *"अयोध्या से अयुत्या - सांस्कृतिक राजमार्ग"* ऑनलाइन एक पैनल चर्चा भारत और थाईलैंड के विद्वानों के साथ आयोजित की गई थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 124वीं जयंती पर प्रसनजीत के बसु द्वारा वर्चुअल वार्ता आयोजित की गई।

भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों को उजागर करने के लिए वेबिनारों का आयोजन किया गया। इनमें *"कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय वैज्ञानिक परंपराएं" "रंगोली की कला और विज्ञान", "स्क्रीन पर कहानियां"; "आयुर्वेद और उसके सरल उपचार को समझना"; "आयुर्वेद - एक प्रतिमान बदलाव"*; और *"वार्तालाप में लेखक"* पर विषय शामिल थे। व्यंजनों, साड़ियों, प्रकाश और शास्त्रीय संगीत, आयुर्वेद, योग और रामायण को प्रदर्शित करने के लिए *"इंडिया हेरिटेज वीक"* जैसे कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए। एसवीसीसी के छात्रों ने अन्यों के साथ एक हिंदी-थाई नाटक, *"द एलिवेटर"* प्रस्तुत किया।

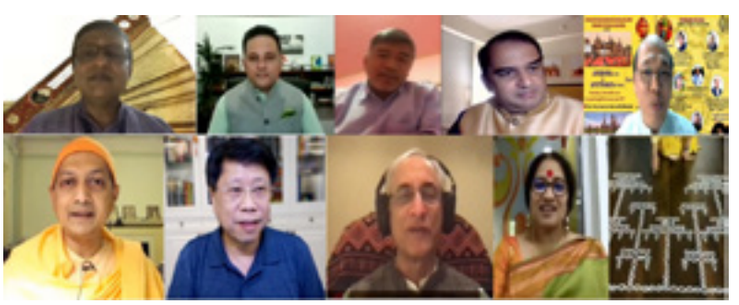

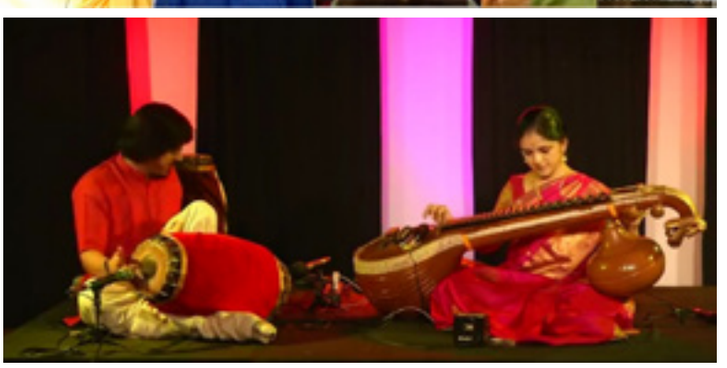

33. महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान (एमजीआईसीसी), पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो

सरकार द्वारा लगाए गए कोविड-19 प्रतिबंधों के बावजूद, एमजीआईसीसी भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में बहुत सक्रिय था और वर्ष 2020-21 में त्रिनिदाद और टोबैगो और ग्रेनाडा और डोमिनिका जैसे समवर्ती मान्यता प्राप्त देशों में स्थानीय संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से पूरे वर्ष कार्यशालाओं, सेमिनारों और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता रहा है।

अप्रैल और मई महीने में एमजीआईसीसी शिक्षकों द्वारा आयोजित वर्चुअल सांस्कृतिक कार्यक्रम। त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय आगमन दिवस की 175वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एमजीआईसीसी में वर्चुअल भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत संध्या का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग ब्लॉगिंग प्रतियोगिता के साथ वर्चुअल योग समारोह आयोजित किए गए। '*त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय फैशन*' पर एक वर्चुअल वेबिनार आयोजित किया गया था। सितंबर 2020 के महीने में आयोजित कार्यक्रम में एमजीआईसीसी में पंडित जसराज को वर्चुअल श्रद्धांजलि पेश की गई।

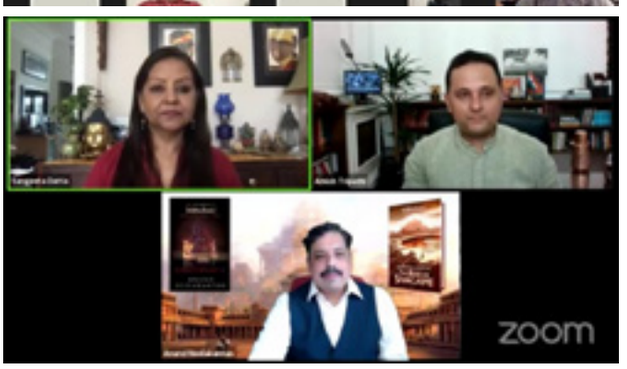

34. नेहरू केंद्र (टीएनसी), लंदन, यूके

नेहरू केंद्र ने कोविड-19 स्थिति के दौरान अप्रैल से दिसंबर 2020 तक सांस्कृतिक और शैक्षणिक विशिष्ट हस्तियों के साथ 60 से अधिक ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें प्रसिद्ध लेखकों मिहिर बोस और फारुख धोंडी के साथ निदेशक, टीएनसी के नेतृत्व में *'कोरोना के समय में रचनात्मकता'* पर एक वेबिनार शामिल था। इस अवसर पर आईसीसीआर के महानिदेशक श्री दिनेश पटनायक मुख्य अतिथि थे। इस वेबिनार में 75 से अधिक रचनाकारों, लेखकों और कलाकारों ने भाग लिया और इस केंद्र को हजारों मत प्राप्त हुए।

इस अप्रत्याशित स्थिति से बाहर आने के लिए, टीएनसी ने *'हील द वर्ल्ड'* पर एक श्रृंखला आयोजित करने की पहल की। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए, इस केंद्र ने संस्कृति सेंटर फॉर कल्चरल एक्सेलेंस के साथ मिलकर *मैजेस्टिक लद्दाख की कला और संस्कृति* नामक एक वार्ता का आयोजन किया।

नेहरू सेंटर/एचसीआई, लंदन द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के 74वें वर्ष की पूर्व संध्या पर *"आशा, स्वास्थ्य और मानवता"* पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेहरू सेंटर/एचसीआई, लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2020 का आयोजन योग पर एक वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता सहित बुजुर्गों, बच्चों और विशेष बलों के लिए योग पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से किया गया था। नेहरू सेंटर/एचसीआई, लंदन ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई जिसमें वार्ता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, व्याख्यान और गांधी कथा के साथ-साथ यूके में महात्मा गांधी की यात्रा पर एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी भी शामिल थी।

अन्य घटनाओं में शामिल हैं; गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 79वीं पुण्यतिथि, *कनेक्ट मानसून संपादित करें - एक डिजिटल कला उत्सव, 'आनंद नीलकांतन के चतुरंगा'* नामक पुस्तक का विमोचन, साथ ही अन्य कार्यक्रम/वार्ता/प्रतियोगिताएं आदि।

35. लाल बहादुर शास्त्री सांस्कृतिक भारतीय केंद्र (एलबीएससीआईसी), ताशकंद, उज़्बेकिस्तान

कोरोना वायरस महामारी के बावजूद, एलबीएससीआईसी ने अपने परिसर में उज़्बेक कलाकारों (भारतीय संस्कृति के प्रेमी) सुश्री तात्याना फादेयेवा और सुश्री लरिसा डाबीजा की *"भारतीय संस्कृति पर पेंटिंग: सीमाओं से परे"* प्रदर्शनी का आयोजन किया।

अक्टूबर 2020 में एलबीएससीआईसी ने भारत के राजदूत, माननीय मनीष प्रभात की उपस्थिति में. आईसीसीआर के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे जी द्वारा उद्घाटन भाषण (ऑनलाइन) के साथ एक वर्षीय रजत जयंती समारोह की शुरुआत की। जून 2020 के महीने में अन्य कार्यक्रमों के साथ, एलबीएससीआईसी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2020 की रूपरेखा में ***"कारवां मार्ग पर योग"*** का आयोजन किया। एलबीएससीआईसी ने महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा के साथ संयुक्त रूप से 62 वक्ताओं की उपस्थिति के साथ एक वेबिनार आयोजित करके गांधी जयंती मनाई।

नवंबर 2020 में, उज़्बेक स्टेट वर्ल्ड लैंग्वेज यूनिवर्सिटी और टर्मेज़ स्टेट यूनिवर्सिटी में दो इंडिया स्टडी रूम स्थापित किए गए।

36. स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र(एसवीसीसी), हनोई, वियतनाम

एसवीसीसी, हनोई नृत्य, योग, हिंदी आदि के कार्यक्रमों और नियमित कक्षाओं से विचलित हुआ, और पुस्तकालय की प्रयोगकर्ता के अनुकूल पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, इस केंद्र ने इस पूरे वर्ष में भारतीय प्रवासी और वियतनामी विद्वानों के बीच विभिन्न संवाद की व्यवस्था की। भारत के त्योहारों को शुरु करते हुए, एसवीसीसी ने अनुष्ठानों से परे विस्तृत प्रतीकों और त्योहार के अर्थ के स्तर तक जाने पर जोर दिया।

एसवीसीसी ने 21 जून, 2020 को भारत के दूतावास और वियतनाम में क्वांग निन्ह प्रांत की सरकार के मार्गदर्शन में हालोंग बे के प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। एसवीसीसी द्वारा आयोजित आयुर्वेद दिवस 2021, विश्व हिंदी दिवस अन्य नियमित कार्यक्रम थे।

मई, 2020 में बुद्ध और उनके दर्शन पर पांच व्याख्यान आयोजित करके *"वेसाक 2020"* मनाया गया। इस केंद्र द्वारा *"मूर्तिकला और वियतनाम में मंदिरों में शिव का महत्व"* पर, चंपा, खमेर और इंडोनेशियाई संस्कृतियों से उदाहरण लेकर और *"चंपा में मूर्तिकला और मंदिरों में शिव"* के महत्व पर वार्ता आयोजित की गई। ये वार्ता वियतनाम में भारत और हिंदू बौद्ध परंपरा की समझ को सामने लाने में सफल रही।

एसवीसीसी ने विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए। इसमें *"डॉ. बी आर अंबेडकर - हिज लाइफ एंड मिशन"* पर वेबिनार शामिल थे, भारतीय सौंदर्यविद् और दार्शनिक आचार्य अभिनवगुप्त ने दर्शकों के नए समूह को आकर्षित किया। *"आधुनिक जीवन में कल्याण और सद्भाव के लिए योग"* पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और ललित कला, बोज़ार, बेल्जियम के बीच समझौता ज्ञापन

आईसीसीआर और ललित कला, बोज़ार ने भारत और बेल्जियम के बीच कला और कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए साझा सांस्कृतिक सहयोग के इतिहास में एक नया अध्याय बनाने के लिए हाथ मिलाया है। बोज़ार एक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थान है जो बेल्जियम की संघीय सरकार के अंतर्गत अपनी नींव के माध्यम से संस्कृति, वास्तुकला और कला को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। यह सहयोग भारत और बेल्जियम के बीच मजबूत संबंधों की दिशा में एक कदम है।

4 फरवरी, 2021 को भारत में क्रमशः महानिदेशक, आईसीसीआर और बेल्जियम के राजदूत द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए आईसीसीआर और बोज़ार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। ब्रसेल्स में भारत के राजदूत और बोज़ार प्रतिनिधि ने भी उसी तारीख को ब्रसेल्स में समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारतीय कला और संस्कृति को यूरोपीय संघ की राजधानी, यूरोप के केंद्र में ले जाएगा।

Log on to:
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1357223383755149312
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1357243718793797634
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1357305146338775041

©Nyimaraart

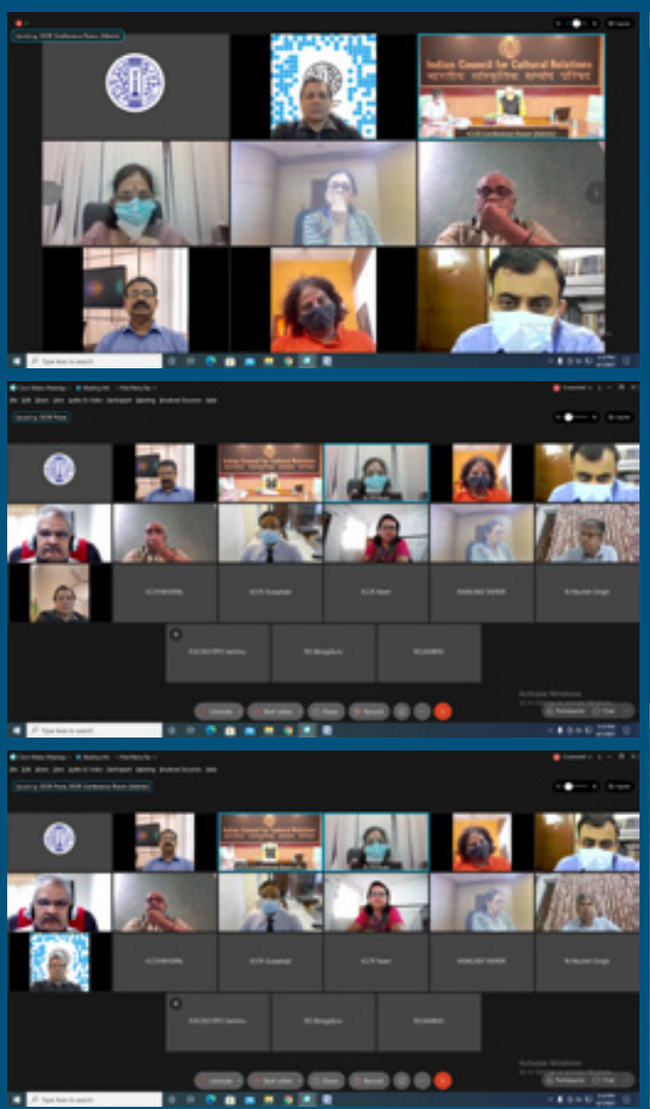

आईसीसीआर
क्षेत्रीय केंद्र

इस परिषद के भारत के विभिन्न राज्यों में 18 क्षेत्रीय कार्यालय (आरओ) हैं। ये आरओ सांस्कृतिक और शैक्षणिक दोनों कार्यों के लिए राज्य स्तर पर पहुंच गतिविधियों का संचालन करते हैं। वे अपने-अपने राज्यों में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की देखरेख करते हैं। आरओ अंतर्गामी सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों, सेमिनारों, यात्राओं और व्याख्यानों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे राज्य सरकारों, सांस्कृतिक संस्थानों, स्थानीय कलाकारों, विद्वानों और विश्वविद्यालयों के साथ भी संबंध स्थापित करते हैं।

यह परिषद अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के कामकाज को अनुकूलित करने का प्रयास करती है और इसने सर्वोत्तम प्रतिभा और विचारों को आकर्षित करने की दृष्टि से क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) का गठन किया है। आरएसी एक अनौपचारिक इकाई है जिसके सदस्यों का चयन संबंधित व्यक्ति की विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों के आधार पर किया जाता है। वर्तमान में, 14 क्षेत्रों में आरएसी अर्थात्- (i) अहमदाबाद (ii) बेंगलुरु (iii) भुवनेश्वर (iv) भोपाल (v) चेन्नई (vi) चंडीगढ़ (vii) गोवा (viii) हैदराबाद (ix) कोलकाता (x) मुंबई (xi) पुणे (xii) तिरुवनंतपुरम (xiii) लखनऊ (xiv) वाराणसी का गठन किया गया है।

अध्यक्ष, आईसीसीआर ने 8 जनवरी 2021 को आईसीसीआर मुख्यालय, नई दिल्ली में एक वर्चुअल आरएसी बैठक बुलाई जिसमें विभिन्न आरएसी सदस्यों और क्षेत्रीय प्रमुखों ने भाग लिया।

आईसीसीआर क्षेत्रीय कार्यालय

1.	अहमदाबाद	10.	जम्मू
2.	बेंगलुरु	11.	कोलकाता
3.	भोपाल	12.	लखनऊ
4.	भुवनेश्वर	13.	मुंबई
5.	चेन्नई	14.	पटना
6.	दिल्ली	15.	पुणे
7.	गोवा	16.	शिलॉंग
8.	गुवाहाटी	17.	तिरुवनंतपुरम
9.	हैदराबाद	18.	वाराणसी

क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली की स्थापना

पहली बार, आईसीसीआर और दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारत में पढ़ने वाले छात्रों, विशेष रूप से दिल्ली एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान सहित उत्तरी क्षेत्र के सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सुविधा के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। क्षेत्र में विभिन्न धाराओं में अध्ययन कर रहे विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की देखरेख के अलावा, यह केंद्र अन्य गतिविधियों के साथ-साथ आईसीसीआर चेयर्स, सम्मेलनों और संगोष्ठियों सहित अपनी कई शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन भी करेगा।

12 जनवरी, 2021 को महानिदेशक, आईसीसीआर और कार्यवाहक कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आईसीसीआर और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। 4 मार्च, 2021 को माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी मुरलीधरन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर में आईसीसीआर के *दिल्ली एनसीआर क्षेत्रीय केंद्र* का उद्घाटन किया।

"भारत पुरातनकाल से ज्ञान के लिए सबसे अधिक मांग वाले गंतव्यों में से एक रहा है। नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में हमारी प्राचीन विरासत की जड़ें हैं जो आज भी कायम हैं", वी मुरलीधरन ने दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीसीआर के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन के दौरान उल्लेख किया।

महानिदेशक, आईसीसीआर, दिनेश के पटनायक ने दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीसीआर के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन के दौरान कहा- "शिक्षा प्रदान करना केवल एक सामाजिक कार्य ही नहीं है। विश्वविद्यालय भविष्य का निर्माण करते हैं और नई शिक्षा नीति के साथ हम इसे उज्ज्वल बना सकते हैं"।

https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1367455476552663041
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1349026970214952960
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1367426135030591494
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1348982320766742535

क्षेत्रीय केंद्रों में अध्यक्ष, आईसीसीआर के दौरे

21 फरवरी, 2021 को डॉ विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर ने *पटना के क्षेत्रीय कार्यालय* का दौरा किया, राज्य के विश्वविद्यालयों में आईसीसीआर के अंतर्गत विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से अध्ययन कर रहे क्षेत्रीय अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ बातचीत की। अध्यक्ष, आईसीसीआर ने विदेशी छात्रों से मुलाकात की और आर्ट गैलरी में एक समूह प्रदर्शनी का दौरा किया।

उन्होंने 15 दिसंबर, 2020 को *हैदराबाद के क्षेत्रीय कार्यालय* में आईसीसीआर के स्टाफ सदस्यों के साथ भी चर्चा की।

Log on to:
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1338880075412819969

आईसीसीआर
क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियों

महामारी के बावजूद, क्षेत्रीय कार्यालय पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को वर्चुअल/ऑनलाइन आयोजित करने में कामयाब रहे और अपने क्षेत्र में विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से भारत में अध्ययन कर रहे विदेशी विद्वानों के संपर्क में भी रहे। *क्षितिज श्रृंखला* के अंतर्गत विभिन्न संगठनों के सहयोग से कई कार्यक्रम ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी आयोजित किए गए। क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा पूरे देश में क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत लगभग 110 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसमें आईसीसीआर के पैनल में शामिल कई कलाकार शामिल थे। उनकी गतिविधियों की एक झलक:-

अहमदाबाद

भरवार मालधारी रास मंडल: लोक नृत्य

घूमती गोरी: गुजराती लोक नृत्य

कनक समूह गुजराती लोक नृत्य

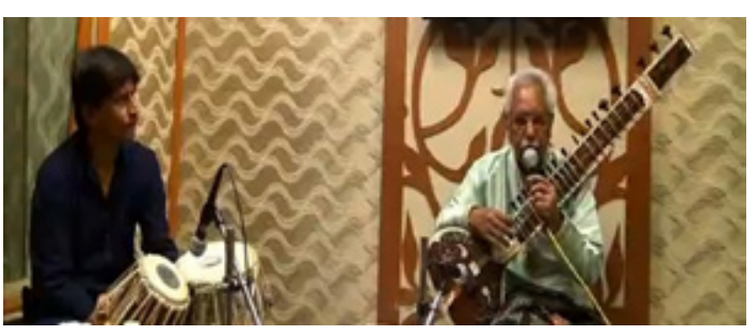

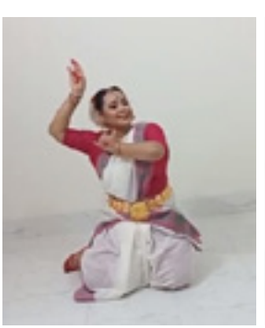

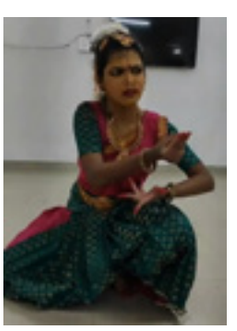

11 से 20 नवंबर, 2020 के बीच दिवाली त्योहार के दौरान 10 दिनों तक चलने वाले ऑनलाइन कार्यक्रम "अनलॉकिंग द होराइजन" का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय गुजरात द्वारा किया गया था।

भोपाल

23 दिसंबर, 2020 को सुश्री सीमा कौशिक, रायपुर (छ.ग.) के छत्तीसगढ़ी भर्तृहरि लोकगीत

क्षितिज श्रृंखला 19 नवंबर, 2020, सुश्री शोभा जेजुरकर, उज्जैन

24 फरवरी, 2021 को भोपाल में अखण्ड मार्शल आर्ट्स, सागर के कलाकारों द्वारा लाठी-नर्त्य प्रस्तुत किया गया

17 मार्च, 2021 को आईसीसीआर आरओ भोपाल द्वारा क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल के सहयोग से आयोजित "सुर मिलाप (एक शास्त्रीय संगीत संध्या)"

2 अक्टूबर, 2020 को आरओ भुवनेश्वर ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर एसआरजेएएन (गुरु केलुचरण महापात्र ओडिसी नृत्याबासा), भुवनेश्वर के सहयोग से आईसीसीआर की क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत महात्मा गांधी के 150 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाया।

भुवनेश्वर

महानिदेशक आईसीसीआर ने आरओ भुवनेश्वर का दौरा किया और भुवनेश्वर और कटक में शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों के कुलपतियों / निदेशकों के साथ बातचीत की

कार्यक्रम का आयोजन आईआईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से किया गया था, आईआईआईटी सभागार में जिसका उद्घाटन महानिदेशक आईसीसीआर और निदेशक आईआईआईटी बीबीएसआर द्वारा किया गया था।

25 दिसंबर, 2020 को आईसीसीआर क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत गुंजन डांस एकेडमी के सहयोग से आरओ भुवनेश्वर ने मधुगुंजन प्रस्तुत किया।

लोक गीत (पल्ली गीता):
डॉ. संगीता गोसाईं, भुवनेश्वर द्वारा प्रस्तुत

जोड़ी सांखा, राणापा और पशु मुखौटा नृत्य: आईसीसीआर क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत श्री कृष्ण जुगल शंख बद्य लोक नृत्य कला केंद्र, गंजम द्वारा प्रस्तुत किया गया।

योग प्रशिक्षक डॉ. दिनेश प्रसाद स्वैन और डॉ प्रतिभा श्री

चेन्नई

26 दिसंबर, 2020 को राग सुधा हॉल, मायलापुर, चेन्नई में श्रीमती विनय कार्तिक राजन द्वारा गायन संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

29 दिसंबर 2020 को गुरु श्रीमती लता रवि, भरतनाट्यला, चेन्नई के शिष्यों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुति की गई।

08 जनवरी, 2021 को श्रुतिनाट्यलय, चेन्नई के छात्रों द्वारा राग सुधा हॉल - भरतनाट्यम प्रदर्शन

श्रुतिनाट्यलय, चेन्नई के गुरु श्री.एस.मुरुगेश के शिष्यों द्वारा भरतनाट्यम नृत्य प्रदर्शन

गोवा

27 फरवरी, 2021 को गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के हाथों पद्मश्री विनायक खेडेकर का अभिनंदन

सम्राट संगीत सम्मेलन के दौरान तबले पर अमर मोपकर और हारमोनियम पर चिन्मय कोल्हटकर के साथ शांतिनिकेतन की डॉ.रंजनी रामचंद्रन का हिंदुस्तानी गायक

संगीत कार्यक्रम के दौरान तबले पर गणेश तनवड़े और पखावज पर गणेश पापल के साथ जल तरंग वादक मिलिंद तुलांकर।

पखावज पर मृणाल मोहन उपाध्याय के साथ प्रशांत मल्लिक और निशांत मलिक (मल्लिक ब्रदर्स) की ध्रुपद प्रस्तुति

गुवाहाटी

23 नवंबर, 2020 को मासिक क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत डॉ. दत्तात्रेय एल. वेलंकर द्वारा 'गण कीर्तन' प्रोग्राम किया गया।

12 से 31 दिसंबर, 2020 तक मासिक क्षितिज श्रृंखला कार्यक्रम के अंतर्गत प्रागज्योतिष सेंटर फॉर कल्चरल रिसर्च के सहयोग से आईसीसीआर गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने 'समकालीन 8, कथा - पूर्वोत्तर भारत' नामक एक ऑनलाइन क्यूरेटोरियल कला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

21 जून, 2020 को विश्व संगीत दिवस के अवसर पर आईसीसीआर गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने संगीत और कला के लिए टास्क फोर्स (टीएएफएमए), नागालैंड सरकार के सहयोग से वन नॉर्थईस्ट कॉन्सर्ट, एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

हैदराबाद

16 नवंबर, 2020 को देवी स्तुति

संयुक्ति, 16 अगस्त, 2020

चिन्मयी त्रिपाठी और जोएल मुखर्जी द्वारा कविता और संगीत।

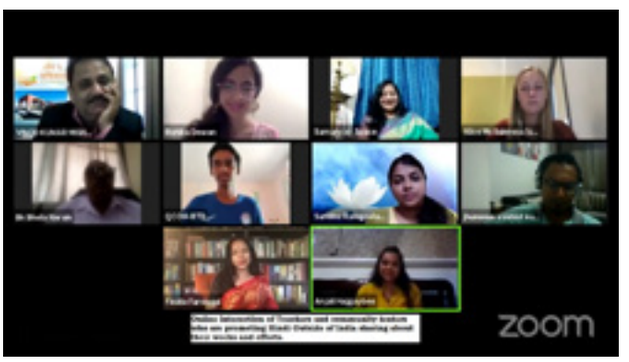

विदेशी छात्रों द्वारा कविताओं के गायन के साथ लाइव इंटरेक्शन सत्र

भारत में 20वीं सदी में सरोद की यात्रा

लखनऊ

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से लखनऊ के क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत नृत्य और संगीत के दो प्रदर्शन।

कोलकाता

26 फरवरी, 2021 को श्री सुबिकाश मुखर्जी और उनके समूह द्वारा एक ओडिसी नृत्य प्रस्तुति चिरो शाखा हे।

18 जनवरी, 2021 को श्री नभोदीप चक्रवर्ती द्वारा हिन्दुस्तानी गायन कार्यक्रम शास्त्रीय संध्या (खयाल, ग़ज़ल और गीत)।

11 दिसंबर, 2020 को अर्नब बंद्योपाध्याय और उनके समूह दारपानी द्वारा एक मुट्ठी धूल: एक ओडिसी यात्रा।

04 दिसंबर, 2020 को सत्यजीत रे सभागार में डॉ. उत्सव दास द्वारा पंच कबीर गान।

18 दिसंबर, 2020 को श्री सुजॉय बसु द्वारा सितार वादन।

15 जनवरी, 2020 को सत्यजीत रे सभागार में सुश्री संगीता मजूमदार (दिल्ली से) द्वारा कथक और हवाईयन गिटार का एक पारंपरिक कथक नृत्य गायन स्ट्रिंग्स एन स्टेप्स - एक समामेलन

मुंबई

दिसंबर 2020 - क्षितिज श्रृंखला
- सुश्री अर्पिता बनर्जी द्वारा कथक नृत्य

3 अक्टूबर 2020 को गांधी@150 के अवसर पर वेबिनार 'बुनाई संबंध: कपड़ा परंपराएं'। विदेश भवन सभागार, मुंबई में बुनाई की वस्तुओं का प्रदर्शन।

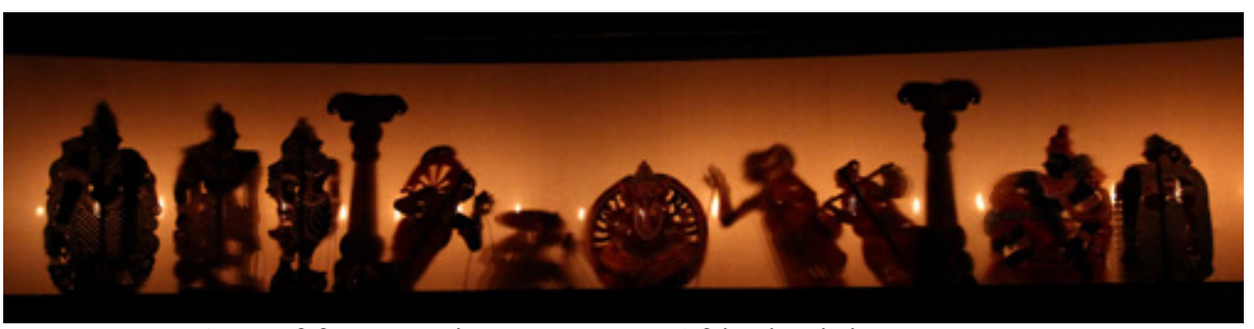

22 जनवरी, 2021 - क्षितिज श्रृंखला - 'थोलपावाकुथु (छाया कठपुतली थियेटर) केरल से थोलपावाकुथु संगम, कूनाथारा द्वारा

क्षितिज श्रृंखला: रणबिन्द्रनाथ टैगोर का नृत्य नाटक 'प्रोकृति चांडालिका' कोलकाता के बरुईपाद नृत्यलोक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

25 दिसंबर, 2020 - क्षितिज श्रृंखला
- 'संतवाणी', नालंदा नृत्य अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा नृत्य नाटिका

13 मार्च 2021 को क्षितिज श्रृंखला पर प्रयाग महोत्सव में मिताली वरदकर और श्रेया सभरवाल ओडिसी युगल प्रदर्शन करते हुए

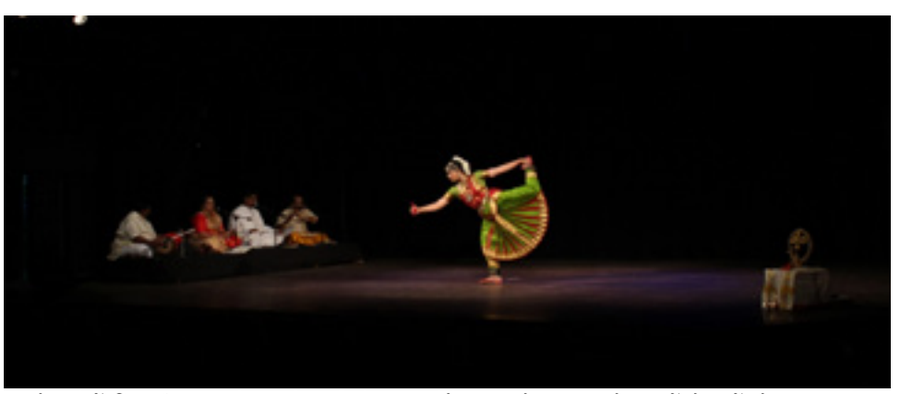

12 मार्च 2021 को प्रयाग महोत्सव में श्वेता वेंकटेश भरतनाट्यम नृत्य करती हुई

पटना

21 अक्टूबर, 2020 को क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत आईसीसीआर के पैनल में शामिल कलाकार "श्रीमती नीतू कुमारी नूतन" द्वारा एक लोक गीत का प्रदर्शन।

27 नवंबर, 2020 को होराइजन श्रृंखला के अंतर्गत आईसीसीआर के पैनल में शामिल कलाकार "श्री सुजान चटर्जी" द्वारा गजलों के गीत का प्रदर्शन

18 दिसंबर 2020 को आईसीसीआर के पैनल में शामिल कलाकार "श्री अनुपम भट्टाचार्य" द्वारा सितार एकल प्रदर्शन।

पुणे

23 दिसंबर, 2020 को कोलकाता से श्री अंजन साहा द्वारा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम (सितार)

29 जनवरी, 2021 को प्रशांक मल्लिक और निशांत मल्लिक की जोड़ी द्वारा हिंदुस्तानी द्रुपद जुगलबंदी।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत "नव स्वर रागिनी"

शिलॉंग

विश्व संगीत दिवस 21 जून, 2020

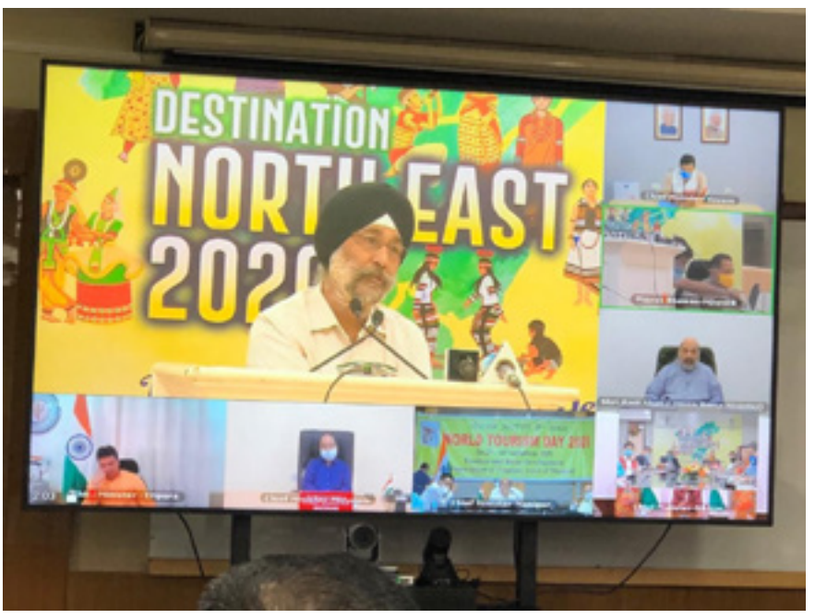

27 से 30 सितंबर, 2020 तक डेस्टिनेशन नॉर्थ ईस्ट 2020 का आयोजन किया गया।

चेरी ब्लॉसम माओ 2020- वर्चुअल इवेंट

तिरुवनंतपुरम

व्याख्यान प्रदर्शन ने रंगोली की व्युत्पत्ति और विकास और भारत में इसके 14 अन्य क्षेत्रीय रूपों का पता लगाया, जो तमिलनाडु के कोलम से लेकर उत्तराखंड के ऐपन तक थे। व्याख्यान के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

केरल विश्वविद्यालय करियावट्टम परिसर में अध्ययन कर रहे विभिन्न देशों के छात्र

केरल विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ विदेशी छात्र

विदेशी छात्रों ने आईसीसीआर कार्यालय का दौरा किया

शनिवार, 13 मार्च, 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेंद्रम और कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी), कोचीन ने कलामंडलम ऐश्वर्या रमेश और टीम द्वारा मोहिनीअट्टम का आयोजन किया।

वाराणसी

23 जनवरी, 2021 को वाराणसी में क्षितिज श्रृंखला "सितार वादन" का कार्यक्रम

14 फरवरी, 2021 को आईसीसीआर क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी में श्रीमती सुचरिता गुप्ता द्वारा क्षितिज श्रृंखला में गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

7 मार्च, 2021 को क्षितिज श्रृंखला के अंतर्गत आईसीसीआर आरओ वाराणसी द्वारा कार्यक्रम

आईसीसीआर
कार्यक्रम

आईसीसीआर कई कार्यक्रमों को लागू करता है जिनमें आईसीसीआर के संचालन के दो प्रमुख क्षेत्र हैं (i) शैक्षणिक और बौद्धिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और (ii) दुनियाभर में दृश्य और प्रदर्शन कलाओं और कलाकारों का सक्रिय प्रोत्साहन।

अकादमिक और बौद्धिक गतिविधियों में भारतीय अध्ययन की चेयर्स, विदेशी छात्रों को छात्रवृत्तियां, अकादमिक बिरादरी के मध्य भारतीय संस्कृति के अध्ययन को प्रचारित और प्रोत्साहित करने के लिए सम्मेलन और सेमिनार शामिल हैं। आईसीसीआर भारतीय कलाकारों के बीच प्रतिभा को प्रोत्साहित और पोषित करने और विदेशों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने में उनकी सहायता करने में भी सबसे आगे रहा है। प्रदर्शन कलाएं लोगों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने और राष्ट्रों के बीच बेहतर समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मनोरंजक और रचनात्मक पहल हैं।

इनमें से कई कार्यक्रम विदेश मंत्रालय की ओर से किए जाते हैं। आईसीसीआर कई अन्य मंत्रालयों की ओर से भी कार्यक्रमों को लागू करता है।

क्रमांक	दृश्य और प्रदर्शन कलाओं को बढ़ावा देना
1.	बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल
2.	आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल
3.	भारत के बाहर आयोजित प्रदर्शनियां
4.	भारत के अंदर आयोजित प्रदर्शनियां
5.	आवक्ष मूर्तियां और प्रतिमाएं

क्रमांक	शैक्षणिक और बौद्धिक आदान-प्रदान कार्यक्रम
1.	अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को छात्रवृत्तियां और कल्याण
2.	आईसीसीआर चेयर्स
3.	सम्मेलन और सेमिनार
4.	आगंतुक - विशिष्ट / अकादमिक / अन्य
5.	पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण
6.	महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समापन समारोह
7.	आईसीसीआर के वार्षिक व्याख्यान
8.	हिंदी भाषा का प्रचार
9.	आईसीसीआर पुरस्कार
10.	प्रेस कॉन्फ्रेंस / मीडिया संवाद
11.	ई-लर्निंग पोर्टल "यूटीआईकेएस" आईसीसीआर और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईसीसीआर
बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल

इंडिया ग्लोबल वीक 2020 में संगीतकार

इंडिया इंक द्वारा लंदन, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित **इंडिया ग्लोबल वीक 2020** का तीन दिवसीय वर्चुअल सम्मेलन। जुलाई 2020 के दौरान लंदन में आयोजित 'इंडिया ग्लोबल वीक' के बीच में पं विश्व मोहन भट्ट, श्री शुभेंद्र राव और पं. रोनू मजूमदार की वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाई गई

श्री शुभेन्द्र राव, सितार

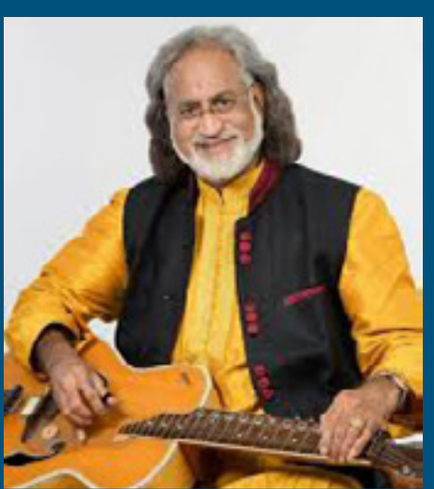

पंडित विश्वा मोहन भट्ट, गिटार

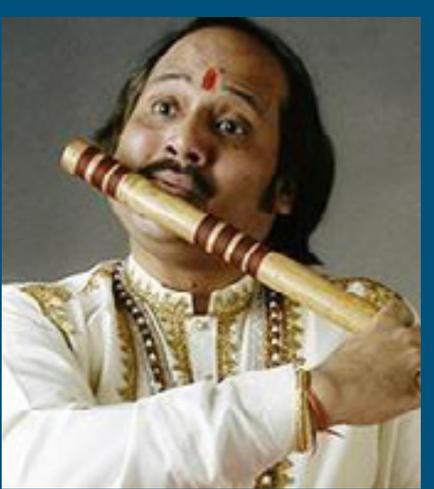

पंडित रोनू मजुमदार, फ्लूट

अनछुए समुद्र

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर के एक वीडियो संदेश के साथ-साथ अदिति मंगलदास डांस कंपनी 'दृष्टिकोण डांस फाउंडेशन' द्वारा सुश्री अदिति मंगलदास और उनके समूह द्वारा कोरियोग्राफ और अभीनीत ***अनछुए समुद्र (कथक नृत्य प्रदर्शन)*** की 60 मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग को जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, मॉस्को के साथ साझा किया गया, जिसे Kultura.ru पर अपलोड किया गया था, जोकि 19 अगस्त, 2020 को दुनिया भर से कला और सांस्कृतिक तत्व को प्रदर्शित करने के लिए रूसी संघ की सरकार द्वारा बनाया गया एक सांस्कृतिक पोर्टल है।

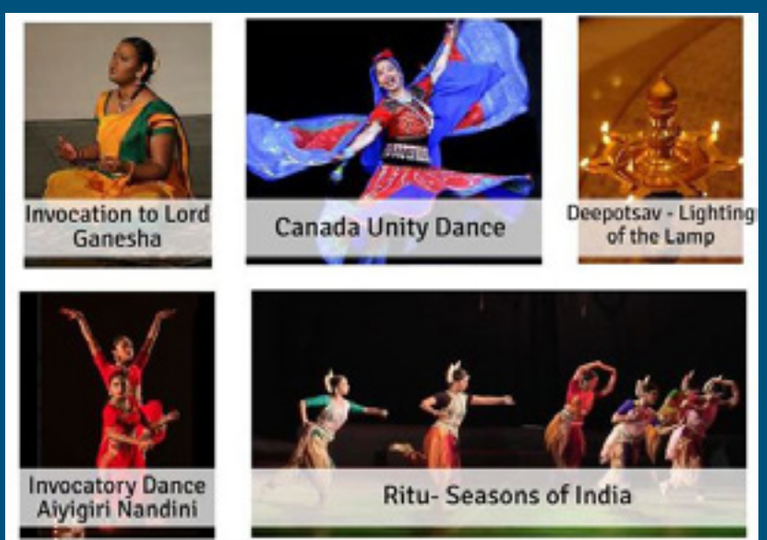

द ग्रेट इंडिया फेस्टिवल (टीजीआईएफ), ओटावा

द ग्रेट इंडिया फेस्टिवल, ओटावा एक शानदार उत्सव का आयोजन करता है जो आगंतुकों और निवासियों को सालाना भारत की परंपराओं, संस्कृति और विरासत के बारे में अनुभव करने और व्यक्तिगत रूप से सीखने का विश्व स्तरीय अवसर प्रदान करता है। यह उत्सव एक वार्षिक कार्यक्रम है, 7-9 अगस्त, 2020 तक ओटावा में ***'द ग्रेट इंडिया फेस्टिवल (टीजीआईएफ)'*** के अवसर पर विश्व महामारी के कारण, निम्नलिखित की वीडियो रिकॉर्डिंग साझा की गई:

क. सुश्री अर्चना नारायणमूर्ति

ख. सुश्री राजेश्वरी सांईनाथ (भरतनाट्यम)

ग. सुश्री नलिनी कमलिनी (कथक जोड़ी)

घ. सुश्री नम्रता गुप्ता (ओडिसी)

ड़. वर्चुअल परफॉर्मेंस के लिए परमजीत सिंह सिंधु एंड पार्टी (पंजाब लोक)

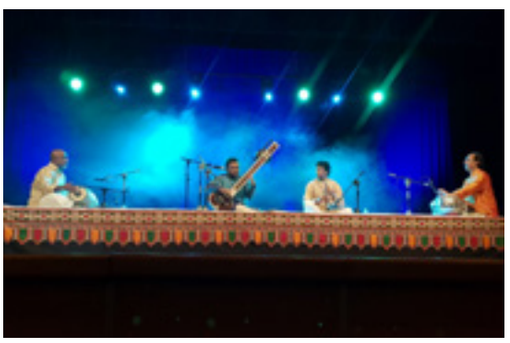

इंडिया एन कॉन्सिएर्टो फेस्टिवल, स्पेन

फेस्टिवल *"इंडिया एन कॉन्सिएर्टो"* का उद्देश्य संगीत और नृत्य के माध्यम से स्पेन में दर्शकों के लिए भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक समृद्धि लाना है। यह उत्सव का छठा संस्करण था, और श्री रविशंकर को उनके जन्म शताब्दी के सम्मान में समर्पित किया गया था। *"इंडिया इन कॉन्सर्ट"* के इस संस्करण में प्रोग्राम देने वाले कलाकारों को उनके पेशेवर करियर में महान गुरु रविशंकर के साथ निकटता से जोड़ा गया है। दिल्ली के श्री गौरव मजूमदार के नेतृत्व में 04-सदस्यीय सितार समूह ने 06-14 अक्टूबर, 2020 तक इंडिया एन कॉन्सिएर्टो उत्सव में सांस्कृतिक प्रदर्शन देने के लिए स्पेन का दौरा किया।

कोरिया गणराज्य में भारत का छठा वार्षिक उत्सव

सुश्री नम्रता मेहता के नेतृत्व में ओडिसी समूह की वीडियो रिकॉर्डिंग को 23-28 अक्टूबर, 2020 तक कोरिया गणराज्य में *भारत के छठे वार्षिक उत्सव सारंग-2020* में लाइव स्ट्रीमिंग के लिए भेजा गया था।

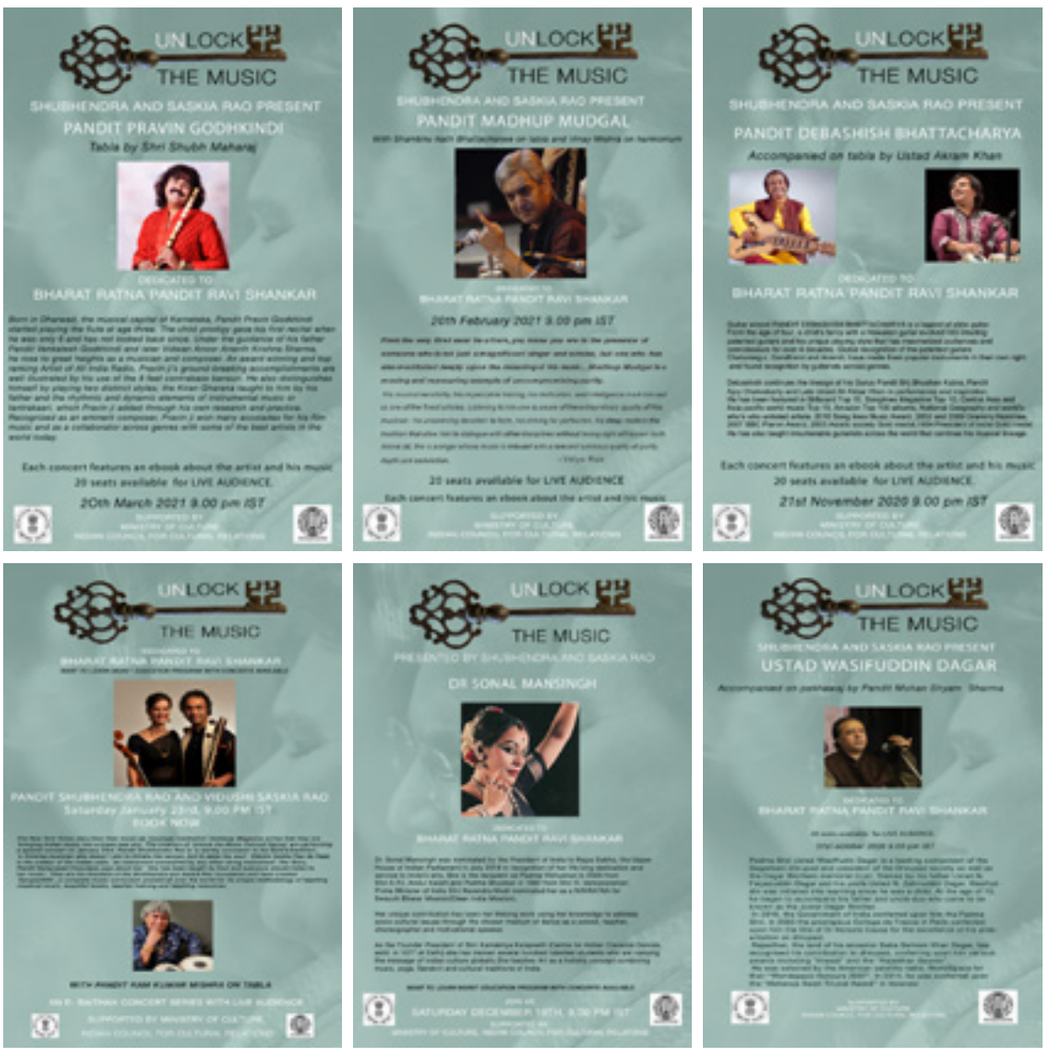

"अनलॉक द म्यूजिक"

श्री शुभेंद्र राव ने आईसीसीआर के सहयोग से अक्टूबर 2020 से मार्च 2021 तक छह लाइव कॉन्सर्ट श्रृंखला *"अनलॉक द म्यूजिक"* का आयोजन किया, यह श्रृंखला संगीत को समर्पित, *भारत रत्न पंडित रविशंकर जी* को समर्पित थी।

क) 31 अक्टूबर, 2020 को उस्ताद वसीफुद्दीन डागर द्वारा ध्रुपद गायन

ख) 21 नवंबर, 2020 को तबले पर उस्ताद अकरम खान के साथ पंडित देबाशीष भट्टाचार्य (गिटार)

ग) 19 दिसंबर, 2020 को पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह

घ) 23 जनवरी, 2021 को तबले पर पंडित रामकुमार मिश्रा के साथ पंडित शुभेंद्र राव और विधुसी सस्किया राव

ड़) 20 फरवरी, 2021 को तबले पर शंभू नाथ भट्टाचार्जी के साथ पंडित मधुप मुद्गल

च) 20 मार्च 2021 को तबले पर श्री शुभ महाराज के साथ पंडित प्रवीण गोधकिंडी

अंतर्राष्ट्रीय कोरल महोत्सव और प्रतियोगिता 2020

पहली बार, आईसीसीआर द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में भारत और दुनिया भर के 40 गायक मंडलियों ने गाया। इन गायक मंडलियों ने, अपने सुंदर राष्ट्रीय परिधानों और रंगों में, इस ग्रह के हर महाद्वीप से अद्भुत धुनें प्रस्तुत कीं। समूह गायन या सामूहिक गायन कला का एक रूप है जिसकी कोविड-19 महामारी के इन अभूतपूर्व समय के दौरान बहुत प्रासंगिकता है। गायक मंडलियों को एक भावनात्मक लिफ्ट देने के लिए सिद्ध किया गया है जो तनाव और चिंता के स्तर को कम करता है और सकारात्मक मानसिक स्थिति में योगदान देता है। अलगाव के इस समय के दौरान, गायक मंडलियों का गायन हम इंसानों को एक साथ होने का एहसास कराता है। आईसीसीआर पूरी दुनिया में प्रदर्शन कला के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करता है और अन्य देशों की कला परंपराओं को एक मंच पर लाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन अभूतपूर्व समय में, आईसीसीआर ने पहले अंतर्राष्ट्रीय कोरल फेस्टिवल और प्रतियोगिता 2020 के आयोजन के लिए यह पहल की है। आईसीसीआर को इस प्रतियोगिता के लिए समृद्ध सांस्कृतिक और कोरल विरासत वाले विभिन्न देशों से सौ से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

इन प्रविष्टियों की समीक्षा जूरी के पैनल द्वारा की गई, जिसमें संगीत के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध हस्तियां शामिल थीं, जैसे रॉयल स्कूल ऑफ म्यूजिक के एसोसिएटेड बोर्ड के मर्विन कजिन्स; येल विश्वविद्यालय से डॉ. जेफरी डौमा; वियना विश्वविद्यालय से कंडक्टर और संगीतकार उस्ताद विजय उपाध्याय; बेलारूस जिमनैजियम कॉलेज से सियामियन मिकाजलोविच क्लिमानौ; और लातवियाई संगीत अकादमी से प्रो. एंड्रीस वीसमैनिस। इस महोत्सव और प्रतियोगिता के समापन भाग में, 18 दिसंबर, 2020 को 1700 बजे एक ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था जिसमें अर्जेंटीना, बेलारूस, ब्राजील, चिली, क्यूबा, ग्वाटेमाला, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, मकाओ, मैसेडोनिया, मलेशिया, मैक्सिको, नाइजीरिया, पेरू, रूस, सर्बिया, स्पेन, श्रीलंका, तुर्की, उरुग्वे, वेनेजुएला और भारत की लगभग 40 गायक मंडलियों ने प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के विजेता थे:-

i) क्यूबा से ऑरफियन सैंटियागो की गायक मंडली

ii) रूस से पोनोमारियो वेस्ना चिल्ड्रन गायक मंडली

iii) बेलारूस से सलुतारिस चैंबर गायक मंडली

To know more log on to:
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1339595655233241090
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1339908093824516097
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1339911674799616004
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1339944202138910720

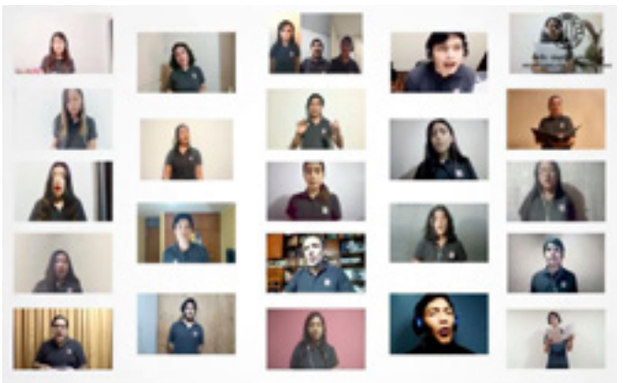

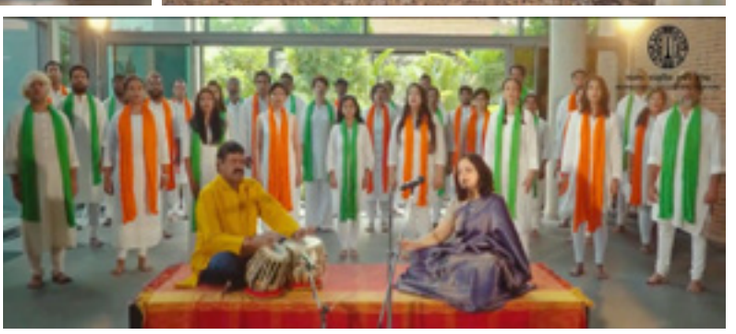

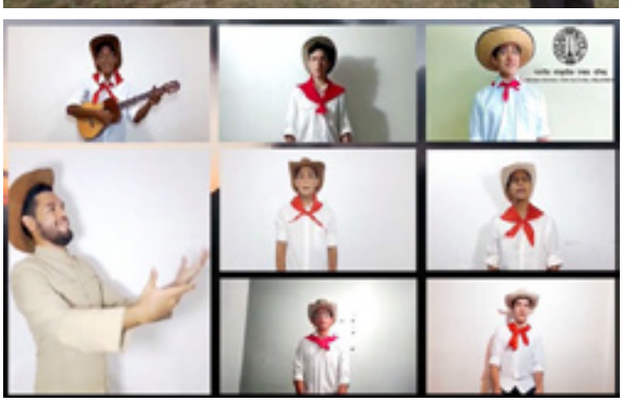

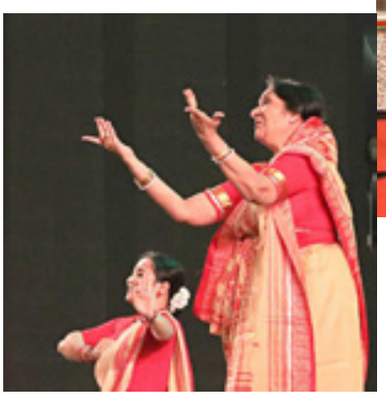

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जयंती और 17 मार्च, 2021 को बांग्लादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती।

कोलकाता से सुश्री ममता शंकर के नेतृत्व में 18 सदस्यीय समकालीन नृत्य समूह द्वारा शानदार नृत्य-पाठन की झलक, महामहिम शेख हसीना, माननीय प्रधान मंत्री, बांग्लादेश, जिन्होंने "बंगबंधु शेख मुजीब" (मुजीब बारशो) की शताब्दी के विशेष स्मरणोत्सव पर बांग्लादेश का दौरा किया, भारत-बांग्लादेश राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ और 15 से 23 मार्च, 2021 तक बांग्लादेश मुक्ति युद्ध का जश्न मनाया।

गणतंत्र दिवस 2020-21, कनाडा के अवसर पर सांस्कृतिक प्रदर्शन

22 जनवरी से 01 फरवरी, 2021 तक कनाडा में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उत्तर प्रदेश की कथक नृत्यांगना सुश्री विधि नागर की वीडियो रिकॉर्डिंग

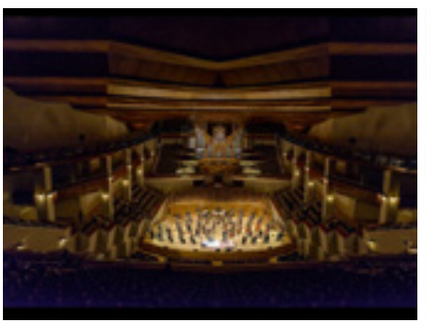

राष्ट्रीय सभागार, स्पेन में फ्लैगशिप कॉन्सर्ट

आईसीसीआर ने एक वाद्य समूह को 30 नवंबर से 08 दिसंबर, 2020 तक स्पेन की यात्रा के लिए प्रायोजित किया।

प्रतिष्ठित ऑडिटोरियो नैशनल डी मुसिया स्पेन में रविशंकर सिम्फनी के प्रीमियर का स्थल बन गया। सिम्फनी की रचना रविशंकर ने अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले की थी और इसका प्रीमियर लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया गया था। सिम्फनी को भारतीय सितारवादक शुभेंद्र राव के साथ डेविड मर्फी द्वारा संचालित ऑर्क्वेस्टा सिन्फोनिका डी कैस्टिला वाई लियोन द्वारा पेश किया गया था। इस संगीत कार्यक्रम में ईस्ट मैरिज वेस्ट, अतिथि संगीतकार शुभेंद्र राव (सितार) और सस्किया राव-डी हास (इंडियन सेलो) द्वारा युगल प्रदर्शन, परिमल चक्रवर्ती (तबला वाद्य) के साथ शामिल थे। इस कार्यक्रम का जनता द्वारा कोविड महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया और दुलार दिया गया।

श्री अजय चक्रवर्ती, बांगलादेश द्वारा मुजीबुर रहमान को "राग मोइत्री" का समर्पण।

कोलकाता से पं अजय चक्रवर्ती के नेतृत्व में 08-सदस्य हिंदुस्तानी वोकल ग्रुप भारत-बांग्लादेश राजनयिक संबंधों और बांग्लादेश मुक्ति युद्ध की स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ के जश्न के लिए बांग्लादेश दौरे पर गया, इसमें 25-29 मार्च, 2021 तक वीवीआईपी दौरे के साथ मेल खाने के लिए मुजीबुर रहमान को समर्पित एक विशेष राग *"मोइत्री"* शामिल किया गया था, जो इस आयोजन का मुख्य आकर्षण था।

आईसीसीआर
आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल (आईसीडी)

“यूनाइटेड वी फाइट” एक संगीतमय श्रद्धांजलि

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) भारत भर के संगीतकारों, संगीतकारों और गायकों को एक साथ लाई, जिन्होंने अपने घरों से रिकॉर्डिंग का योगदान करते हुए, एक सुंदर संगीत रचना **“यूनाइटेड वी फाइट”** में जिसे अल्वारेस द्वारा लिखित और संगीतबद्ध किया गया था, मई 2020 में कमीशन किया गया। गायन उषा उथुप, सलीम मर्चेंट, शेफाली अल्वारेस राशिद, बेनी दयाल, सोनम कालरा, चंदना बाला कलियान, जो अल्वारेस, सैलोम लैरी और समीरा द्वारा और संगीत टुबी, पंडित रवींद्र चारी, पंडित राकेश चौरसिया और उस्ताद फज़ल कुरैशी द्वारा दिया गया।

यह गीत लोगों की मदद करने, एकजुट रहने और लोगों के दिलों में आशा जगाने और महामारी-कोविड -19 की इस असाधारण परिस्थितियों में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए था।

इस गीत को विदेश मंत्रालय, आईसीसीआर, क्षेत्रीय भाषाओं में क्षेत्रीय केंद्रों और विदेशों में सभी भारतीय मिशनों/पोस्टों/सांस्कृतिक केंद्रों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से दुनिया भर में प्रचारित किया गया और दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

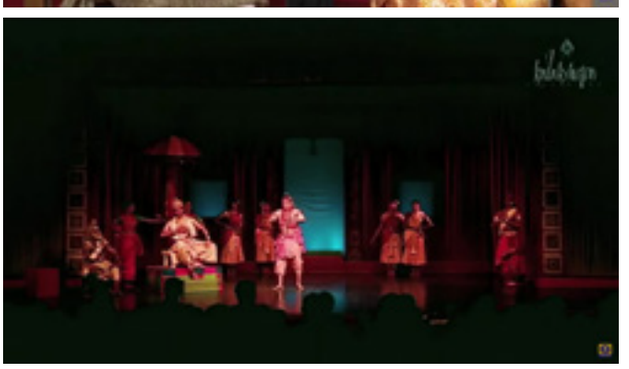

वर्चुअल कला यात्रा महोत्सव

आईसीसीआर ने 10 एवं 11 अक्टूबर, 2020 को **"वर्चुअल कला यात्रा महोत्सव"** आयोजित करने में भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र के साथ सहयोग किया और थाईलैंड के रामायण समूह की वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा प्रदान की। इस महोत्सव में चर्चा और संवाद सहित दो महान महाकाव्यों रामायण और महाभारत के प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया।

राजनयिकों के लिए उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने एक सांस्कृतिक शाम का आयोजन किया, जिसमें 17 फरवरी, 2021 को ताज मान सिंह होटल, नई दिल्ली में भारतीय कला, नृत्य, संगीत और व्यंजन का एक उपहार प्रस्तुत किया गया, जो उस त्रुटिहीन विविधता का प्रतिनिधित्व करता है जिसके लिए भारत एक राष्ट्र के रूप में खड़ा है। इस शाम ने भारत में विभिन्न सांस्कृतिक रूपों और शैलियों के एक सुंदर समामेलन का एक आदर्श उदाहरण पेश किया। इस अवसर पर तीन सांस्कृतिक समूहों - सुश्री मैत्रेयी पहाड़ी, सुश्री प्रीती और सुश्री ओशिन भाटिया के साथ उनके संगतकारों (नर्तक और संगीतकार) द्वारा प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया।

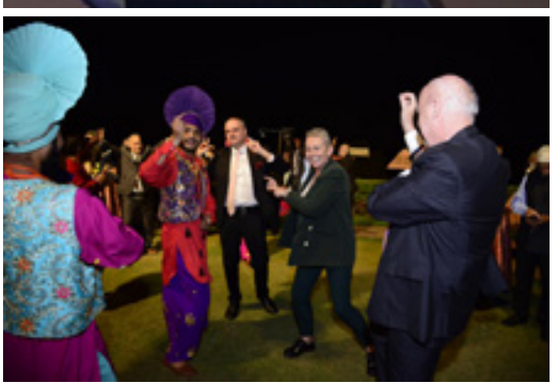

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर ने भारतीय सांस्कृतिक संध्या में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए क हा "आप आए बहार आई"। उन्होंने यह भी जोड़ा कि "संस्कृति भारत के संबंधों की मुख्य धारा रही है"

महानिदेशक, आईसीसीआर दिनेश के पटनायक ने भारतीय सांस्कृतिक संध्या में गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा "कोविड ने हमें एहसास दिलाया है कि हमें एक साथ काम करने की जरूरत है। हम उस दौड़ में नहीं हो सकते जहां एक दूसरे के खिलाफ जीत रहा हो। हम एक साथ दौड़ में हैं"।

https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1362786094157193220
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1362416772045971459
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1362070663234686980
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1363526849188429835

“यात्रा नार्यस्तु”: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

आईसीसीआर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 7 और 8 मार्च, 2021 को दो दिवसीय “यात्रा नार्यस्तु” कार्यक्रम आयोजित करने में राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) **के साथ सहयोग किया।** एनजीएमए के लॉन में लगाए गए 100 मीटर के कैनवास को पेंट करने के लिए 100 महिला कलाकारों को आमंत्रित किया गया था। महानिदेशक, आईसीसीआर ने दिल्ली में विदेशी मिशनों की महिला प्रमुखों और वरिष्ठ राजनयिकों की पत्नियों को एनजीएमए लॉन में स्थापित 50 मीटर कैनवास पर पेंट करने के लिए 8 मार्च को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। परिषद ने इस अवसर पर एनजीएमए लॉन में 14 महिला नर्तकियों और संगीतकारों के साथ श्री अनवर खान (लोक नृत्य) द्वारा एक सांस्कृतिक प्रदर्शन का आयोजन किया और 250 आमंत्रितों के लिए शाम के चाय नाश्ते की मेजबानी भी की।

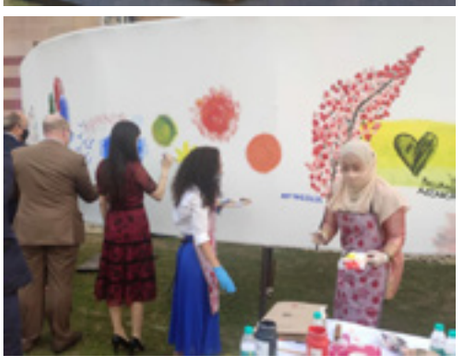

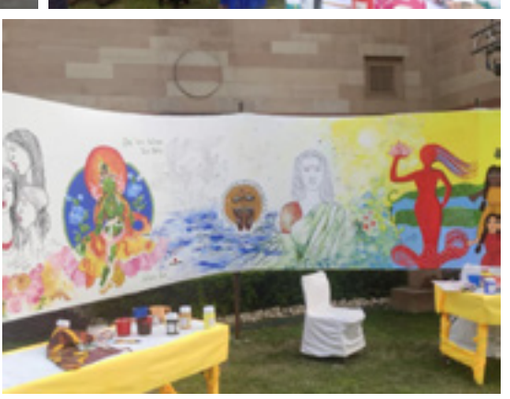

“विशेष कला प्रदर्शनी में डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर कहते हैं- "एक शानदार शाम के लिए एक शानदार विचार। गणमान्य व्यक्ति चित्र बना रहे हैं और उनके जीवनसाथी उसमें रंग भर रहे हैं। महिलाएं हमेशा आगे रहती हैं।"

महानिदेशक, आईसीसीआर दिनेश के पटनायक ने कला प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह के दौरान एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। "एक बच्चा पेंटिंग कर रहा था और उसके पिता ने पूछा कि वह वास्तव में क्या पेंटिंग कर रहा था? पिता ने कहा कि यह घोड़े जैसा दिखता है लेकिन घोड़े के पंख नहीं होते हैं! लड़के ने उत्तर दिया कि मैंने कब कहा कि यह घोड़ा है।”

https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1368918108426006531
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1368919538612404227
https://twitter.com/ICCR_Delhi/status/1368900532518092802

आईसीसीआर और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

9 अक्टूबर, 2020 को आईसीसीआर और एमडीएनआईवाई ने दुनिया भर में योग विज्ञान और दर्शन को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों संगठन योग को न केवल करियर कौशल के रूप में बढ़ावा देने के लिए बल्कि दुनिया भर में योग सिखाने में तालमेल, एकरूपता और गुणवत्ता लाने के लिए सुविधाओं और विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे। दोनों संगठन दुनिया भर में योग प्रमाणन बोर्ड द्वारा योग पेशेवरों के प्रमाणन के लिए मिलकर काम करेंगे। एमडीएनआईवाई और आईसीसीआर भी दुनिया भर के लोगों के लिए विशेषतौर पर योग में फाउंडेशन कोर्स और विभिन्न अन्य उच्च स्तरीय सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करके अकादमिक लिंक विकसित करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

"दशकों पहले, तनाव को आधुनिक जीवन की महामारी के रूप में वर्गीकृत किया गया था। गांधीवादी जीवन शैली एक मुकाबला तंत्र का अभ्यास करने के लिए सबसे अच्छा मार्गदर्शक है, जो विश्राम, शांति, आंतरिक शांति, चिंता की अनुपस्थिति और सकारात्मक बने रहने को प्रेरित करता है।"

-डॉ। शोभना राधाकृष्णन, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित गांधीवादी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)

आईसीसीआर को 2015 से विदेशों में भारतीय मिशनों/केंद्रों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव को सुविधाजनक बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय मिशनों और पोस्टों को आर्ट ऑफ लिविंग, मोक्षयतन, गायत्री परिवार, ब्रह्माकुमारी, पतंजलि, अयंगर योग, शिवानंद योग आदि जैसे संगठन/संस्थानों के अलावा स्थानीय सरकार, योग संस्थान और भारतीय सामुदायिक संघ, विभिन्न शहरों में आईडीवाई समारोहों में स्वैच्छिक भागीदारी/सहयोग देते हैं। आईडीवाई समारोह आईसीसीआर से वित्तीय सहायता प्राप्त अधिकांश भारतीय मिशनों/पोस्टों द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

सार्वजनिक समारोहों पर कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण आईडीवाई 2020 दुनिया भर में ज्यादातर वर्चुअल मोड में मनाया गया था। आईसीसीआर ने अपने 114 मिशनों और 39 पोस्टों के माध्यम से 147 देशों में छठे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -2020 के उत्सव की सुविधा प्रदान की। आयुष मंत्रालय के साथ साझेदारी में एक वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता "माई लाइफ माई योगा" का आयोजन किया गया। भारत से कुल 35141 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं और अन्य देशों से लगभग 2533 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। अन्य देशों की प्रविष्टियों का मूल्यांकन संबंधित भारतीय मिशनों द्वारा किया गया और नौ प्रविष्टियों ने विभिन्न श्रेणियों में वैश्विक पुरस्कार जीते।

आईसीसीआर
प्रदर्शनियां

अंतर्राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता
“यूनाइटेड अगेंस्ट कोरोना- एक्सप्रेस थ्रू आर्ट”

कोरोना महामारी के कारण प्रदर्शनियों का आयोजन करना संभव नहीं था। हालांकि वर्चुअल गतिविधियां आयोजित की गईं और राष्ट्रों से पूरे दिल से भागीदारी प्राप्त हुई।

कोविड-19 महामारी के कठिन समय के दौरान अप्रैल, 2020 में आईसीसीआर द्वारा शुरू की गई अंतर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रतियोगिता को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यह आयोजन सभी कलाकारों की कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया था ताकि वे कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई में अपने मनोभावों, संवेदनाओं, कल्पनाओं और नवीन विचारों को प्रस्तुत कर सकें।

आईसीसीआर को *“अंतर्राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता - यूनाइटेड अगेंस्ट कोरोना- एक्सप्रेस थ्रू आर्ट”* के लिए दुनिया भर से अलग-अलग वर्गों जैसे: पेशेवर / शौकिया / चार अलग-अलग वर्गों में बच्चे: समकालीन कला; लोक और जनजातीय कला; कार्टून और चित्र एवं डिजिटल और नए युग की कला, में 8,000 से अधिक कलाकृतियां प्राप्त हुईं। प्रतियोगिता में 16 विदेशी और 12 भारतीय नागरिक विजेताओं को पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

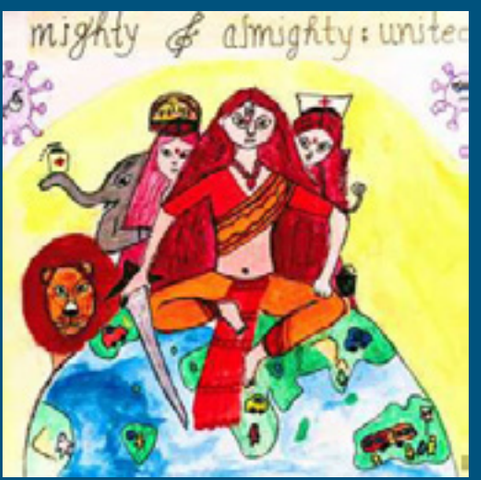
mighty & almighty: unite

Don't worry.
We will get over it
quickly!

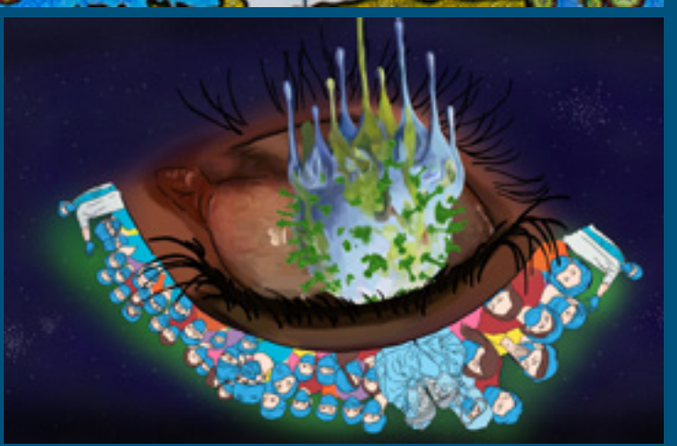

श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व अध्यक्ष, आईसीसीआर के चित्र का अनावरण

आईसीसीआर ने 16 अगस्त, 2020 को आईसीसीआर परिसर में उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर श्री वाजपेयी के चित्र का अनावरण करके स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति आईसीसीआर की स्मृति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। चित्र का अनावरण श्री राम नाथ कोविंद, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने वर्चुअल मोड में श्री वी. मुरलीधरन, विदेश राज्य मंत्री और डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, आईसीसीआर के अध्यक्ष और संसद सदस्य की उपस्थिति में किया था। पेंटिंग का निर्माण ऑइल-ऑन-कैनवास में मुंबई के एक प्रख्यात और प्रसिद्ध चित्रकार श्री वासुदेव कामथ द्वारा किया गया है, जो एक स्वर्ण पदक विजेता हैं, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

सुश्री एना रेडोंडो, संस्कृति और पर्यटन परिषद, वेलाडोलिड नगर परिषद, प्रो एंटोनियो लार्गो, रेक्टर, वेलाडोलिड विश्वविद्यालय और राजदूत संजय वर्मा औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

सुश्री एना रेडोंडो, संस्कृति और पर्यटन परिषद, वलाडोलिड नगर परिषद ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

स्पेन में संगीत वाद्ययंत्रों के संग्रह की प्रदर्शनी

स्वर्गीय पंडित रविशंकर के शताब्दी समारोह के अवसर पर, श्री सोमजीत दास गुप्ता द्वारा स्पेन में क्यूरेट किए गए गुरु राधिका मोहन मैत्रा के संग्रह से एक संगीत वाद्ययंत्र प्रदर्शनी प्रायोजित की गई थी।

प्रदर्शनी का उद्घाटन 8 अक्टूबर, 2020 को कासा डे ला इंडिया, वेलाडोलिड में सुश्री एना रेडोंडो, संस्कृति और पर्यटन परिषद, वेलाडोलिड नगर परिषद, प्रो एंटोनियो लार्गो, रेक्टर, वेलाडोलिड विश्वविद्यालय और भारतीय राजदूत श्री संजय वर्मा द्वारा किया गया था।

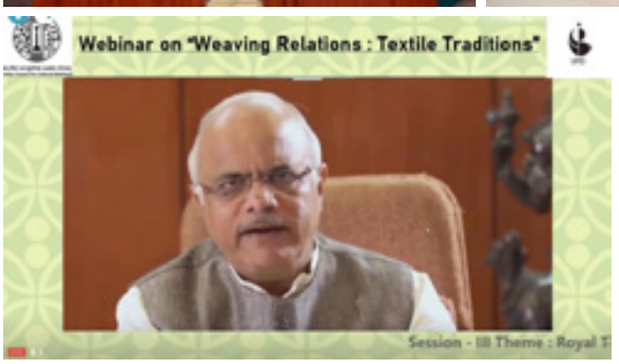

3 अक्टूबर 2020 को आईसीसीआर, नई दिल्ली में "बुनाई संबंध: कपड़ा परंपराएं" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

3 अक्टूबर, 2020 को आईसीसीआर, नई दिल्ली में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मुख्य भाषण के साथ हाइब्रिड प्रारूप में *"बुनाई संबंध: कपड़ा परंपराएं"* पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार में महामहिम किम जंग-सूक, कोरिया गणराज्य की प्रथम महिला, महामहिम आशी सांगे चोडेन वांगचुक, भूटान की शाही राजमाता, महामहिम श्री गोलम दस्तगीर गाज़ी सांसद, माननीय कपड़ा और जूट मंत्री, बांग्लादेश जनवादी गणराज्य सरकार, श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, एमएसएमई और निर्यात संवर्धन मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार और डॉ विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर ने भाग लिया। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश डिजाइन संस्थान (यूपीआईडी), लखनऊ के सहयोग से आईसीसीआर द्वारा आयोजित किया गया था। वेबिनार में बांग्लादेश, बहरीन, बेलारूस, भूटान, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और भारत के 20 वक्ताओं ने भाग लिया। वेबिनार के पांच सत्रों के विषय इक्कत, बाटिक, गमछा, खादी, जामदानी, सिल्क, रॉयल टेक्सटाइल्स और वीव्स एंड निट्स थे। दिल्ली में रेजिडेंट एंबेसडर और राजनयिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

'जय हिंद' 24 जनवरी, 2021 को कोलकाता में नेताजी के जीवन और विरासत पर एक अनूठी कला कार्यशाला और प्रदर्शनी

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली ने 24 जनवरी, 2021 को बंगाल आर्ट गैलरी, रवींद्रनाथ टैगोर गैलरी, जैमिनी रॉय गैलरी और नंदलाल गैलरी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और विरासत पर एक अनूठी कला कार्यशाला और प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए सहयोग किया। इसका उद्घाटन आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे, श्री अद्वैत गडनायक उपाध्यक्ष, आईसीसीआर ने किया और महानिदेशक, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि थे। प्रदर्शनी 25 से 31 जनवरी, 2021 तक आम जनता के लिए खुली थी।

Log on to:
https://www.youtube.com/watch?v=zIz2tY4poOY

आईसीसीआर
आवक्ष मूर्तियां /प्रतिमाएं

आईसीसीआर अन्य देशों में भारतीय मिशनों और पोस्टों के माध्यम से औपचारिक स्थापना के लिए भारतीय आइकॉन और राष्ट्रीय नेताओं की आवक्ष मूर्तियां /प्रतिमाएं प्रदान करता है। भारत के राष्ट्रीय नेताओं को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न देशों में प्रतिष्ठित स्थानों पर इन आवक्ष मूर्तियों और प्रतिमाओं को स्थापित किया गया है। भारतीय मिशन और पोस्ट ऐसे स्थानों पर नियमित रूप से औपचारिक समारोह आयोजित करते हैं ताकि स्थानीय दर्शकों को दुनिया में इन आइकॉन और राष्ट्रीय नेताओं के योगदान के बारे में अवगत कराया जा सके। विभिन्न राष्ट्रों के लिए वित्त वर्ष 2020-21 में स्वीकृत ऐसी आवक्ष मूर्तियों और प्रतिमाओं का विवरण नीचे दिया गया है। हालांकि, चल रही महामारी के कारण प्रतिबंधों के चलते इन आवक्ष मूर्तियों/ प्रतिमाओं को स्थापित नहीं किया जा सका है।

1.	सिडनी, ऑस्ट्रेलिया	महात्मा गांधी की 6.6 ” कांस्य प्रतिमा जून 2020 में सिडनी भेजी गई थी
2.	हो ची मिन्ह शहर (वियतनाम)	42” महात्मा गांधी की आवक्ष मूर्ति जुलाई 2020 में वियतनाम भेजी गई थी
3.	लिस्बन, पुर्तगाल	महात्मा गांधी की 42” आवक्ष मूर्ति अगस्त 2020 में पुर्तगाल भेजी गई थी
4.	पीएमआई, न्यूयॉर्क	महात्मा गांधी की 42” आवक्ष मूर्ति अगस्त 2020 में पीएमआई, न्यूयॉर्क भेजी गई थी
5.	तिब्लिसी, जॉर्जिया	महात्मा गांधी की 6.6 ” कांस्य प्रतिमा दिसंबर 2020 में भेजी गई थी

आईसीसीआर
भारतीय अध्ययन की चेयर्स

शिल्पाकोम विश्वविद्यालय, थाईलैंड में संस्कृत पीठ के नवीनीकरण के लिए समझौता ज्ञापन

विदेशों में भारतीय अध्ययन और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए, आईसीसीआर विदेश में भारतीय मिशन के परामर्श से भारतीय अध्ययन (राजनीति विज्ञान, दर्शन शास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और बौद्ध अध्ययन) और हिंदी, संस्कृत, उर्दू तथा बंगाली (नृत्य और संगीत) चेयर्स की स्थापना दुनिया भर के विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में करता है। इन चेयर्स का उद्देश्य छात्रों को भारत, इसके इतिहास, संस्कृति, राजनीति और अर्थव्यवस्था के बारे में परिचित कराने के अलावा, विदेशों में शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे केंद्र बनाना है जिसके चारों ओर भारतीय अध्ययन और भारतीय भाषाएं विकसित हो सकें। इन चेयर्स पर प्रतिनियुक्त भारतीय संकाय न केवल भारत के विभिन्न पहलुओं पर पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं बल्कि भारत के बारे में जानकारी के प्रसार और भारत से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बेहतर मूल्यांकन में सहायता करने के लिए अन्य शैक्षणिक गतिविधियां (अनुसंधान मार्गदर्शन, सेमिनार, प्रकाशन, सार्वजनिक व्याख्यान) भी करते हैं।

वर्ष के दौरान, आईसीसीआर के पास दुनिया भर में 57 परिचालन चेयर्स थीं और मौजूदा चेयर्स में से 01 समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया गया ताकि अधिक से अधिक शैक्षणिक सहयोग हो सके, 29 मई, 2020 को **संस्कृत चेयर के नवीनीकरण के लिए समझौता ज्ञापन** पर आईसीसीआर की ओर से महामहिम (सुश्री) सुचित्रा दुरई, थाईलैंड में भारत की राजदूत और प्रो. चाईचर्ण थावरवेज, अध्यक्ष, सिलपाकोर्न विश्वविद्यालय, थाईलैंड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। आईसीसीआर वर्तमान में अपने चेयर्स कार्यक्रम की समीक्षा कर रहा है ताकि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और इसके संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके।

ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज (टीएसयूओएस) में इंडोलॉजी चेयर के लिए समझौता ज्ञापन

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और टीएसयूओएस ने अकादमिक आदान-प्रदान और एक इंडोलॉजी चेयर की स्थापना के लिए एक समझौता किया। यह समझौता भारत से स्वयंसेवी प्रोफेसरों को टीएसयूओएस भेजने और इंडोलॉजी में एक संयुक्त पाठ्यक्रम विकसित करने में भी मदद करेगा। डॉ विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर ने इस अवसर पर ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज (टीएसयूओएस) में इंडोलॉजी के छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया।

आईसीसीआर
सम्मेलन और सेमिनार

कोविड-19 महामारी के कारण 2020-21 में कोई बड़ा सम्मेलन आयोजित नहीं किया गया था। तथापि आईसीसीआर ने विभिन्न वर्चुअल कार्यक्रम इस प्रकार आयोजित किए:

70वें स्थापना दिवस पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता

अपने 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर, आईसीसीआर ने अप्रैल 2020 में दो श्रेणियों में एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया: ए) भारत में आईसीसीआर छात्रों और विदेशों में आईसीसीआर के पूर्व छात्रों के लिए विषय था: *भारत में अध्ययन- मेरा व्यक्तित्व विकास, मेरा अनुभव*; और बी) भारतीय प्रवासियों (एनआरआई और पीआईओ दोनों) के लिए निबंध के विषय थे: *सांस्कृतिक छाप; पूर्वव्यापी और संभावनाएं*। प्रविष्टियों का अनुरोध ऑनलाइन किया गया था और इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। पहले तीन विजेताओं को दोनों श्रेणियों में नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया और शीर्ष प्रविष्टियों को एक ई-बुक में संकलित किया गया जो आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

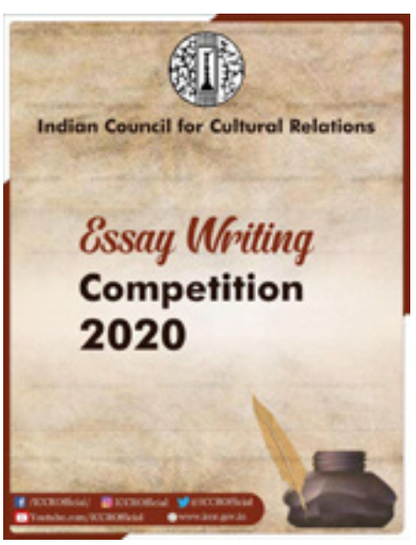

कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि यदि मैं उस महीने भारत में नहीं रहता तो मैं क्वारंटाइन का सामना कैसे करता... शायद मुझे इस रोजमर्रा की अनिश्चितता के अनुकूल होने में थोड़ा अधिक समय लगता।

-सुश्री शीला स्टेफ़नी जौरेज़ कैस्टिलो, पेरू

एक बात जो भारतीय संस्कृति ने मुझे सिखाई है, वह है इतनी सारी सांस्कृतिक विविधता होने के बावजूद करुणा और एकता। भारतीयों में है "अनेकता में एकता"...

जौरेज़ कस्टिलो अरिस्टेनियो कलुआम्बा, मोज़ाम्बिक

आराम और सुविधा हर जगह हो सकती है लेकिन भलाई भारत में है।

बैगाली त्सेडेनबल, मंगोलिया

एक असाधारण विशेषता जो हमारे सांस्कृतिक ताने-बाने में पिरोती है, वह है समावेशिता और सामाजिक प्राणी के रूप में एक दूसरे सेजुड़ने की सहज इच्छा।

यह कहना एक कमबयानी होगी कि भारत की सांस्कृतिक छाप पूर्वव्यापी और संभावना दोनों में प्रशंसनीय और आशाजनक है। मैंने दुनिया के हर हिस्से पर एक भारतीय प्रभाव पाया है, जहां मैं रहता हूं और जाता हूं ...

ईश्वर पुरुषोत्तम, फ्रांस

भारतीय संस्कृति की समग्र छाप का सिंहावनोकन इस जबरदस्त प्रभाव के एक परिभाषित युग को उजागर करने के लिए नेतृत्व करता है।

मालविका पदिनहारयिल, मेक्सिको

सौम्य रंजन बेहरा, पेरू

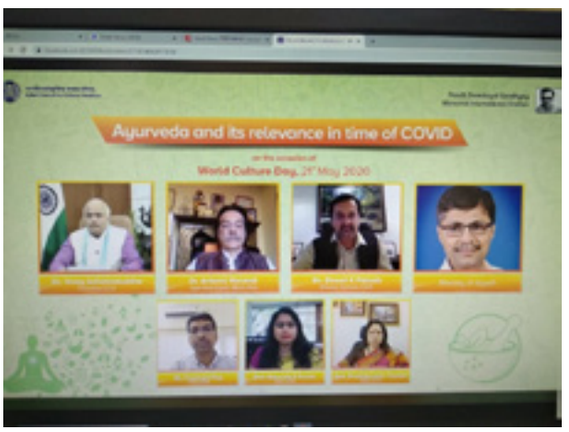

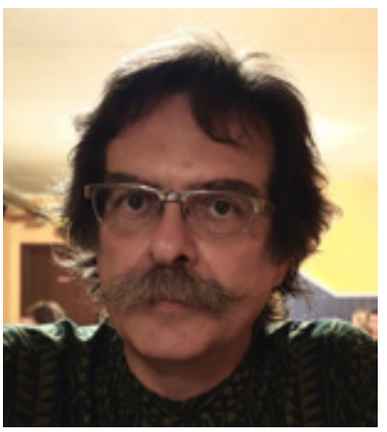

पं. दीन दयाल उपाध्याय मेमोरियल इंटरनेशनल ओरेशन 2020

आईसीसीआर 2018 से हर साल 21 मई को विश्व संस्कृति दिवस के अवसर पर एक वार्षिक व्याख्यान *श्रृंखला "पं दीन दयाल उपाध्याय मेमोरियल इंटरनेशनल ओरेशन"* का आयोजन करता है। यह व्याख्यान भारत की सॉफ्ट पावर ताकत और सांस्कृतिक कूटनीति के लिए इसके अनुप्रयोगों पर आयोजित किया जाता है। आईसीसीआर द्वारा तृतीय पंडित दीन दयाल उपाध्याय व्याख्यान मई 2020 में वर्चुअली आयोजित किया गया था और इसे *"आयुर्वेद और इसकी आज प्रासंगिकता"* विषय पर इटली के एक प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ एंटोनियो मोरांडी द्वारा पेश किया गया था।

"इंडोलॉजी में मुद्दे और परिप्रेक्ष्य" पर 3-दिवसीय इंडोलॉजी वेबिनार

आईसीसीआर द्वारा भारतीय समाज, इसकी परंपराओं, विरासत और सभ्यतागत मूल्यों के अध्ययन में भारतीय ग्रंथों के आधार पर ऐतिहासिक और तुलनात्मक पद्धति के अध्ययन के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियों पर चर्चा करने और समझने के लिए एक सामान्य मंच के निर्माण के माध्यम से अकादमिक संचार और वैचारिक निर्माण का एक नेटवर्क विकसित करने के प्रयोजन से 19-21 नवंबर, 2020 तक भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के सहयोग से *"इंडोलॉजी में मुद्दे और परिप्रेक्ष्य"* शीर्षक से एक 3-दिवसीय इंडोलॉजी वेबिनार का आयोजन किया गया था। । इस वेबिनार ने स्रोत सामग्री, ज्ञान प्रणालियों और अनुवाद और व्याख्या के तरीकों की पहचान और उपयोग सहित वांछित ग्रंथसूची पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय समाज की जटिलताओं को समझने में शामिल कुछ पद्धतिगत, पाठ्य, ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प, समाजशास्त्रीय और पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित किया। इस वेबिनार के उद्देश्य हैं (ए) समकालीन परिप्रेक्ष्य में इंडोलॉजिकल रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करना (बी) इंडोलॉजी में कुछ प्रमुख वाद-विवादों को आगे बढ़ाना, और (सी) इंडोलॉजी की अंतःविषय क्षमता पर जोर देना।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- लोकमान्य तिलक "स्वराज से आत्मनिर्भर भारत"

1 अगस्त, 2020 को लोकमान्य तिलक की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर, *"लोकमान्य तिलक - स्वराज से आत्मनिर्भर भारत"* पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने वेबिनार का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया। जबकि प्रख्यात अर्थशास्त्री, पत्रकार और लेखक एस गुरुमूर्ति ने समापन भाषण दिया। आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने वेबिनार की अध्यक्षता की। डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी, पुणे ने आईसीएसएसआर और आईजीएनसीए के साथ वेबिनार के आयोजन में आईसीसीआर के साथ भागीदारी की।

> माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने लोकमान्य तिलक जी को उनकी 100वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए देश के युवाओं से अपील की कि यदि कोई भारत और भारत के स्वतंत्रता संग्राम और भारत दुनिया में अपनी जगह कैसे मजबूत कर सकता है, को समझना चाहता हो। यदि वे यह समझना चाहते हैं कि हमारे गौरवशाली इतिहास के साथ-साथ भविष्य को कैसे संवारना है, तो तिलक जी महाराज के इतिहास और भाषणों को पढ़ना अनिवार्य है।

https://twitter.com/vinay1011/status/1289501689985130496/photo/1

"विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में प्रवासी भारतीयों की भूमिका" पर 16वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन

आईसीसीआर ने 9 दिसंबर, 2020 को 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के रन-अप में; डायस्पोरा रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर (अंतर राष्ट्रीय सहयोग परिषद) के सहयोग से **"विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रचार में प्रवासी भारतीयों की भूमिका"** विषय पर हाइब्रिड मोड में प्री-पीबीडी सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन दो क्षेत्रों अर्थात् पूर्वी क्षेत्र (अफ्रीका, दक्षिण, दक्षिण पूर्व एशिया और सुदूर पूर्व) और पश्चिमी क्षेत्र (यूरोप, अमेरिका और कैरिबियन) में आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों के बीच सांस्कृतिक प्रसार के लिए सांस्कृतिक बंधन और एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। माननीय विदेश राज्य मंत्री, श्री वी. मुरलीधरन सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे, जबकि डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, आईसीसीआर ने स्वागत भाषण दिया। श्री अविनाश तिलक, माननीय कला और सांस्कृतिक विरासत मंत्री, मॉरीशस, सत्र 1 पूर्वी क्षेत्र के लिए विशिष्ट अतिथि थे।

डॉ विंध्य वादिनी पर्सौद, माननीय सांसद और मानव सेवा और सामाजिक सुरक्षा मंत्री, गुयाना सहकारी गणराज्य की सरकार, पश्चिमी क्षेत्र के लिए सत्र II के लिए विशिष्ट अतिथि थे। इस वर्चुअल सम्मेलन में भारत के वक्ताओं के साथ-साथ दुनिया भर के 15 से अधिक देशों के प्रख्यात वक्ताओं ने भाग लिया।

अन्य सम्मेलन और सेमिनार

आईसीसीआर ने *"नमस्ते 2020-भारतीय सॉफ्ट पावर वैश्विक उत्सव"* के लिए भारत फाउंडेशन के सेंटर ऑफ सॉफ्ट पावर (सीएसपी) के साथ और15 अगस्त से 06 सितंबर, 2020 तक दुनिया भर में आयुर्वेद दिवस मनाने के लिए इंडिया फाउंडेशन के सेंटर फॉर पब्लिक डिप्लोमेसी एंड सॉफ्ट पावर के साथ सहयोग किया।

आईसीसीआर ने 12 और 13 दिसंबर, 2020 को एप्लाइड थिएटर इंडिया फाउंडेशन (एटीआईएफ), पुणे द्वारा आयोजित *"भारतीय समाज में एप्लाइड थिएटर की भूमिका"* पर दो दिवसीय वेबिनार में सहयोग किया।

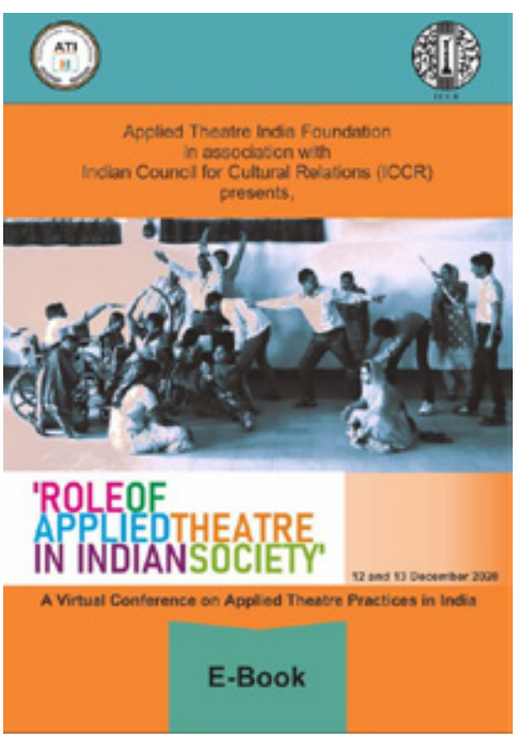

राष्ट्रीय युवा दिवस - कुवैत का दूतावास के अवसर पर स्वामी विवेकानंद के संबोधन पर अध्यक्ष, आईसीसीआर का उद्घाटन भाषण

भारतीय दूतावास ने हाल ही में कुवैत में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मंच आईसीएन (भारतीय सांस्कृतिक नेटवर्क) लॉन्च किया था। इस मंच के अंतर्गत, दूतावास ने एक "वार्षिक स्वामी विवेकानंद व्याख्यान" शुरू किया, जिसका उद्घाटन 12 जनवरी, 2021 को एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से किया गया था। अध्यक्ष, आईसीसीआर ने *"स्वामी विवेकानंद - आधुनिक दुनिया में भारतीयता का एक अवतार"* विषय पर पहला वार्षिक स्वामी विवेकानंद भाषण दिया।

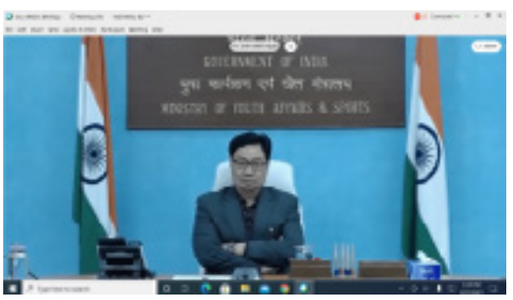

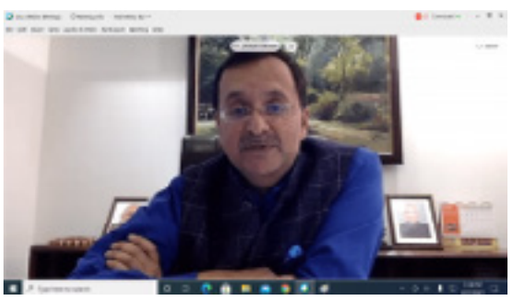

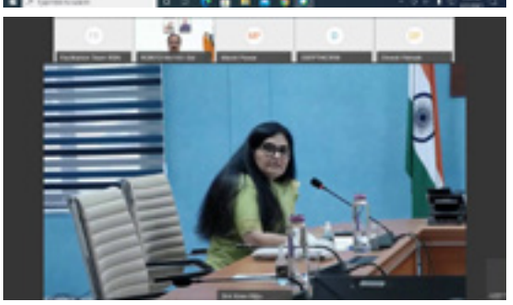

"बौद्ध दर्शन और युवाओं में मूल्यों के समावेश में इसकी भूमिका" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

"बौद्ध दर्शन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और युवाओं के बीच मूल्यों के समावेश में इसकी भूमिका" का आयोजन 17-19 फरवरी, 2021 तक आईसासाआर और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) द्वारा संयुक्त रूप से *"बोधगया पर विशेष फोकस के साथ बौद्ध संस्कृति और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत का पुनरुद्धार"* परियोजना के तहत किया गया था। इस सम्मेलन में बौद्ध दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समापन समारोह

गांधी @150 के लिए दो साल तक चलने वाले ग्रैंड फिनाले का समापन इस साल हुआ। आईसीसीआर ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के समारोहों की ग्रैंड फिनाले गतिविधियों को मनाने के लिए विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ समन्वय किया। आईसीसीआर ने गांधीवादी विद्वानों को गांधी पर वर्चुअल व्याख्यान आयोजित करने के लिए सुविधा प्रदान की और गांधी दर्शन गांधी स्मृति (जीडीजीएस), नई दिल्ली से गांधी पर लघु वृत्तचित्र और फिल्में हासिल की गई।

विदेशों में हमारे मिशनों और सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों की एक झलक:

अप्रैल 2020 से दिसंबर 2020 तक "सेंटर फॉर रोमा स्टडीज एंड कल्चरल सेंटर" सीआरएससीआर, आईसीसीआर और एआरएसपी द्वारा स्थापित एक रोमा सेंटर है

आईसीसीआर ने नई दिल्ली स्थित गैर सरकारी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (एआरएसपी) के साथ 24 जुलाई, 2019 को रोमा समुदाय और इसकी सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और भाषाई स्थितियों के महत्व को समझने और रोमा लोगों की जड़ों तथा उत्पत्ति की खोज करने के लिए *"सेंटर फॉर रोमा स्टडीज एंड कल्चरल रिलेशंस"* (सीआरएससीआर) की स्थापना करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

वर्ष 2020-21 में इस परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गईं:

1. सीआरएससीआर (एआरएसपी) ने 26 मई, 2020 को रोमा समुदाय के रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ भारतीय संबंधों की खोज के लिए एक वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय रोमा सम्मेलन का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन महानिदेशक, आईसीसीआर द्वारा किया गया।

2. सीआरएससीआर ने कोविड-19 पर 20 जून, 2020 को एक वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय रोमा सम्मेलन: रोमा समुदाय पर इसका प्रभाव की मेजबानी की। सम्मेलन का उद्घाटन अध्यक्ष, आईसीसीआर ने किया।

3. सीआरएससीआर ने 5 अगस्त, 2020 को 20वीं और 21वीं सदी में मुख्यधारा समाज के साथ रोमा समुदाय के इंटरफेस पर एक वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय रोमा सम्मेलन का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन डॉ. ज्ञानेश्वर मनोहर मुले, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने किया।

4. इस केंद्र ने 10-11 दिसंबर, 2020 को 2 दिवसीय वर्चुअल इंडो-रोमा कला और संस्कृति महोत्सव की मेजबानी की, ताकि रोमानी सांस्कृतिक और कलात्मक प्रथाओं का मिश्रण प्रदर्शित किया जा सके और भारतीय संगीत और नृत्य के साथ उनके संबंध का पता लगाया जा सके। महोत्सव का उद्घाटन महानिदेशक, आईसीसीआर ने किया।

5. सीआरएससीआर ने पाक्षिक रोमा न्यूज़लैटर निकालने की पहल की है और पहला अंक 5 सितंबर, 2020 को सामने आया।

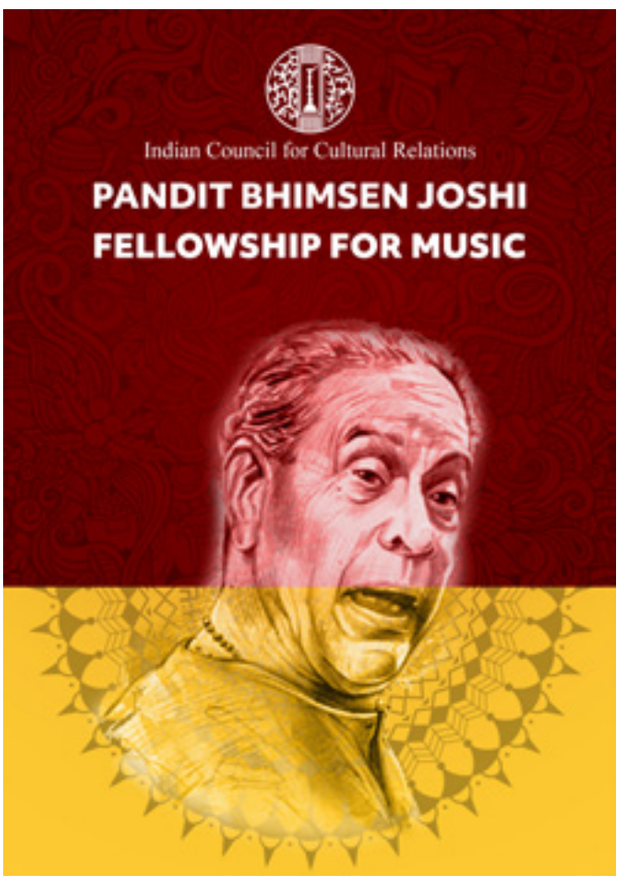

फेलोशिप

आईसीसीआर, संस्कृति और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में भारतीय अध्ययन में विशेषज्ञता रखने वाले अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों को जूनियर और सीनियर रिसर्च फेलोशिप प्रदान करता है। कोविड महामारी के दृष्टिगत अप्रत्याशित स्थिति और यात्रा प्रतिबंधों के कारण, अनुमोदन के बाद भी किसी भी विदेशी छात्र द्वारा फेलोशिप का लाभ नहीं उठाया जा सका।

हालांकि, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने महान भारतीय संगीतकारों स्वर्गीय पंडित भीम सेन जोशी और स्वर्गीय उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान की याद में संगीत के क्षेत्र में दो नई फैलोशिप की घोषणा की। ये फेलोशिप भारतीय संगीत के क्षेत्र में शोध करने के लिए विदेशी संगीतकारों/कलाकारों/विद्वानों के लिए उपलब्ध होगी अर्थात्:

ए) पंडित भीमसेन जोशी फैलोशिप

बी) उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान फैलोशिप

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत, चयनित फेलो को भारत में एक शैक्षणिक/सांस्कृतिक संस्थान से संबद्ध किया जाएगा। संगीत के क्षेत्र में सिद्ध ज्ञान रखने वाले कम से कम 10 वर्ष के व्यावहारिक/शोध अनुभव के साथ प्रख्यात संगीतकारों/कलाकारों/विद्वानों के लिए 3 महीने से लेकर अधिकतम 12 महीने तक की अवधि के लिए फैलोशिप है और आवेदन की तिथि से आयु 35 वर्ष से ऊपर होनी चाहिए।

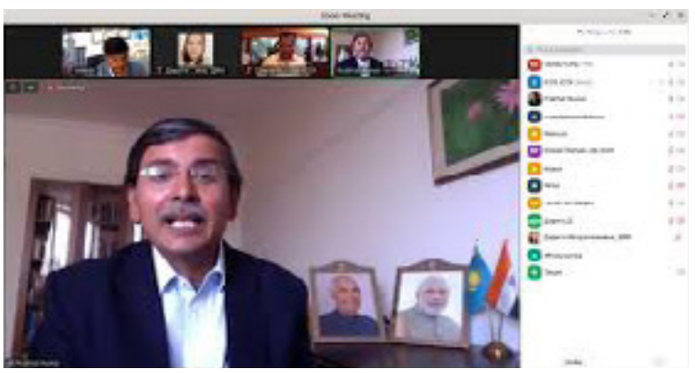

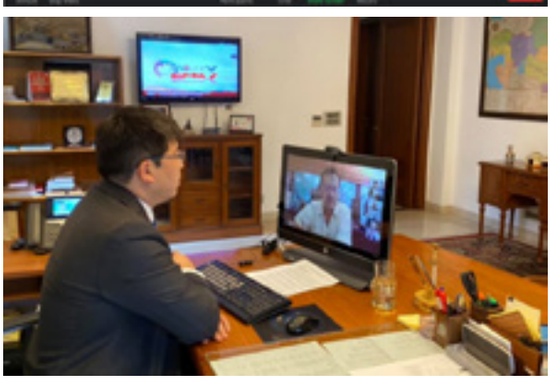

पुस्तकालय और प्रकाशन

आईसीसीआर पुस्तकालय में चार प्रमुख संग्रह हैं, अर्थात् गोशा ए आजाद, अफ्रीकी संग्रह, एवीआर संग्रह, आईसीसीआर प्रकाशन। इस परिषद के पुस्तकालय में 197 पांडुलिपियां हैं जो आईसीसीआर के संस्थापक अध्यक्ष मौलाना आजाद द्वारा दान की गई थीं। इन पांडुलिपियों को राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के माध्यम से पुनःस्थापित और पूरी तरह से डिजीटल किया गया था। इन्हें अब आईसीसीआर (गोश-ए-आजाद) की आधिकारिक वेबसाइट पर अपडेट किया गया है। एवीआर संग्रह पहले से ही आधिकारिक वेबसाइट (आईसीसीआर ऑडियो विजुअल आर्काइव्स) पर डिजिटल रूप में अपडेट है। गोश ए आजाद, आईसीसीआर प्रकाशन, आईसीसीआर जर्नल्स और गगनांचल के संग्रह के अंतर्गत अन्य पुस्तकों का डिजिटलीकरण प्रक्रियाधीन है।

आईसीसीआर के प्रकाशन विभाग ने कजाकिस्तान के दार्शनिक लेखक - अबाई कुनानबायेव के महाकाव्य "बुद्धि की पुस्तक" के हिंदी में अनुवाद का कार्य किया। इस पुस्तक का विमोचन महान दार्शनिक की 175वीं जयंती के अवसर पर 10 अगस्त को एक वेबिनार के माध्यम से किया गया, जिसकी अध्यक्षता महानिदेशक, आईसीसीआर द्वारा की गई, जिसमें कजाखस्तान में महामहिम भारतीय राजदूत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ भारत में उनके समकक्ष शामिल हुए।

आईसीसीआर ने अक्टूबर 2020 के महीने में *"शेर की खाल वाला सामंत शूरवीर"* नाम से हिंदी में जॉर्जियाई महाकाव्य *"नाइट इन द पैंथर्स स्किन"* को हिंदी में प्रकाशित करने के लिए यात्रा बुक्स, नई दिल्ली के साथ सहयोग किया। यह जॉर्जियाई महाकाव्य का भारतीय भाषा में पहला अनुवाद था। इस पुस्तक का विमोचन होटल हयात में 2 मार्च, 2021 को दिल्ली के राजनयिक, कला और संस्कृति मंडली के लोगों की उपस्थिति में किया गया था। द नाइट इन द पैंथर्स स्किन एक युवा हिंदुस्तानी राजकुमार, तारिएल की कहानी है, जो अरब के रास्ते, अपने प्रिय की तलाश में जॉर्जिया की यात्रा करता है।

इस पुस्तक का हिंदी में अनुवाद प्रसिद्ध उर्दू कवि और अनुवादक डॉ भूपिंदर अजीज परिहार ने किया है। इस संस्करण के लिए विशेष रूप से 12 लघु चित्रों की एक श्रृंखला बनाई गई थी, जिसमें मुंबई के कलाकार ओंकार फोंडेकर द्वारा इस क्लासिक के दृश्यों को दर्शाया गया था। जॉर्जिया के विदेश मामलों के उप मंत्री, श्री अलेक्जेंडर ख्वत्तिसियाशविली, जो इस अवसर के लिए विशेष रूप से यहां आए थे, ने भारत और जॉर्जिया के बीच साझा मैत्रीपूर्ण संबंधों पर बात की। डॉ शशि थरूर, संसद सदस्य और सूचना प्रौद्योगिकी पर स्थायी समिति के अध्यक्ष, जो विमोचन के लिए उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में से थे, ने अपने संबोधन में कहा; 'यह महाकाव्य राष्ट्रों से परे साहित्य का उत्सव है।

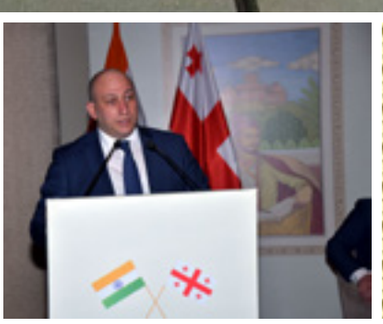

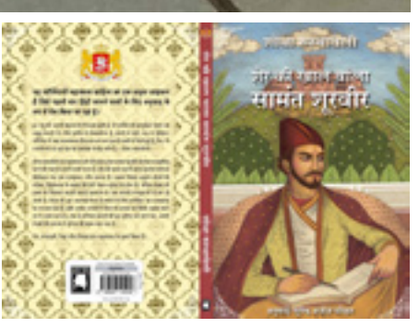

आईसीसीआर
शैक्षणिक और बौद्धिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की छात्रवृत्ति और कल्याण

विदेशी नागरिकों को चिकित्सा, प्रदर्शन कला और संस्कृति की प्राचीन भारतीय प्रणालियों के अध्ययन और सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति एक महान पहल है। ये दुनिया भर में पहुंच बनाने, देश के बारे में सद्भाव की भावना पैदा करने और भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ावा देने का एक तरीका भी हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, आईसीसीआर ने भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में यूजी/पीजी/ पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रम करने के लिए विदेशी नागरिकों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत प्रदर्शन कला, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 23 छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 3,787 छात्रवृत्ति स्लॉट्स की पेशकश की है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, आईसीसीआर ने भारत में अध्ययन करने के इच्छुक नए भर्ती हुए विदेशी छात्रों को 2,418 छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं। कोविड-19 महामारी के कारण, कई छात्र अपने-अपने देशों से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हुए। वे नए प्रवेशित विदेशी छात्र, जो भारत की यात्रा कर सकते थे और परिसर में कक्षाओं में शामिल हो सकते थे, उनके लिए हैदराबाद, पुणे, कोलकाता, बेंगलुरु, गोवा, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, हैदराबाद और गुवाहाटी जैसे क्षेत्रीय केंद्रों पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। आईसीसीआर ने विदेशी छात्रों के लिए 23 छात्रवृत्ति कार्यक्रम प्रशासित किए, जिनमें से 14 विदेश मंत्रालय की ओर से और 03 आयुष मंत्रालय के लिए तथा 06 आईसीसीआर के स्वयं के छात्रवृत्ति कार्यक्रम थे।

कोविड महामारी छात्रों और आईसीसीआर के क्षेत्रीय कार्यालयों दोनों के लिए एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि कई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को अपने परिसरों और छात्रावासों को बंद करना पड़ा था। आईसीसीआर ने ऑनलाइन कक्षाओं, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल, और जहां भी संभव हो सका, परिसर में रहने की सुविधा में पूर्ण सहायता प्रदान करके छात्रों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की। अपने देश वापस जाने के इच्छुक छात्रों को सहायता प्रदान की गई और अप्रैल-मई, 2020 के दौरान लगभग 503 छात्रों को निकाला गया।

आईसीसीआर द्वारा छात्रों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते

हुए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को कारगर बनाने के लिए कई नई पहलों को लागू किया गया। शिक्षा के गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए, आईसीसीआर संस्थानों के पैनल मानदंड को ऊपर की ओर संशोधित किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों को आईसीसीआर सूची में शामिल किया गया है जहां विदेशी छात्र भारत में अध्ययन के लिए आवेदन कर सकते हैं। विदेशी छात्र अब सीधे अपनी पसंद के विश्वविद्यालय में आवेदन कर सकते हैं और विदेशी आवेदकों के लिए विश्वविद्यालय के विकल्प बढ़ गए हैं। आईसीसीआर के A2A पोर्टल को नया रूप दिया गया है और इसे अधिक प्रयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है। सभी विश्वविद्यालयों में आईसीसीआर छात्रों के लिए एकल-खिड़की सुविधा केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय छात्र कार्यालय होना अनिवार्य था। चिकित्सा बीमा पॉलिसी को संशोधित किया गया है ताकि छात्रों को अपनी पसंद के चिकित्सा बीमा के लिए जाने की सुविधा हो और छात्रवृत्ति बकाया राशि को सीधे छात्रों के खातों में स्थानांतरित करने के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से संवितरण शुरू किया गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छात्रवृत्ति वजीफा और सभी आईसीसीआर विदेशी छात्रों को हाउस रेंट अलाउंस आईसीसीआर मुख्यालय से केंद्रीय रूप से स्थानांतरित किया जाता है। छात्रों के कुशल संचालन के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के विलय के भाग के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक नई दिल्ली कार्यालय स्थापित किया गया था। इससे पहले, दिल्ली क्षेत्र में छात्रों को आईसीसीआर मुख्यालय से संभाला जाता था। नई दिल्ली कार्यालय अब दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के छात्रों को देखता है।

वर्ष के दौरान किए गए अन्य सुधार इस प्रकार थे: छात्रवृत्ति स्लॉट (हर साल लगभग 50 प्रतिशत) के कम उपयोग को देखते हुए, अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना में अप्रयुक्त स्लॉट का पुनर्विनियोजन किया गया था। उपलब्ध स्लॉट के इष्टतम उपयोग के लिए अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं में भी इसी तरह का पुनर्विनियोजन किया गया था। सामान्य छात्रवृत्ति योजना के तहत 61 देशों की मौजूदा सीमा से 580 वार्षिक स्लॉट सभी देशों के लिए खोल दिए गए हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों को विदेशी छात्रों से वर्चुअल या व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए विश्वविद्यालयों का नियमित दौरा करने का निर्देश दिया गया था।

विदेशी छात्रों के लिए आईसीसीआर कल्याण गतिविधियों को आईसीसीआर मुख्यालय, इसके क्षेत्रीय कार्यालयों और विश्वविद्यालयों के बीच सक्रिय सहयोग और सहयोग से बढ़ाया गया। आईसीसीआर को एक ऑनलाइन केंद्रीय डेटा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए तैयार किया गया था जिसमें छात्रवार, देशवार, विश्वविद्यालयवार जानकारी शामिल हो, जो वास्तविक समय के आधार पर मुख्यालय के लिए एक्सेस योग्य हो। विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार के साथ घनिष्ठ समन्वय में कक्षाओं और छात्रावासों में छात्रों की उपस्थिति की निगरानी का सख्त प्रबंधन किया गया। पूर्व छात्रों के डेटाबेस को कई स्रोतों के माध्यम से कैप्चर किया गया था और विदेशों में कई भारतीय मिशनों ने भारतीय संस्थानों के पूर्व छात्र संघों (एएआईआई) का गठन किया था। मार्च 2021 में उज़्बेकिस्तान में पहली बार भारत-उज़्बेकिस्तान पूर्व छात्र संघ का शुभारंभ किया गया था। मिशनों द्वारा नियमित आधार पर पूर्व छात्रों के साथ नियमित रूप से जुड़ने के लिए एक सक्रिय रणनीति पर काम किया गया था।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली छात्रवृत्तियों का विवरण अनुलग्नक 3ए, 3बी, 3सी, 3डी, 3ई में उपलब्ध है।

हिन्दी संवर्धन

हिंदी अनुभाग द्वारा वर्ष 2020- 21 में निम्नलिखित गतिविधियां की गई है :

गगनांचल

परिषद द्वारा हिंदी द्विमासिक पत्रिका ‘‘गगनांचल’’ का प्रकाशन किया गया । अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 तक गगनांचल वर्ष 5-6, (सितंबर- दिसंबर), 2019 (संयुक्तांक), वर्ष 43 अंक 1-2 (जनवरी-अप्रैल) 2020, अंक 3-4 (मई-अगस्त)2020 तथा अंक 5-6 (सितम्बर-दिसम्बर) 2020 का प्रकाशन किया गया ।

हिंदी कार्यशाला

सितंबर 14, 2020 को “Text to Speech और कंठस्थ का व्यावहारिक प्रशिक्षण’’ तथा फरवरी 23, 2021 को “हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट कैसै भरें’’ विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

हिंदी पखवाड़ा

सितंबर 14-28, 2020 को हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं: (सामान्य हिंदी, निबंध व श्रुतलेख) का आयोजन किया गया। सितंबर 28, 2020 को हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि व सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

अटल स्मृति काव्योत्सव

दिनांक दिसंबर 24, 2020 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी बाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्वसंध्या पर परिषद द्वारा "अटल स्मृति काव्योत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद द्वारा इस काव्योत्सव का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश कुमार पटनायक, महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद तथा गेस्ट ऑफ ऑनर, श्री हरेंद्र प्रताप, कवि और वरिष्ठ पत्रकार थे तथा कवियों द्वारा काव्यपाठ किया गया। अटल काव्योत्सव कार्यक्रम के दौरान परिषद द्वारा प्रकाशित हिंदी द्विमासिक पत्रिका गगनांचल वर्ष 43 अंक 1-2 (जनवरी- अप्रैल) तथा अंक 3-4 (मई-अगस्त) 2020 (संयुक्तांक) का लोकार्पण किया गया।

विश्व हिंदी दिवस

परिषद द्वारा वर्चुअल मॉड के माध्यम से दिनांक जनवरी 11, 2021 को परिषद के सम्मेलन कक्ष में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में "हिंदी का वैश्विक प्रसार : नयी चुनौतियां, नए उपाय'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद द्वारा इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश कुमार पटनायक, महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

परिषद द्वारा दिनांक मार्च 08, 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों पर "सशक्त विश्व, सशक्त भारत और सशक्त स्त्री" विषय पर "परिसंवाद" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशो से महिला वक्ताओं ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये।

आईसीसीआर पुरस्कार

आईसीसीआर ने कोरिया गणराज्य के प्रो. लिम ग्यून डोंग और प्रो. ली के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए वर्चुअल पुरस्कार समारोह का आयोजन किया।

आईसीसीआर द्वारा 2019 के लिए प्रो. डोंग को *विश्व संस्कृत पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी शिक्षाओं, अध्ययन और शोध के माध्यम से संस्कृत भाषा और साहित्य में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आईसीसीआर द्वारा प्रो. ली को *प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट अवार्ड 2019* से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी शिक्षाओं, अध्ययन और अनुसंधान के माध्यम से भारत के दर्शन, इतिहास और संस्कृति में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

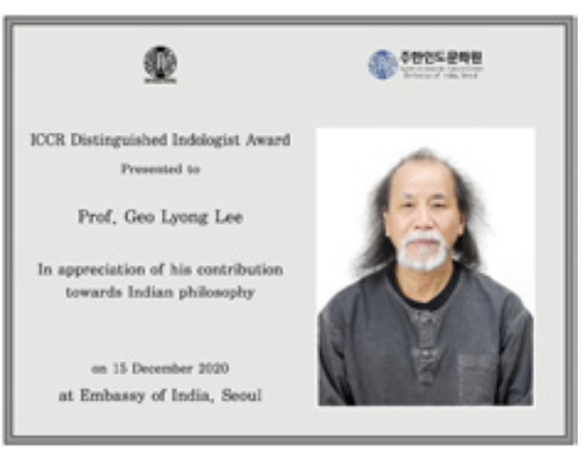

मीडिया इंटरेक्शन / प्रेस कॉन्फ्रेंस

इस परिषद ने 18 नवंबर, 2020 को विदेशी संवाददाता क्लब (एफसीसी), नई दिल्ली में भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर पर एक मीडिया इंटरेक्शन का आयोजन किया। डॉ विनय सहस्रबुद्धे, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) और अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने पिछले तीन वर्षों के दौरान आईसीसीआर द्वारा की गई प्रगति और आगे के अभिनव पथ के बारे में मीडियाकर्मियों को संबोधित किया।

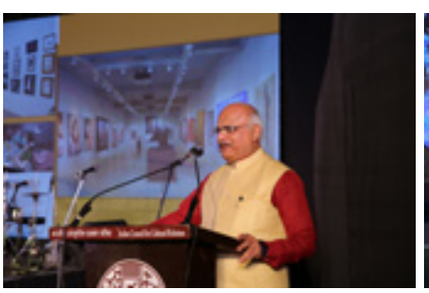
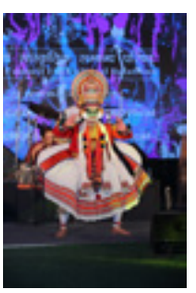
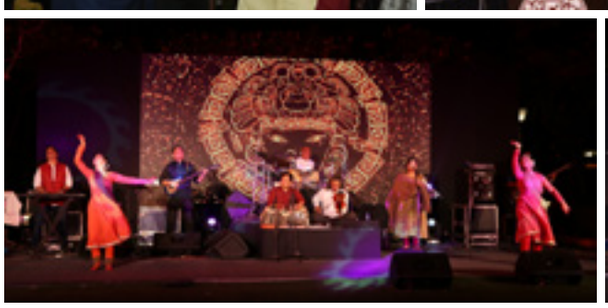
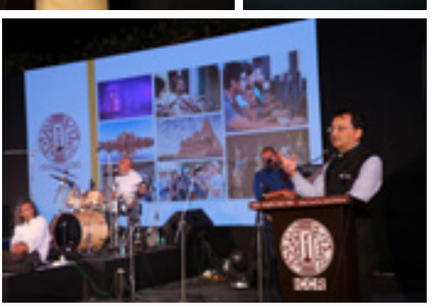

इस परिषद ने 11 दिसंबर, 2020 को सी.बी. मुथम्मा हॉल, जेएनबी में विदेश मंत्रालय के सभी प्रभागों के प्रमुखों के साथ एक बैठक भी आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) और अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने की। विदेश सचिव द्वारा संबोधित और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

12 मार्च, 2021 को आईसीसीआर द्वारा की जा रही गतिविधियों से मीडियाकर्मियों को अवगत कराने के लिए मीडिया इंटरेक्शन का आयोजन रानी बाग (ओपन एयर), होटल ताज पैलेस, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, नई दिल्ली में किया गया और अध्यक्ष, आईसीसीआर और महानिदेशक, आईसीसीआर द्वारा संबोधित किया गया। इस अवसर पर "मृग्य बैंड" और स्वाति सिन्हा और समूह (कथक, भरतनाट्यम और कथकली) द्वारा शास्त्रीय / लोक नृत्य प्रदर्शन के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम "फ्यूजन बैंड" का आयोजन किया गया।

आईसीसीआर

ई-लर्निंग पोर्टल "UTIKS" समझौता ज्ञापन पर आईसीसीआर और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के बीच हस्ताक्षर

आईसीसीआर द्वारा एक मेगा प्रोजेक्ट जिसमें दुनिया भर में भारत के पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति के आधार पर भारतीय कला, संस्कृति और विरासत के बारे में जानने और जानने की इच्छा रखने वाले सभी लोगों को ज्ञान कैप्सूल प्रदान करने के लिए एक समर्पित वेब पोर्टल का निर्माण शामिल है, शुरू किया गया है। 18 फरवरी, 2021 को इस वेब पोर्टल के लिए सामग्री के विकास के लिए संयुक्त सहयोग के लिए माननीय अध्यक्ष, आईसीसीआर, डॉ विनय सहस्रबुद्धे और डॉ एनआर कर्मलकर, कुलपति, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के बीच ई-लर्निंग पोर्टल "UTIKS" समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आईसीसीआर
विदेश में भारतीय मिशनों की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियां

पूरी दुनिया में भारत के लगभग 89 दूतावास और 108 वाणिज्य दूतावास हैं। दूतावास/मिशन भारत और मेजबान राष्ट्र के बीच सद्भावना और राजनयिक संबंधों की दिशा में काम करते हैं। वे अपने नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए भी जिम्मेदार हैं। इस प्रकार वे न केवल दो राज्यों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को संरक्षित करते हैं बल्कि उनके बीच वैज्ञानिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी बढ़ावा देते हैं।

भारतीय दूतावास और मिशन भारत की सकारात्मक छवि बनाने और इसकी संस्कृति का प्रचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत सरकार की कई सांस्कृतिक/बौद्धिक और कल्याणकारी नीतियों को उनके द्वारा दुनिया भर में सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

हमारे मिशन सभी राष्ट्रीय त्योहारों जैसे गणतंत्र दिवस/स्वतंत्रता दिवस/गांधी जयंती और महत्वपूर्ण दिनों जैसे संविधान दिवस, विश्व हिंदी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि को बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाते हैं। अपनी समृद्ध संस्कृति और विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भारतीय त्योहारों को स्थानीय लोगों के साथ-साथ उस देश में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ भी मनाया जाता है, अर्थात् दिवाली, ओणम, होली, गुरु नानक जयंती आदि।

उपरोक्त के अलावा अनेक बौद्धिक गतिविधियों, सेमिनारों, चर्चाओं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, हिंदी, संस्कृत और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक चेयर्स पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई। योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय नृत्य, भारतीय संगीत आदि को बढ़ावा देना इन मिशनों की सांस्कृतिक पहल का हिस्सा है।

आईसीसीआर के विदेशों में केवल 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्र हैं, हालांकि जिन स्थानों पर सांस्कृतिक केंद्र मौजूद नहीं हैं, वहां की गतिविधियां देश के भारतीय दूतावास/मिशन द्वारा की जाती हैं।

विश्व महामारी और अधिकांश देशों में प्रतिबंधों के बीच, इस वर्ष मिशनों ने मुख्य रूप से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से काम करने पर ध्यान केंद्रित किया, उनमें से कुछ ने इस अवसर को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचने में बदल दिया। भारत सरकार की विभिन्न पहलों जैसे गांधी कथा, भजन संध्या, शाकाहारी भोजन उत्सव, खादी प्रदर्शनियों, पोस्टर बनाने और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं और कई अन्य, जैसी गतिविधियों के माध्यम से 2 साल लंबे कार्यक्रम ***गांधी @150*** का जश्न मनाना। ***गुरु नानक की 550 वीं जयंती***, ***अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "घर घर में योग"*** और वीडियो ब्लॉगिंग ***"माई लाइफ माई योगा"*** जैसी गतिविधियों को हमारे मिशनों द्वारा बहुत सफलतापूर्वक लागू किया गया है। कई मिशनों ने भारत महोत्सव के आयोजन, विभिन्न फिल्म समारोहों में भाग लेने, मेलों, खाद्य उत्सवों, फैशन शो आदि, हमारे देश के एथनिक मोज़ेक के प्रदर्शन के आयोजन में एक अतिरिक्त मील की दूरी तय की।

EMAAR

EMBASSY OF INDIA
ABU DHABI

REPUBLIC DAY
Addis Ababa

हिंदी दिवस

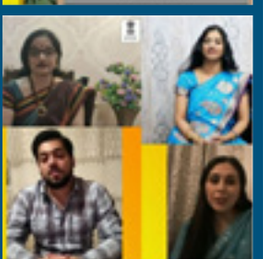

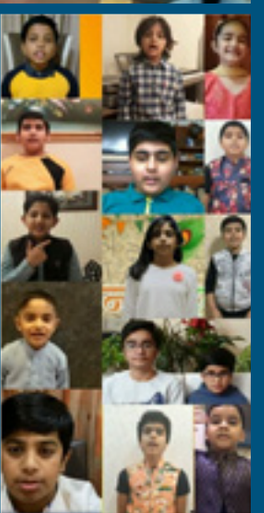

BRUSSELS
YOGA DAY 2020
INTERNATIONAL DAY OF YOGA

Luxembourg recalls Gandhiji's teachings, sacrifices

BANGABANDHU

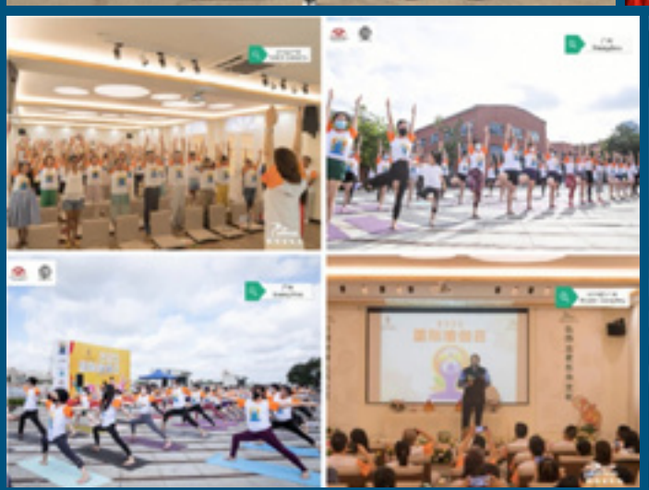

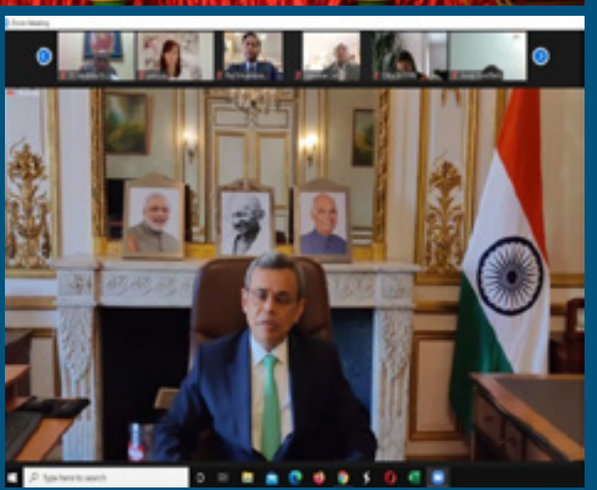

Gandhi Katha & Lectures
Dr Shobhana Radhakrishna
Countries in Asia, America, Europe, Africa, Middle East, Gulf & Oceania Regions

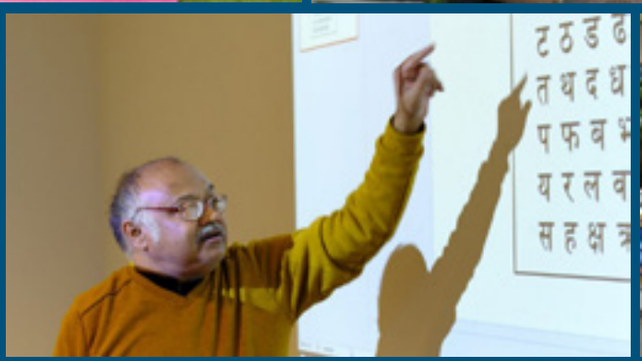
ट ठ ड ढ
त थ द ध
प फ ब भ
य र ल व
स ह क्ष त्र
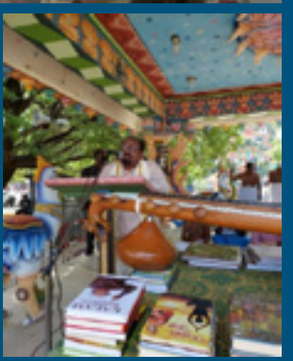

njab

Ranga Rang

150
Embassy

आईसीसीआर संरचना
सिंहावलोकन और संवैधानिक निकाय

सिंहावलोकन

संगठनात्मक स्तर पर आईसीसीआर की अध्यक्षता राष्ट्रपति करते हैं। परिषद का कार्यकारी प्रमुख एक महानिदेशक होता है, जो विदेश मंत्रालय द्वारा प्रतिनियुक्त भारतीय विदेश सेवा से सचिव या अतिरिक्त सचिव स्तर का अधिकारी होता है। महानिदेशक की सहायता उप महानिदेशकों और निदेशकों (भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी), आईसीसीआर कैडर के अधिकारियों और संगठन द्वारा सलाहकार और आउटसोर्स कर्मचारियों के रूप में नियुक्त अधिकारियों द्वारा की जाती है।

आईसीसीआर अपने कार्यों को नई दिल्ली में अपने मुख्यालय से और भारत के विभिन्न राज्यों में अपने 19 क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशों में 37 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से वितरित करता है।

मुख्यालय में, आईसीसीआर के पास विभिन्न कार्यक्रमों और परिषद के समग्र प्रशासन, योजना और वित्तीय प्रबंधन के लिए समर्पित अनुभाग हैं। इन अनुभागों के प्रमुख निदेशक, उप सचिव (वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक) और अवर सचिव (कार्यक्रम निदेशक) स्तर के अधिकारी होते हैं।

इन अनुभागों में शामिल हैं: (i) प्रशासन, स्थापना और क्षेत्रीय कार्यालय, (ii) वित्त और लेखा, (iii) भारतीय सांस्कृतिक केंद्र और योग संवर्धन, (iv) छात्रवृत्तियां (v) चेयर्स, (vi) सम्मेलन और सेमिनार, (vii) हिंदी प्रचार, (viii) बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल (ओसीडी), (ix) आने वाला सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल (आईसीडी), (x) प्रदर्शनी, आवक्ष मूर्तियां और प्रतिमाएं, (xi) आगंतुक कार्यक्रम, (xii) आईसीसीआर पुरस्कार, (xiii) प्रकाशन और पुस्तकालय, (xiv) सामान्य समन्वय, (xv) प्रस्तुति, (xvi) ईजीएवंआईटी।

संवैधानिक निकाय

आईसीसीआर अपने संविधान द्वारा शासित है। परिषद की गतिविधियों की देखरेख इसके तीन वैधानिक निकायों - महासभा, शासी निकाय और वित्त समिति द्वारा की जाती है। ये निकाय समग्र मार्गदर्शन और दिशा प्रदान करते हैं और आईसीसीआर के बजट और वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी देते हैं। ये निकाय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और परिषद के कामकाज की निगरानी के लिए नियमित रूप से मिलते हैं।

सामान्य सभा

महासभा के सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों से मनोनीत किया जाता है जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों/मंत्रालयों, कला, संस्कृति, साहित्य और शिक्षाविदों तथा प्रसिद्ध कलाकारों एवं अन्य के क्षेत्र से प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं।

महासभा के सदस्यों की सूची **अनुलग्नक: 1** में दी गई है

शासी निकाय

संविधान के अनुसार शासी निकाय में महासभा के चयनित सदस्य होते हैं।

शासी निकाय के सदस्यों की सूची **अनुलग्नक: 2** में दी गई है

वित्त समिति

वित्त समिति में निम्नलिखित सदस्य होते हैं:

अध्यक्ष का चुनाव वित्त समिति द्वारा किया जाता है

i. महानिदेशक, आईसीसीआर
ii. वित्तीय सलाहकार, आईसीसीआर/एमईए
iii. भारत सरकार का एक नामांकित व्यक्ति
iv. महासभा के दो प्रतिनिधि, और
v. शासी निकाय का एक प्रतिनिधि।

इन वैधानिक निकायों का कार्यकाल 3 वर्ष है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती

आईसीसीआर के संस्थापक अध्यक्ष मौलाना अबुल कलाम आजाद को हर साल 11 नवंबर को उनकी मजार पर श्रद्धांजलि देकर उनकी जयंती पर याद किया जाता है। इस वर्ष मौलाना आजाद की 132वीं जयंती उनके मजार के साथ-साथ आईसीसीआर मुख्यालय में छोटी सभा के साथ मनाई गई।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की पुण्यतिथि

आईसीसीआर के संस्थापक अध्यक्ष मौलाना आजाद की पुण्यतिथि हर साल 22 फरवरी को मनाई जाती है। इस साल उनकी 63वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें उनकी मजार और आजाद भवन परिसर में श्रद्धांजलि दी गई।

आईसीसीआर में भर्ती

आईसीसीआर ने आईसीसीआर कैडर में पदों को भरने में निरंतरता सुनिश्चित करने और परिषद के काम को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं का चयन करने के लिए अपनी स्वयं की भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इस संबंध में, आईसीसीआर ने विभिन्न स्तरों पर कर्मियों की भर्ती के लिए एक अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करने के लिए एक भर्ती एजेंसी की नियुक्ति की।

आईसीसीआर
वित्त और लेखा

आईसीसीआर ने रु.290.00 करोड़ का सहायता अनुदान प्राप्त किया, जबकि इसके बजट अनुमान की मांग 388.49 करोड़ रुपए थी और संशोधित अनुमान अनुरोध रु.278.28 करोड़ था और रु.255.00 करोड़ का संशोधित अनुमान प्राप्त हुआ था। बजट की कमी के बावजूद आईसीसीआर आवंटित अनुदान के भीतर कई महत्वपूर्ण गतिविधियों को लागू करने में सक्षम रहा है। इसके अलावा, जनबल की कमी, कोरोना वायरस के वर्तमान प्रकोप जैसी बाधाओं का सामना करते हुए, आईसीसीआर अपने अनुदान का पूरी तरह से उपयोग करने में सक्षम रहा। वित्त और लेखा से संबंधित गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

(i) वर्ष 2019-20 के लिए आईसीसीआर का वार्षिक लेखा जुलाई, 2020 तक तैयार किया गया था। यह भारत में 19 क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशों में 37 आईसीसी के साथ कठोर अनुवर्ती कार्रवाई के बाद पूरा किया गया था।

(ii) आईसीसीआर में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के कार्यान्वयन के दृष्टिगत मेकर एवं चेकर बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। आईसीसीआर ने वर्ष 2020-21 के लिए पीएफएमएस प्लेटफॉर्म पर खर्च भरना शुरू कर दिया है। इसके अलावा सभी छात्रवृत्ति भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किए जा रहे हैं।

(iii) इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से सीधे विक्रेता/लाभार्थी के बैंक खाते में सभी भुगतान का अभ्यास किया गया था।

(iv) सभी बिलों की प्रोसेसिंग और पीएफएमएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से भुगतान 01 अप्रैल, 2021 से प्रभावी होगा।

(v) कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास) ने दिनांक 02 मार्च, 2021 के पत्र द्वारा 29 पुराने बकाया पैराओं में से 2 पैरा का निपटारा किया।

(vi) वर्ष 2018-19 के लिए आईसीसीआर का वार्षिक लेखा और वार्षिक रिपोर्ट 11 दिसंबर, 2019 (लोकसभा) और 12 दिसंबर, 2019 (राज्य सभा) को संसद के पटल पर रखा गया।

(vii) आईसीसीआर की 77वीं वित्त समिति की बैठक 21 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई थी, जिसमें आईसीसीआर के वर्ष 2019-20 के वार्षिक खातों को मंजूरी दी गई। वित्त समिति के अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद दिनांक 05 नवंबर, 2020 के आईसीसीआर के पत्र के माध्यम से कार्यवृत्त परिचालित किया गया।

(viii) 120 से अधिक मिशनों/केंद्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए आईसीसीआर की 3 वर्षीय कार्य योजना को आगे की उत्पादक योजना सुनिश्चित करने के लिए तैयार/संकलित किया जा रहा है।

(ix) इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से सीधे विक्रेता/लाभार्थी के बैंक खाते में सभी भुगतान का अभ्यास किया गया था। Repeated

(x) वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए आईसीसीआर के खातों का प्रमाणन का आयोजन लेखा परीक्षा कार्यालय महानिदेशक (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास) द्वारा 28 दिसंबर, 2020 से 15 जनवरी, 2021 तक किया गया था। प्रमाणन लेखा परीक्षा की रिपोर्ट का इंतजार है।

(xi) वित्तीय वर्ष वर्ष 2019-20 के लिए लेनदेन लेखा परीक्षा का आयोजन कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास) द्वारा 18 जनवरी 2021 से 05 फरवरी 2021 तक किया गया था।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान शीर्ष-वार व्यय निम्नानुसार है:

क. सामान्य गतिविधियां - राजस्व लेखा

(आंकड़े लाखों में)

क्र.सं.	उपयुक्त शीर्ष	व्यय (फरवरी 2021 तक)
1	आने वाले और बाहर जाने वाले आगंतुक और प्रतिनिधिमंडल	37.18
2	आईसीसीआर के सांस्कृतिक प्रदर्शन	10.04
3	ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग, डिजिटाइजेशन, वेबसाइट डिजाइनिंग	0.00
4	सेमिनार/संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान/एसआईएस	34.33
5	अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रभाग/पूर्व छात्र पुरस्कार	2379.39
6	प्रदर्शनियां/आवक्ष मूर्ति/अभिविन्यास अनुदान	89.89
7	पुस्तकों और कला वस्तुओं की प्रस्तुति	0.39
8	प्रकाशन	5.59
9	पुस्तकालय	6.86
10	मल्टीमीडिया	78.68
11	हिंदी गतिविधियां	14.10
12	समारोह	0.00
13	फैलोशिप	0.00
14	विविध जमा	0.00
कुल क		**2656.45**

ख. विदेशों में परियोजनाएं

(आंकड़े लाखों में)

क्र.सं.	उपयुक्त शीर्ष	व्यय
1	विदेशों में सांस्कृतिक केंद्र	8203.31
2	भारतीय अध्ययन की चेयर्स/केंद्र	548.95
3	कासा डी ला इंडिया (स्पेन) और बुसान को अनुदान	124.17
4	संसाधन व्यक्तियों की तैनाती	165.04
5.	केंद्रों में शिक्षक (टीआईसी)	1154.68
6.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (2018)	5.34
कुल ख		**10201.49**

ग. नियत शुल्क

(आंकड़े लाखों में)

क्र.सं.	उपयुक्त शीर्ष	व्यय
1	जीए/जीबी और अन्य समितियों की बैठक	2.09
2	केंद्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना (ऋण और अग्रिम)	2274.35
3	कार्यालय व्यय	770.70
कुल ग		**3047.14**

घ. पूंजीगत व्यय

(आंकड़े लाखों में)

क्र.सं.	उपयुक्त शीर्ष	व्यय
1	एयर कंडीशनर/फर्नीचर/फिक्स्चर/वाहन/कंप्यूटर	2.51
2	जिन्ना हाउस का रखरखाव	7.73
कुल घ		**10.24**
कुल योग (क से घ)		**15915.32**

सामान्य गतिविधियों के अलावा, इस परिषद ने विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारों/विभागों/मंत्रालयों की ओर से विभिन्न एजेंसी कार्य भी किए हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

(आंकड़े लाखों में)

क्र.सं.	उपयुक्त शीर्ष	प्राप्ति	व्यय (फरवरी 2021 तक))
अ	**विदेश मंत्रालय छात्रवृत्तियां**	11637.00	11167.27
ब. अन्य सरकारें/विभाग/मंत्रालय			
1	विदेशों मे हिंदी का प्रचार (केंद्रीय हिंदी संस्थान)	---	---
2	आयुष नॉन-बिम्सटेक (स्वास्थय)	215.00	391.39
3	एसईएआर के लिए आयुष छात्रवृत्ति		
4	मलेशिया के लिए आयुष छात्रवृत्ति		
5	ओकिता स्मारक योजना	1.07	0.00
कुल		**11853.07**	**11558.66**

1. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए परिषद के वार्षिक लेखों को वित्त समिति और शासी निकाय द्वारा क्रमशः 21 अक्टूबर, 2020 और 12 नवंबर, 2020 को आयोजित अपनी बैठकों में अनुमोदित किया गया है।

2. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए आईसीसीआर के खातों की प्रमाणन लेखापरीक्षा का आयोजन, कार्यालय महानिदेशक (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास) द्वारा 28 दिसंबर, 2020 से 15 जनवरी, 2021 तक किया गया था। प्रमाणन लेखापरीक्षा की रिपोर्ट का इंतजार है।

3. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए लेनदेन लेखा परीक्षा का आयोजन, कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास) द्वारा वर्ष 18 जनवरी 2021 से 05 फरवरी 2021 तक किया गया था।

4. चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण, अप्रैल, 2020 से इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के संबंध में आईसीसीआर मुख्यालय की एक टीम द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा नहीं की गई थी।

आईसीसीआर
अनुलग्नक

अनुलग्नक-1

महासभा के सदस्यों की सूची

क्र.सं	नाम	क्र.सं	नाम
1	**डॉ. विनय सहस्रबुद्धे** अध्यक्ष, आईसीसीआर	19	**श्री दीपक करंजिकार** मुंबई
2	**श्री हर्ष वर्धन श्रींगला** विदेश सचिव एक्स-ओफिसिओ उपाध्यक्ष, आईसीसीआर	20	**श्री गुरुमायुं बीसेश्वोर शर्मा** मणिपुर
3	**श्री हंस राज हंस** उपाध्यक्ष, आईसीसीआर संसद सदस्य (लोक सभा)	21	**सुश्री मालिनी अवस्थी** लखनऊ
4	**श्री अद्वैत चरण गडनायक** उपाध्यक्ष, आईसीसीआर महानिदेशक, एनजीएमए	22	**सुश्री अद्वैत काला** लखनऊ
5	**श्री दिनेश के पटनायक** महानिदेशक, आईसीसीआर	23	**श्री आरिफ नूरानी** मुंबई
6	**श्री राज कुमार गोयल** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय	24	**डॉ. अरिंदम मुखर्जी** निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस)
7	**श्री अमित खरे** सचिव (उच्च शिक्षा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय	25	**श्री राघवेंद्र सिंह** निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय
8	**श्री राघवेंद्र सिंह** सचिव, संस्कृति मंत्रालय	26	**सुश्री चित्रा विश्वेश्वर** चेन्नई
9	**श्री अरविंद सिंह** सचिव, पर्यटन मंत्रालय	27	**पं. विश्व मोहन भट्ट** जयपुर
10	**श्री उपेंद्र प्रसाद सिंह** सचिव, कपड़ा मंत्रालय	28	**सुश्री कविता कृष्णमूर्ति** बैंगलूरू
11	**श्री अजय प्रकाश साहनी** सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29	**श्री कौशल एस इनामदार** मुंबई
12	**श्रीमती नवनीत रवि राणा** संसद सदस्य (लोक सभा)	30	**श्री नरेश कुमार कुमावत** गुरुग्राम
13	**श्री राकेश सिन्हा** संसद सदस्य (राज्य सभा)	31	**श्री विवेक अग्निहोत्री** मुंबई
14	**श्री उत्तम पछारने** चेयरमैन, ललित कला अकादमी	32	**डॉ. प्रकाश खांडगे** लोक कला अकादमी, मुंबई
15	**डॉ. के श्रीनिवासराव** सचिव, साहित्य अकादमी	33	**श्री वसिफुद्दीन डागर** नई दिल्ली
16	**डॉ. (श्रीमती) रीता स्वामी चौधरी** सचिव, संगीत नाटक अकादमी	34	**श्री सुदर्शन ठाकुर** सचिव, श्रीमन्ता संकरदेवा कलाक्षेत्र, गुवाहाटी
17	**श्री नितिन भाई दवे** मुंबई	35	**श्रीमती ताना यामी** अरुणाचल प्रदेश
18	**श्रीमती जया जेटली** नई दिल्ली	36	**प्रो. डॉ. नितिन कर्मलकर** कुलपति, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

37	**प्रो. राकेश भटनागर** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय	52	**डॉ. एच आर नागेंद्र** कुलाधिपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू
38	**प्रो. राज कुमार** कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय	53	**प्रो. तनुजा मनोज नेसारी** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)
39	**प्रो. सुनैना सिंह** कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय	54	**प्रो. अनिल दत्तात्रेय सहस्रबुद्धे** अध्यक्ष, एआईसीटीई
40	**डॉ. पी वेंकट रंगन** कुलपति, अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर	55	**प्रो. राजीव शेखर** निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद
41	**प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	56	**प्रो. एम जगदीश कुमार** कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
42	**डॉ. विद्या येरवडेकर** प्रो चांसलर, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी), पुणे	57	**प्रो. नज्मा अख्तर** कुलपति, जामिआ मिलिया इस्लामिया
43	**डॉ. एम. डी. वेंकटेश** कुलपति, मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी	58	**डॉ. चिन्मय पंड्या** प्रो वाईस-चांसलर, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार
44	**श्री शेखर कपूर** अध्यक्ष, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआई)	59	**प्रो. वी के मल्होत्रा** सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान परिषद
45	**प्रो. एस. के. श्रीवास्तव** कुलपति, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग	60	**प्रो. ई. सुरेश कुमार** कुलपति, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
46	**डॉ. जे पी शर्मा,** कुलपति, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू	61	**प्रो. डी पी सिंह** अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
47	**प्रो. (पं.) साहित्य कुमार नाहर** कुलपति, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर	62	**डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल** महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ
48	**प्रो. परिमल एच. व्यास** कुलपति, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा	63	**श्री चामू कृष्ण शास्त्री** ट्रस्टी, संस्कृति प्रमोशन फाउंडेशन
49	**प्रो. विश्वनाथ डी. सबले** डीन, सर जे जे स्कूल ऑफ आर्ट	64	**कु. निवेदिता भिड़े** उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी
50	**डॉ. ईश्वर बसवराददी** निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई)	65	**श्रीमती नीलांजना रॉय** सचिव, संस्कार भारती
51	**श्री अरुण कुमार सिंह** प्राचार्य, होटल प्रबंधन संस्थान, (आईएचएम), मुंबई		

अनुलग्नक-2

शासी निकाय के सदस्यों की सूची

1.	**डॉ. विनय सहस्रबुद्धे** अध्यक्ष, आईसीसीआर
2.	**श्री हर्ष वर्धन श्रींगला** विदेश सचिव/एक्स-ओफिसिओ उपाध्यक्ष, आईसीसीआर
3.	**श्री हंस राज हंस** उपाध्यक्ष, आईसीसीआर/संसद सदस्य (लोक सभा)
4.	**श्री अद्वैत चरण गडनायक** उपाध्यक्ष, आईसीसीआर/महानिदेशक, एनजीएमए
5.	**श्री दिनेश के पटनायक** महानिदेशक, आईसीसीआर
6.	**श्री राज कुमार गोयल** अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय
7.	**श्री अमित खरे** सचिव (उच्च शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
8.	**श्री राघवेंद्र सिंह** सचिव, संस्कृति मंत्रालय
9.	**श्री अरविंद सिंह** सचिव, पर्यटन मंत्रालय
10.	**श्री उत्तम पछारने** चेयरमैन, ललित कला अकादमी
11.	**डॉ. के श्रीनिवासराव** सचिव, साहित्य अकादमी
12.	**डॉ. (श्रीमती) रीता स्वामी चौधरी** सचिव, संगीत नाटक अकादमी
13.	**श्रीमती नवनीत रवि राणा** संसद सदस्य (लोक सभा)
14.	**श्री राकेश सिन्हा** संसद सदस्य (राज्य सभा)
15.	**श्री दीपक करंजिकर** मुंबई
16.	**सुश्री मालिनी अवस्थी** लखनऊ
17.	**श्री आरिफ नूरानी** मुंबई
18.	**डॉ. अरिंदम मुखर्जी** निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस)

अनुलग्नक 3 क

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान आईसीसीआर द्वारा दी जाने वाली कुल छात्रवृत्तियां

क्र. सं	कोड	छात्रवृत्ति योजना का नाम	कवर किए गए पाठ्यक्रम	प्रस्तावित स्लॉट	स्वीकृत स्लॉट
1	A1201	सामान्य छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	580	248
2	A1206	सीईपी/ईईपी छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	152	48
3	A1203	राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	26	13
4	A1209	भारतीय संस्कृति के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना	नृत्य, संगीत, भारतीय रंगमंच, पाक-प्रणाली, योग/कला पाठ्यक्रम	100	27
5	A1202	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी./ पश्च- डॉक्टरेट	100	136
6	A1204	श्रीलंकाई छात्रों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना (आईसीसीआर)	यूजी, पीजी	60	12
7	G0179	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	908	845
8	G0172	मेकांग गंगा सहयोग छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	50	24
9	G0178	अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों के बच्चों/आश्रितों के लिए छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी,	333	45
10	G0175	अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना	पीजी, पीएच.डी.	1000	768
11	G0102	नेपाल के लिए रजत जयंती छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	64	42
12	G0183	मंगोलियाई नागरिकों के लिए मंगोलिया छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	20	9
13	G0192	भूटानी नागरिकों के लिए भूटान छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी (केवल इंजी. पाठ्यक्रम)	20	18
14	G0164	मालदीव के नागरिकों के लिए मालदीव छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	20	4
15	G0191	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत छात्रवृत्ति (बांग्लादेश) योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी. (इंजीनियरिंग को छोड़कर सामान्य पाठ्यक्रम)	100	104
16	G0194	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना (बीजीबीएसएस)	यूजी (केवल इंजी. पाठ्यक्रम)	20	13
17	G0184	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना (एमईए)	केवल यूजी	60	16
18	G0185	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए मौलाना आजाद छात्रवृत्ति योजना	कृषि विज्ञान और इंजीनियरिंग में परास्नातक डिग्री।	50	41
19	G0186	श्रीलंकाई छात्रों के लिए राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना	आईटी के क्षेत्र में अध्ययन के लिए (बीई/ बी.टेक पाठ्यक्रम)	25	04
20	G0139	आयुष छात्रवृत्ति योजना (बिम्सटेक) - (99 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसे पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए	30	0
21	G0615	आयुष छात्रवृत्ति योजना (गैर-बिम्सटेक) - (99 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में यूजी, पीजी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	20	01
22	G0621	आयुष छात्रवृत्ति योजना (दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र [एसईएआर]) – (10 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में यूजी, पीजी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	29	0
23	G0616	मलेशियाई नागरिकों के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में यूजी, पीजी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	20	0
कुल स्लॉट				**3787**	**2418**

अनुलग्नक 3 ख

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान फंडिंग एजेंसी-वार के अनुसार छात्रवृत्ति का सारांश

क्र.सं	फंडिंग एजेंसी	छात्रवृत्ति योजनाओं की संख्या	छात्रवृत्तियों की संख्या
1	आईसीसीआर	06	1018
2	विदेश मंत्रालय	14	2700
3	आयुष मंत्रालय	03	69
कुल		**23**	**3787**

अनुलग्नक 3 ग

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान आयुष छात्रवृत्ति कार्यक्रम
आयुष मंत्रालय की ओर से प्रशासित

क्र.सं	योजना	छात्रवृत्तियां	पाठ्यक्रम
1	आयुष छात्रवृत्ति योजना (गैर-बिम्सटेक) - (99 देशों को कवर करते हुए)	20	आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में यूजी, पीजी, पीएच.डी. पाठ्यक्रम
2	आयुष छात्रवृत्ति योजना (दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र [एसईएआर]) – (10 देशों को कवर करते हुए)	29	
3	मलेशियाई छात्रों के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	20	
कुल छात्रवृत्तियां		**69**	

अनुलग्नक 3 घ

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान आईसीसीआर द्वारा वित्त पोषित छात्रवृत्ति कार्यक्रम

क्र.सं	योजना	छात्रवृत्तियां	पाठ्यक्रम
1	सामान्य छात्रवृत्ति योजना	580	यूजी, पीजी, पीएच.डी. पोस्ट डॉक्टरल पाठ्यक्रम (60 देशों को कवर करते हुए)
2	सीईपी/ईईपी छात्रवृत्ति योजना	152	यूजी, पीजी, पीएच.डी. (28 देशों को कवर करते हुए)
3	भारतीय संगीत एवं नृत्य के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना	100	नृत्य या संगीत में डिप्लोमा / प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
4	बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना	100	यूजी, पीजी, पीएच.डी.
5	श्रीलंकाई छात्रों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना (आईसीसीआर)	60	यूजी, पीजी
6	राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	26	यूजी, पीजी, पीएच.डी. (7 देशों को कवर करते हुए)
	विशेष रूप से आईसीसीआर द्वारा वित्त पोषित कुल छात्रवृत्तियां	**1018**	

अनुलग्नक 3 ड़

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विदेश मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित
लेकिन आईसीसीआर द्वारा प्रशासित छात्रवृत्ति कार्यक्रम

क्र.सं	छात्रवृत्ति योजना	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	स्लॉट्स
1	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	908
2	मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) छात्रवृत्ति योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	50
3	अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	1000
4	नेपाल के लिए रजत जयंती छात्रवृत्ति योजना	पीजी, पीएच.डी.	64
5	मंगोलियाई नागरिकों के लिए मंगोलिया छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी, पीजी, पीएच.डी.	20
6	भूटानी नागरिकों के लिए भूटान छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी (केवल इंजी. पाठ्यक्रम)	20
7	मालदीव के नागरिकों के लिए मालदीव छात्रवृत्ति योजना के लिए सहायता	यूजी	20
8	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत छात्रवृत्ति (बांग्लादेश) योजना	यूजी, पीजी, पीएच.डी. (इंजी. को छोड़कर सामान्य पाठ्यक्रम)	100
9	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना (बीजीबीएसएस)	यूजी	20
10	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना	यूजी	60
11	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए मौलाना आजाद छात्रवृत्ति योजना	कृषि विज्ञान और इंजी. में स्नातकोत्तर डिग्री।	50
12	श्रीलंकाई छात्रों के लिए राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना	आईटी के क्षेत्र में अध्ययन के लिए (बीई/बी टेक)	25
13	अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बल	यूजी	333
14.	आयुष छात्रवृत्ति योजना (बिम्सटेक देशों के लिए प्राथमिकता के बावजूद सभी देशों के छात्रों के लिए उपलब्ध है)	आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का अध्ययन करने के लिए	30
कुल स्लॉट्स			**2700**

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

आज़ाद भवन, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली–110002
सामान्य न० 011-23379309, 23379310
www.iccr.gov.in

Facebook.com/ICCROfficial/ @ICCROfficial ICCROfficial Youtube.com/ICCROfficial